आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

वसंत पंचमी

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 39 अंक 176 | इंदौर, शुक्रवार 23 जनवरी, 2026 | माघ शुक्ल 5 संवत् 2082 | पृष्ठ-12 मूल्य-3.00 | www.awantika.com

देश विदेश

ट्रम्प का यू-टर्न, यूरोपीय देशों पर 10% टैरिफ नहीं लगाएंगे

दावोस। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प यूरोपीय देशों पर 10% टैरिफ लगाने से पीछे हट गए हैं। ये टैरिफ 1 फरवरी से लगने वाले थे। ट्रम्प ने बुधवार को कहा कि उन्होंने दावोस में नाटो चीफ जनरल मार्क रुट के साथ बातचीत के बाद यह फैसला लिया। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उनकी नाटो चीफ के साथ ग्रीनलैंड को लेकर होने वाले समझौते की बुनियादी बातें तय हो गई हैं। अगर यह समझौता पूरा होता है, तो यह अमेरिका और नाटो के सभी देशों के लिए फायदेमंद होगा। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका, नाटो और दूसरे देश मिलकर पूरे आर्कटिक क्षेत्र की सुरक्षा पर काम करेंगे, जिसमें ग्रीनलैंड भी शामिल रहेगा। हांलांकि ट्रम्प ने इस समझौते की पूरी जानकारी देने से मना कर दिया।

केन्द्रीय मंत्री नड्डा तीन दिन के प्रवास पर जबलपुर आ रहे

जबलपुर। पूर्व भाजपा अध्यक्ष व केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का तीन दिवसीय प्रवास पर गुरुवार को जबलपुर आगमन हो रहा है। नड्डा गुरुवार की शाम 5 बजे नई दिल्ली से वायुयान द्वारा जबलपुर आयेंगे। वे तीन दिनों तक विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार केन्द्रीय मंत्री नड्डा डुमना एयरपोर्ट से शाम 5.30 बजे लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के साउथ सिविल लाईन स्थित निवास पहुंचेंगे तथा यहां से शाम 6.30 बजे मदन महल थाना के समीप स्थित सांसद आशीष दुबे के कार्यालय के लिए रवाना होंगे। सांसद कार्यालय से आप शाम 7.40 बजे सुभाषचंद्र बेनर्जी मार्ग सिविल लाइन पचपेढी. स्थित पूर्व सांसद जयश्री बेनर्जी के निवास के लिए प्रस्थान करेंगे तथा रात्रि विश्राम करेंगे।

मनोज मुंतशिर ने रहमान के बयान से जताई असहमति

कहा- पिछले आठ सालों में पठान-जवान जैसी फिल्में 500 करोड़ क्लब में पहुंचीं

मुंबई। ऑस्कर विनर म्यूजिक कंपोजर ए.आर. रहमान के हालिया बयान पर गीतकार मनोज मुंतशिर और संगीतकार मिथुन ने रहमान के विचारों से असहमति जताते हुए कहा है कि उन्हें कभी भी इंडस्ट्री में धर्म या जाति के आधार पर भेदभाव महसूस नहीं हुआ। बातचीत में मनोज मुंतशिर ने कहा कि ए.आर. रहमान पर पूरे देश को गर्व है और वह एक विशाल सोच और बड़े दिल वाले कलाकार हैं। उन्होंने कहा, मैं रहमान साहब की बहुत इज्जत करता हूं, लेकिन उनके इस बयान से सहमत नहीं हूं कि इंडस्ट्री में धर्म या जाति के आधार पर भेदभाव होता है। पिछले 10-12 सालों में मेरा अनुभव ऐसा नहीं रहा। उन्होंने आगे कहा कि जिन आठ सालों की बात की जा रही है, उसी दौर में पठान और जवान जैसी फिल्में 500 करोड़ रुपए क्लब में शामिल हुईं और दुनिया भर में भारत का नाम रोशन किया। मनोज ने कहा कि जिस इंडस्ट्री में जावेद अख्तर, साहिर लुधियानवी, मजरूह सुल्तानपुरी और नौशाद जैसे दिग्गज रहे हों, वहां भेदभाव की बात समझ से परे है। मनोज मुंतशिर ने यह भी कहा कि छावा जैसी फिल्म, जो वीर संभाजी महाराज पर आधारित है, उसका संगीत ए.आर. रहमान ने ही दिया है और आने वाली रामायण का संगीत भी वही तैयार कर रहे हैं, तो कृपया मुझे यह समझने में मदद करें कि आखिर जाति, धर्म और मजहब के नाम पर उनके साथ भेदभाव कैसे हो रहा है? वहीं संगीतकार मिथुन ने भी रहमान के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से उनसे बहुत प्रेरणा ली है। मिथुन ने कहा, मैंने देखा है कि जब रहमान सर अपने ईमान और पहचान के साथ मंच पर प्रस्तुति देते हैं, तो हर धर्म और संस्कृति के लोग उन्हें सम्मान और प्यार देते हैं।

बांग्लादेश में पाकिस्तान समर्थक इस्लामिक पार्टी सरकार बना सकती है

ढाका। बांग्लादेश में अगले महीने होने वाले आम चुनाव में एक बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिल सकता है। लंबे समय तक राजनीति से बाहर रही पाकिस्तान समर्थक कट्टरपंथी पार्टी जमात-ए-इस्लामी पहली बार सरकार बनाने के बेहद करीब पहुंचती नजर आ रही है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक हाल ही में हुए दो अलग-अलग सर्वे में जमात देश की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। वह पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी को कड़ी टक्कर दे रही है। बांग्लादेश में 12 फरवरी को 300 संसदीय सीटों पर आम चुनाव होंगे। जमात-ए-इस्लामी वही पार्टी है जिसने 1971 में बांग्लादेश की आजादी का विरोध किया था और पाकिस्तानी सेना का साथ दिया था। देश की आजादी के बाद 1972 में इस पर बैन लगा दिया गया था।

अविमुक्तेश्वरानंद को चेतावनी- माघ मेले से बैन कर देंगे

प्रयागराज। प्रयागराज में अविमुक्तेश्वरानंद और माघ मेला प्रशासन के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। 48 घंटे के अंदर प्रशासन ने अविमुक्तेश्वरानंद को दूसरा नोटिस भेजा है। इसमें मौनी अमावस्या के दिन बैरियर तोड़ने और जबरन भीड़ में बग्घी घुसाने को लेकर सवाल किए हैं। पूछा है कि क्यों न आपको हमेशा के लिए माघ मेले से बैन कर दिया जाए? अगर 24 घंटे के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो संस्था को दी गई जमीन और सुविधाएं वापस ले लेंगे। अविमुक्तेश्वरानंद के मीडिया प्रभारी शैलेंद्र योगिराज ने कहा- प्रशासन ने बुधवार शाम 7 बजे शिविर के पीछे नोटिस चस्पा किया, जिस पर 18 जनवरी की डेट थी। अविमुक्तेश्वरानंद ने गुरुवार सुबह 8 बजे 3 पेज में दूसरे नोटिस का जवाब मेला ऑफिस भिजवाया।

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में सेना की गाड़ी 400-फीट गहरी खाई में गिरी

10 जवानों की जान गई, 11 को एयरलिफ्ट किया

एजेंसी ▸▸ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में गुरुवार को सेना की गाड़ी 400 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 10 जवानों की मौत हो गई, जबकि 11 को एयरलिफ्ट कर उधमपुर मिलिट्री हॉस्पिटल भेजा गया है।

सेना के अधिकारी ने बताया कि गाड़ी में 21 जवान सवार थे। सभी डोडा से ऊपरी पोस्ट पर जा रहे थे। भद्रवाह-चंबा इंटरस्टेट रोड पर खन्नी टॉप के पास ड्राइवर ने गाड़ी से कंट्रोल खो दिया।

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि इस हादसे से दुःखी हूं। इस घड़ी में पूरा देश शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता और समर्थन में खड़ा है। घायल सैनिकों को एयरलिफ्ट करके अस्पताल पहुंचाया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों को बेहतरीन इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

हादसे पर किसने क्या कहा

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा जम्मू-कश्मीर के डोडा में हुए सड़क हादसे से मन अत्यंत व्यथित है। इस हादसे में हमने अपने जिन वीर जवानों को खोया है, उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दुखी परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। घायल सैनिकों को मेडिकल केयर मिल रही है और सबसे अच्छा इलाज पक्का करने के लिए सभी जरूरी निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जान गंवाने वाले सैनिकों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। अब्दुल्ला ने त्वरित बचाव और निकासी प्रयासों की भी सराहना की।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि सेना का वाहन गहरी खाई में गिरने की वजह से कई जवानों की शहादत का समाचार अत्यंत दुखद है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें।

राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि डोडा से आई दुखद खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। मेरी गहरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायलों के जल्द ठीक होने के लिए प्रार्थना करती हूं।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने हादसे पर कहा कि आर्मी की गाड़ी के एक्सीडेंट के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ। हर मुमकिन मेडिकल मदद दी जा रही है। हमारे बहादुर जवानों के लिए गहरी श्रद्धा दिखाने के लिए कोई भी शब्द काफी नहीं है।

अखंड पूजा वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

धार-भोजशाला में दोपहर 12 बजे तक पूजा, फिर नमाज होगी

नमाज के बाद दोबारा पूजा कर सकेंगे

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

मध्य प्रदेश में धार की भोजशाला में बसंत पंचमी पर हिंदू पक्ष की पूजा के साथ ही मुस्लिम समाज भी नमाज अता कर सकेगा। सुप्रीम कोर्ट ने संतुलित समाधान देते हुए कहा कि दोपहर 1 से 3 बजे तक नमाज के लिए परिसर के भीतर ही एक अलग और विशेष क्षेत्र उपलब्ध कराया जाएगा, जहां आने-जाने के लिए अलग प्रवेश और निकास मार्ग होंगे, ताकि नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। वहीं, हिंदू समुदाय को भी पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए परिसर में अलग स्थान दिया जाएगा।

दरअसल, हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस ने 23 जनवरी को बसंत पंचमी पर पूरे दिन अखंड सरस्वती पूजा की अनुमति के लिए 20 जनवरी को याचिका दायर की थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने आज (22 जनवरी) फैसला सुनाया है। मामले की सुनवाई सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की पीठ ने की।

हिंदू पक्ष ने कहा- बसंत पंचमी पर दिनभर पूजन होंगे

- सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष के वकील ने कहा कि बीते कुछ वर्षों से बसंत पंचमी शुक्रवार को पड़ रही है। कल बसंत पंचमी है और सूर्योदय से सूर्यास्त तक पूजा, हवन और पारंपरिक अनुष्ठान होंगे।
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के वकील ने अदालत को आश्वस्त किया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने की पूरी व्यवस्था की जाएगी, जैसा कि पूर्व वर्षों में किया जाता रहा है।

मस्जिद पक्ष बोला- नमाज के बाद परिसर खाली कर देंगे

मस्जिद पक्ष के वकील ने कहा कि दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज अदा की जाएगी। इसके बाद परिसर खाली कर दिया जाएगा। हिंदू पक्ष की ओर से यह सुझाव दिया गया कि नमाज शाम 5 बजे के बाद कराई जाए, ताकि पूजा निर्बाध चल सके। इस पर मस्जिद पक्ष ने स्पष्ट किया कि जुमे की नमाज का समय बदला नहीं जा सकता। अन्य नमाजों के समय में बदलाव संभव है।

नमाज के लिए विशेष क्षेत्र उपलब्ध कराया जाएगा

सुप्रीम कोर्ट ने एक संतुलित समाधान अपनाते हुए कहा कि दोपहर 1 से 3 बजे तक नमाज के लिए परिसर के भीतर ही एक अलग और विशेष क्षेत्र उपलब्ध कराया जाएगा, जहां आने-जाने के लिए अलग प्रवेश और निकास मार्ग होंगे, ताकि नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। इसी तरह हिंदू समुदाय को भी बसंत पंचमी के अवसर पर पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए परिसर में अलग स्थान उपलब्ध कराया जाएगा।

चांदी 19,386 और सोना 3,099 सस्ता

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

चांदी की कीमतों में गुरुवार 22 जनवरी को गिरावट रही। इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, चांदी 5% या करीब 19 हजार प्रति किलो गिर गई।

चांदी सुबह 3,03,584 रुपए पर खुली और 2,99,711 रुपए पर बंद हुई। कल ये 3,19,097 लाख रुपए पर बंद हुई थी और कारोबार के दौरान इसने 3,20,075 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने-काटने की प्रक्रिया का आज आखिरी दिन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

मध्य प्रदेश में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के तहत वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने, काटने और सुधार की प्रक्रिया का 23 जनवरी आखिरी दिन है। इसी बीच कांग्रेस ने इस पूरी प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए बीजेपी पर सुनियोजित तरीके से वोटर लिस्ट से नाम कटवाने की साजिश का आरोप लगाया है।

कांग्रेस का दावा है कि सिर्फ 10 दिनों में करीब 11 लाख वोटरों के नाम काटने के लिए भारतीय जनता पार्टी द्वारा बूथ लेवल ऑफिसर्स को बड़े पैमाने पर फॉर्म-7 उपलब्ध कराए गए हैं। आरोप है कि इन फॉर्मों का इस्तेमाल विशेष रूप से एससी, एसटी, अल्पसंख्यक और कांग्रेस के परंपरागत वोट बैंक को मतदाता सूची से बाहर करने के लिए किया जा रहा है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि जिन फॉर्म-7 के जरिए वोटर के नाम हटाने की प्रक्रिया चल रही है, वे प्री-प्रिंटेड (पहले से भरे हुए) हैं। इन फॉर्मों में विधानसभा क्रमांक, विधानसभा का नाम, जिस मतदाता का नाम हटाना है, उसका नाम और विवरण पहले से दर्ज है।

हमारे पूर्वज धर्म का सत्य जानते थे : भागवत

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

दुनिया के देश आजकल अपने स्वार्थ के साथ चल रहे हैं। हर कोई चाहता है कि मेरा स्वार्थ सिद्ध होना चाहिए, मेरा हित होना चाहिए, मैं बढ़ता रहूं, बाकि लोगों का क्या होगा वो बाद का सवाल है।

सभी इसी सोच के साथ चल रहे हैं। लेकिन भारत देश और भारत के लोग कभी भी इस सोच के साथ नहीं चले, न ही चल रहे हैं और न ही चलेंगे, क्योंकि वो धर्म जानते हैं। यह ये बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने डीडवाना-कुचामन जिले के छोटी खाटू कस्बे में जैन श्वेतांबर तेरापंथ धर्मसंघ के 162वें मर्यादा महोत्सव में कहीं। इस दौरान भागवत ने कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। मर्यादा महोत्सव में सरसंघचालक ने कहा कि एक महत्वपूर्ण बात हमारे पूर्वजों को पता चली, बाकि दुनिया को पता नहीं चली... वो बात यह है कि हम सब लोग दिखते अलग-अलग हैं, विश्व में सर्व बातें दिखती अलग-अलग हैं, लेकिन मूल में सब एक है। भागवत ने कहा कि धर्म के पीछे जो सत्य है वो बाकि दुनिया नहीं जानती, हमारे पूर्वज जानते थे।

मुंबई समेत 15 नगर निगम में महिला महापौर होंगी

एजेंसी ▸▸ मुंबई

महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों में से मुंबई समेत 15 में महिलाएं मेयर होंगी। गुरुवार को मुंबई में लॉटरी सिस्टम से इन्हें चुना गया। परभणी नगर निगम पर महिला महापौर को लेकर आपत्ति दर्ज की गई है।

लॉटरी सिस्टम पर शिवसेना नेता और मुंबई की पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर ने विरोध किया। उन्होंने दावा किया कि यह फैसला लेने के नियम बिना किसी को बताए बदल दिए गए। पिछले दो मेयर सामान्य वर्ग के थे, इसलिए नई मेयर अन्य पिछड़ा वर्ग या अनुसूचित जनजाति वर्ग से होना चाहिए था। 29 में से 12 सीटें एसटी, एससी, ओबीसी कैटेगरी के लिए आरक्षित की गई हैं, जबकि 17 सीटें सामान्य वर्ग के लिए हैं। शिंदे के गढ़ ठाणे में महापौर एससी कैटेगरी का होगा।

वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष अलीम कुरैशी गिरफ्तार

वक्फ बोर्ड के नाम पर फर्जी नियुक्ति पत्र, ब्लैकमेलिंग करने का भी आरोप

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के नाम पर कूट रचित दस्तावेज तैयार कर लोकायुक्त संगठन में शिकायतें दर्ज कराने और इसके जरिए ब्लैकमेलिंग करने के गंभीर आरोप में भोपाल जिला वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष अलीम कुरैशी को शाहजहांनाबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। मामला थाना शाहजहांनाबाद में पदस्थ उप निरीक्षक द्वारा दर्ज एफआईआर के अनुसार सामने आया।

21 मार्च 2025 की जांच के दौरान वक्फ बोर्ड की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉक्टर फरजाना गजाल के कथन दर्ज किए गए। उन्होंने अपने आवेदन की पुष्टि करते हुए बताया कि लोकायुक्त में प्रस्तुत किए गए नियुक्ति आदेश वक्फ बोर्ड द्वारा जारी नहीं किए गए थे।

जांच में पूर्व मुख्य कार्यपालन अधिकारी मोहम्मद अहमद खान के बयान भी दर्ज किए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोकायुक्त में लगाए गए आदेश पत्र उनके द्वारा जारी मूल आदेश से पूरी तरह भिन्न हैं। केवल आदेश क्रमांक और दिनांक समान हैं, जबकि भाषा, शब्द और प्रारूप अलग हैं। साथ ही दस्तावेज पर किए गए हस्ताक्षर भी उनके वास्तविक हस्ताक्षर से मेल नहीं खाते, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि हस्ताक्षर की नकल करने का प्रयास किया गया।

विधायक के पोते को संभालने वाली युवती ने किया सुसाइड

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर के 3 नंबर विधायक गोलू शुक्ला के पोते को संभालने का काम करने वाली युवती ने बुधवार को घर पर सुसाइड कर लिया। शाम को पिता जब घर पहुंचे तो बेटी को फंदे पर देखा। उसके माता-पिता गोलू शुक्ला के भाई बब्बी शुक्ला के घर पर काम करते हैं। पुलिस को मृतिका के घर से किसी तरह का सुसाइड नोट नहीं मिला है। मामले की जांच की जा रही है।

बाणगंगा पुलिस के मुताबिक नेहा (19) पुत्री रवि यादव, निवासी भगत सिंह नगर खारच्चा का शव उसके पिता ने बुधवार शाम को फंदे पर देखा था। नेहा विधायक गोलू शुक्ला के भतीजे और बब्बी के बेटे यश के बच्चे को संभालने का काम करती थी।

बुधवार को तबीयत ठीक नहीं लगने के चलते नेहा बंगले पर नहीं गई थी। नेहा की मम्मी बब्बी शुक्ला के यहां काम पर थीं। वहीं, पिता उनके फार्म हाउस पर काम करते है। वह काम से निपटने के बाद नगर निगम जोन पर थे।

राहुल गांधी ने सिर पर गमछा बांधा, कंधे पर कुदाल रखी

मनरेगा बचाओ सम्मेलन में बोले- वीबी-जीराम-जी जुमला है, गरीबों के हक पर हमला है

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

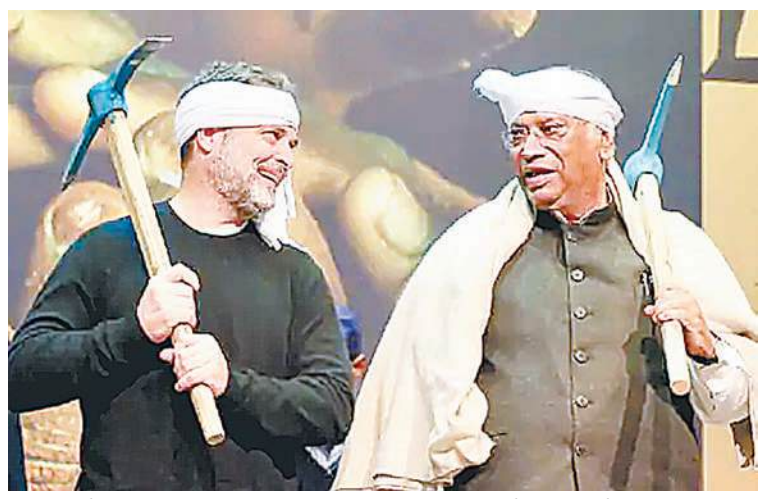

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को नई दिल्ली में कहा कि वे वीबी-जीराम-जी बिल के बारे में नहीं जानते। उन्होंने कहा, वीबी-जीराम-जी जुमला है, गरीबों के हक पर हमला है। राहुल ने गरीबों से अपील की कि वे इस नए बिल के विरोध में एकजुट हों।

राहुल रचनात्मक कांग्रेस के राष्ट्रीय मनरेगा श्रमिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में राहुल और खड़गे ने सिर पर गमछा बांधा, कंधे पर कुदाल रखी और देशभर से मजदूरों की लाई मिट्टी पौधों में डाली।

सम्मेलन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को आरोप लगाया कि सरकार का मनरेगा को निरस्त करना महात्मा गांधी के नाम को लोगों की स्मृति से मिटाने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी संसद के आगामी बजट सत्र में इस मुद्दे को मजबूती से उठाएगी।

राहुल ने कहा कि मनरेगा गरीबों को अधिकार देने के लिए लाई गई योजना थी। इसका उद्देश्य जरूरतमंदों को काम देना था। यह योजना सरकार के तीसरे स्तर यानी पंचायती राज के माध्यम से चलाई जानी थी। अधिकार शब्द महत्वपूर्ण था। सभी गरीब लोगों को मनरेगा के तहत काम करने का अधिकार था। पीएम मोदी-भाजपा उस कन्सेप्ट को खत्म करना चाहती है।

कांग्रेस देशभर में कर रही बिल का विरोध

उन्होंने कहा, कुछ साल पहले सरकार 3 काले कृषि कानून लाई थी। लेकिन हम सभी के एकजुट होकर दबाव बनाया और कानूनों को रद्द करवा दिया। नए कानून में केंद्र सरकार काम और पैसा देने का फैसला करेगी और भाजपा शासित सरकारों को हमेशा प्राथमिकता मिलेगी। राहुल ने कहा, पहले जो मजदूरों को मिलता था, वह अब ठेकेदारों और अफसरों को दिया जाएगा। भाजपा चाहती है कि संपत्ति कुछ ही हाथों में रहे ताकि गरीब लोग अडानी-अंबानी पर निर्भर रहें, यही उनका भारत का आदर्श है। वे ऐसा भारत चाहते हैं, जहां राजा ही सब कुछ तय करे। सम्मेलन में देश भर के श्रमिकों ने भाग लिया और अपने कार्यस्थलों से मुट्ठी भर मिट्टी लाकर खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की उपस्थिति में प्रतीकात्मक रूप से पौधों में डाली।

सांसद शक्ति सिंह के भतीजे ने पत्नी को गोली मारकर की खुदकुशी

एजेंसी ▸▸ अहमदाबाद

गुजरात से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल के भतीजे यशराज सिंह गोहिल ने पत्नी की गले में गोली लगने से हुई मौत के बाद आत्महत्या कर ली। यशराज की शादी दो महीने पहले ही हुई थी।

पुलिस के मुताबिक यशराज ने बुधवार रात 11.45 बजे 108 पर कॉल करके एंबुलेंस को बुलाया था। कॉल में यशराज ने पत्नी राजेश्वरी के घायल होने की बात कही थी। मौके पर पहुंची मेडिकल टीम ने राजेश्वरी को मृत घोषित कर दिया। इससे पहले यशराज ने एंबुलेंस टीम को बताया कि उससे लाइसेंसी पिस्टल से गलती से गोली चल गई थी, जो सीधे पत्नी के गले में जा लगी। मेडिकल टीम जब राजेश्वरी का शव एंबुलेंस में रखने के लिए बाहर गई, तभी यशराज ने कमरे में जाकर खुद को गोली मार ली।

महाकाल श्रृंगार

ज्योर्तिलिंग महाकालेश्वर का बुधवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

सेवा में लगा रोग...

कहने को रूग्णालय सेवा का केंद्र कहा जाता है और यहां सेवा करने वालों को भगवान के रूप में देखा जाता है। जिले के रूग्णालय में सेवा की व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। यहां लघु शंका,दीर्घ शंका स्थल ही गंदा हो ऐसा नहीं है। रोगियों के वार्ड में सिर्फ फर्श पर पोता लगता है लेकिन सामान्य पानी से जिससे कीडे-मकौडे, कीट-पतंगे सहजता से यहां रोगियों के आसपास घुमते रहते हैं। रोगियों को नि:शुल्क भोजन मिलना तो उनके आरामस्थल पर चाहिए पर भोजन बांटने वाले भैया सबको लाईन में लगाकर सिस्टम से ही बांटतें हैं। रोगी को भर्ती होने के बावजूद बिस्तर छोडकर यहां देखने आने वाले कहने के भगवान की काउंटर तक पहुंचना पडता है । समय के साथ कहने के भगवान की सेवा का सिस्टम अपडेट हो गया है । खैराती रूग्णालय में अब भर्ती रोगी तक वे नहीं जाते,रोगी उन तक जाते हैं।इसके विपरित निजी रूग्णालय में वे रोगी तक जाते हैं। सेवा का जज्बा अब अर्थ से ज्यादा प्रेरित होकर अपडेट चल रहा है। रूग्णालय के रोगियों के परिजनों से सामान्य बनकर कोई जानना ही नहीं चाहता। यहां लगी तिसरी आंख पर भी इसी बात से सवाल उठने लगते हैं। इन तिसरी आंखों का फिर फायदा ही क्या जब इनका लाभ लेने की स्थिति ही अपडेट नहीं की जा रही है तो फिर इन्हें सिर्फ विवादों की रेकार्डिंग या रूग्णालय में परिजनों के विरोध को रेकार्ड कर उनके विरूद्ध उपयोग करने की स्थिति में लगाया ही माना जाना चाहिए। खुसूर फुसूर है कि सिर्फ कागजों में ही व्यवस्था सुधार के दावे चल रहे हैं।इसके विरूद्ध काम में सुधार की स्थिति सेवा से बिल्कुल परे ही है। तिसरी आंख की नजर से से जिम्मेदार प्रति दिन चप्पे-चप्पे को देखें तो बहुतेरी ऐसी बातें सामने होंगी जिसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है लेकिन जिम्मेदार भी सिर्फ खानापूर्ति कर व्यवस्थाओं के चुस्त-दुरूस्त होने को लेकर बरगलाने में लगे हैं। यदा-कदा जब बात उठती है तो खानापूर्ति की नजर मार ली जाती है वो भी पूर्व नियोजित स्मार्ट तरीके से।

उपभोक्ताओं को जागरूक बनाने वाली संस्थाओं को मिलेंगे पुरस्कार

उज्जैन। जिला आपूर्ति नियंत्रक ने जानकारी दी कि उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में राज्य एवं संभाग स्तरीय पुरस्कार योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने तथा उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान करने वाले स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठनों/व्यक्तियों एवं छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य शासन द्वारा राज्य एवं संभाग स्तरीय पुरस्कार दिए जाते है। यह पुरस्कार प्रतिवर्ष अनुसार विश्वउपभोक्ता अधिकार दिवस 15 मार्च 2026 के अवसर पर प्रदान किए जाते हैं। इन पुरस्कार के लिए ऐसे संगठनों एवं व्यक्तियों का चयन कैलेण्डर वर्ष 01 जनवरी 2025 से 31 दिसम्बर 2025 तक की अवधि में किए गए कार्यों एवं हासिल उपलब्धियों के आधार पर किया जाएगा।

इस वर्ष भी राज्य स्तरीय पुरस्कार योजना के अंतर्गत प्रदेश के ऐसे स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठनों एवं व्यक्तियों को चुना जाएगा, जो उपभोक्ताओं की समस्या एवं शिकायतों के प्रतितोषण के लिए किये गए विशेष प्रयास, आम उपभोक्ताओं की समस्या से जुड़े मामलों को उठाना तथा उनके समाधान की दिशा में नवीन दृष्टिकोण अपनाया गया हो। उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में अनुसंधान द्वारा उपभोक्ताओं की समस्याओं की समाधान की पहल तथा उपभोक्ताओं को जागरूक बनाने के उद्देश्य से प्रश्न मंच एवं प्रदर्शनियों, संगोष्ठियों, उपभोक्ता मेला का आयोजन, साहित्य कला एवं जनसंचार के माध्यम का उपयोग, नुक्कड नाटक/कठपुतली एवं अन्य माध्यमों से उपभोक्ताओं के हित में संदेश प्रसारित करना इत्यादि चयन में मापदण्ड होंगे।

भाकिसं की भू अर्जन में मुआवजे की गणना फेक्टर की वृद्धि में सुझाव को लेकर बैठक संपन्न, किसानों की और से भूमि अधिग्रहण को लेकर बहुत आवश्यक होने पर ही करने का कहा

शासन-प्रशासन एवं भाकिसं बैठे साथ-साथ

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

बुधवार को मध्यप्रदेश शासन एवं प्रशासन के साथ भारतीय किसान संघ की भू-अर्जन में मुआवजें की गणना फेक्टर की वृद्धि में सुझाव को लेकर बैठक संपन्न हुई है। संघ ने मांग की कि प्रदेश में किसी भी परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की स्थिति में किसानों को चार गुना मुआवजा, समय पर भुगतान और पूर्ण पारदर्शिता मिले। साथ ही कृषि योग्य भूमि के अनावश्यक अधिग्रहण पर रोक, बंजर भूमि के प्राथमिक उपयोग, ग्रामसभा की सहमति, सामाजिक प्रभाव आकलन तथा प्रभावित किसानों के पुनर्वास और रोजगार की ठोस व्यवस्था की जाए। इसके अलावा सौहार्द वातावरण में सार्थक विस्तृत चर्चा बैठक में हुई।

बैठक में भू-अधिग्रहण को लेकर शासन प्रशासन ने अपना पक्ष रखा, और भारतीय किसान संघ के प्रदेश अध्यक्ष कमल सिंह आंजना ने किसान भाईयों का पक्ष रखते हुए बताया कि सरकार की मंशा भूमि धारकों को अधिक से अधिक मुआवजा देने के हित में होना चाहिए ना कि कम से कम, भूमि की बाजार मूल्य वास्तविक रूप से वर्तमान में जिस दर पर भूमि का क्रय विक्रय होता है उस अनुरूप होना चाहिए ना की गाईड लाईन मूल्य पर, ऐसे 8 बिन्दुओं पर किसान हित में पक्ष रखा।

विकास प्राधिकरणों के पास हजारों एकड भूमि बेकार

क्षेत्रीय संगठन मंत्री मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ महेश चौधरी ने बताया कि मध्यप्रदेश में सरकार के द्वारा विकास प्राधिकरण के नाम हजारों एकड़ भूमि विकास के नाम अधिग्रहण कर रखी है और भू अधिग्रहण करने के बाद आज तक कोई विकास नहीं हुआ, जिसके कारण किसान का नुकसान तो हुआ ही है देश का भी भारी नुकसान हुआ। उक्त जमीन में किसान की भूमि अधिग्रहण होने के कारण वह उत्पादन नहीं कर पाया वह जमीन अधिग्रहण के बाद उसकी कीमत तो बढ़ गई परंतु विकास की गंगा रूक गई। इस प्रकार से भू-अधिग्रहण किसी भी स्थिति में नहीं करने दिया जायेगा।

किसानों का शोषण नहीं रूका

अखिल भारतीय एग्रोएकोनिमक रिचर्स सेटंर अध्यक्ष प्रमोद चौधरी जी ने भी अपने सुझाव रखते हुए कहा कि देश में अंग्रेजों द्वारा 1894 में भूमि अधिग्रहण कानून लाया गया। दुर्भाग्य से स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी यहीं कानून अनेकों वर्षों तक लागू रहा एवं निर्बाध रूप से किसानों का शोषण होता रहा है। सन् 2013 में एक नया कानून पारित हुआ जो1 जनवरी 2014 से प्रभावी हुआ जिसमें भारतीय किसान संघ द्वारा दिये गये 2सुझाव जिसमें उपजाऊ जमीन का अधिग्रहण अंतिम पर्याय हो तथा सामाजिक सहमति का आंकलन हो मान्य किये गये लेकिन किसानों का शोषण नहीं रुका क्योंकि देश के विभिन्न राज्यों ने 2013के कानून में अपनी सुविधानुसार संशोधन करके कानून को कमजोर कर दिया।महानगर अध्यक्ष इंदौर दिलीप मुकाती जी ने अपनी बात रखते हुए बताया कि वर्तमान समय में कृषि भूमियों के अधिग्रहण की नीतियां किसान तथा समाज दोनों के लिए गंभीर संकट का कारण बन रही है 7 बिन्दुओं पर सुझाव रखे।

आगे भी बैठक का क्रम जारी रहेगा- मंत्री राकेशसिंह

समिति के अध्यक्ष एवं लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने स्पष्ट बात करते हुए कहा कि यह बैठक अंतिम बैठक नहीं है आगे भी बैठक का क्रम जारी रहेगा। और भी किसी भी प्रकार के सुझाव हो ईमेल आईडी में लिखित सुझाव भेजें जा सकतें हैं इसी तारतम्य में महाकौशल प्रांत महामंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने महाकौशल प्रांत की समस्या को लेकर ज्ञापन सौंपा

ये थे बैठक में

वल्लभ भवन भोपाल में भू अर्जन में मुआवजे में वृद्धि के संबंध में विचार कर अपनी अनुशंसा प्रस्तुत करने हेतु गठित मंत्रीमंडल समिति की बैठक समिति के अध्यक्ष म,प्र,लोक निर्माण विभाग राकेश सिंह , मंत्री तुलसी सिलावट, चैतन्य कश्यप सहित सभी मुख्य सचिवों सहित भाकिसं क्षेत्रीय संगठन मंत्री महेश चौधरी, अभा एग्रोएकोनिमक रिचर्स सेटंर अध्यक्ष प्रमोद चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष कमल सिंह आंजना, प्रदेश महामंत्री चन्द्रकात गौर, मध्य भारत,प्रांत संगठन मंत्री भरत जी, महाकौशल प्रांत महामंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, महानगर अध्यक्ष दिलीप जी की उपस्थित रहीं हैं

भूमि अधिग्रहण पर चार गुना मुआवजा तय हो- भाकिसं

प्रदेश में भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसानों के अधिकारों और भविष्य की सुरक्षा को लेकर भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधिमंडल ने भोपाल स्थित मंत्रालय में मध्यप्रदेश शासन के लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, जल संसाधन मंत्री तुलसी राम सिलावट एवं लघु एवं सूक्ष्म उद्योग मंत्री चेतन कश्यप से विस्तार से चर्चा की। भारतीय किसान संघ ने भारत एग्रो इकोनॉमिक्स की उदयपुर बैठक में पारित भूमि अधिग्रहण प्रस्ताव के संशोधन व सुझावों पर मंत्रियों से चर्चा करते हुए उसका ज्ञापन सौंपा। संघ ने स्पष्ट कहा कि किसानों की जमीन केवल संपत्ति नहीं, बल्कि उनकी पीढ़ियों की आजीविका है, इसलिए भूमि अधिग्रहण की हर प्रक्रिया किसान-हितैषी होनी चाहिए।संघ ने मांग की कि प्रदेश में किसी भी परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की स्थिति में किसानों को चार गुना मुआवजा, समय पर भुगतान और पूर्ण पारदर्शिता मिले। साथ ही कृषि योग्य भूमि के अनावश्यक अधिग्रहण पर रोक, बंजर भूमि के प्राथमिक उपयोग, ग्रामसभा की सहमति, सामाजिक प्रभाव आकलन तथा प्रभावित किसानों के पुनर्वास और रोजगार की ठोस व्यवस्था की जाए।इसके साथ ही समर्थन मूल्य पर खरीदी की अव्यवस्थाओं, खाद-बीज की किल्लत और ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति की समस्याओं पर भी सरकार का ध्यान आकर्षित किया गया। भारतीय किसान संघ ने सरकार से किसानों के पक्ष में ठोस और साहसिक निर्णय लेने की मांग की। बैठक में संघ की ओर से प्रमोद चौधरी (अभा अध्यक्ष, कृषि आर्थिक शोध संस्थान), महेश चौधरी (क्षेत्र संगठन मंत्री), कमल सिंह आंजना (प्रदेश अध्यक्ष), भरत सिंह पटेल (प्रांत संगठन मंत्री, मध्य भारत प्रांत), प्रहलाद सिंह (प्रांत महामंत्री, महाकौशल प्रांत) तथा दिलीप मुकाती (इंदौर महानगर अध्यक्ष) प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

फ्रीगंज तीन बत्ती चौराहे पर जाम से पैदल चलना भी हुआ दुश्वार

तीन बत्ती चौराहे पर लंबी वाहनों की कतार, सड़कों पर पार्क हो रही गाडियां, परेशानी बढ़ी, फ्रीगंज शहीद पार्क के इतने बड़े मार्केट में एक भी पार्किंग नहीं

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

वैसे तो शहर में जाम की समस्या हमेशा ही रहती है। लेकिन फ्रीगंज तीन बत्ती चौराहे पर जाम की समस्या से लोगों को मुश्किलें झेलनी पड़ी रही है। स्थिति यह रहती है कि तीन बत्ती चौराहे पर लंबी वाहनों की कतार लगी रहती है सड़क पर खड़े वाहनों की वजह से हमेशा यातायात व्यवस्था बिगडी रहती है। इधर पार्किंग की व्यवस्था नहीं होने,यातायात विभाग की नरमी और वाहन चालकों की मनमानी के कारण यातायात व्यवस्था ऐसी बिगड़ती है कि, देर शाम तक इस चौराहे पर जाम की स्थिति रहती है। वाहन चालकों की मनमानी के चलते दिनभर हर दस मिनट पर जाम लगता रहता है। बुधवार को इधर टैफिक इस कदर बिगड़ा कि, लोग परेशान थे, कहां से निकले,कैसे और कहां से चले।

पार्किंग न होने से गड़बड़ाई व्यवस्था

पार्किंग के लिए शहर के बाजार में जगह निर्धारित नहीं होने से लोग कही भी अपने दो पहिया एवं चार पहिया वाहन खड़ा कर देते हैं। ज्यादातर लोग सड़क से सटाकर ही अपना वाहन खड़ाकर देते हैं, जिसके कारण फ्रीगंज क्षेत्र के अधिकतर मुख्य मार्गो की यातायात व्यवस्था अक्सर लडखड़ा जाती है।

मुख्य मार्ग पर जाम जैसी स्थिति निर्मित हो रही

फ्रीगंज, शहीद पार्क और तीन बत्ती चौराहे से लेकर सिंधी कॉलोनी तक के बिगड़ी रहती है है। फ्रीगंज से शहीद पार्क के इतने बड़े मार्केट में एक भी पार्किंग नहीं होने से सड़क और सड़क का किनारा ही पार्किंग बन गया है। जिससे जाम लग रहा है। इस ओर स्थानीय प्रशासन एवं यातायात पुलिस का कोई ध्यान नहीं है। साथ ही आवागमन बाधित करने वालों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। सड़क तक दुकानें फैली हैं, दुकान से सटकर गाडियों की पार्किंग की जा रही है। ऐसे में सिंगल सड़क पर दो तरफा वाहनों के आवागमन से जाम लग रहा है।

नहीं हो रहा नियमों का पालन

शहर के लोग यातायात नियमों के पालन को तब्जजों नहीं दे रहे हैं। चाहे सड़क पर चलने की बात हो या वाहन पार्किंग की, हर जगह नियम का पालन नहीं किया जा रहा है। जल्दी निकलने के फेर में लोग खुद ही जाम लगा बैठते हैं, ऐसे में न वो खुद जल्दी निकल पा रहे,न दूसरे। दोपहिया वाहन चालक वाहन चलाते समय चार पहिया वाहनों के सामने या बगल से कभी भी गाड़ी निकाल देते हैं। ऐसे में दुर्घटना और विवाद हो जाते हैं। लेकिन फिर भी लोग ट्रैफिक नियम को लेकर लापरवाही बरत रहे हैं। हैरत की बात ये है कि इसका खामियाजा भी उन्हें ही भुगतना पड़ रहा है। फिर भी कोई भी ट्रैफिक नियम को लेकर गंभीर नहीं है।

चौराहों-तिराहों पर नहीं कोई देखने वाला

शहर के सभी प्रमुख चौराहों और तिराहों पर वाहन चालकों की मनमानी रोकने और उन्हें टोकने वाला कोई नहीं है। लोग कही से कैसे भी वाहन घुसा दे रहे हैं। जिससे चौक-चौराहों पर अक्सर जाम लग रहा है। शहर में कुछ चोराहों पर ट्रैफिक सिग्नल चालू है, बाकी सिग्नल कुछ दिन काम करते हैं और खराब हो जाते हैं। पहले निकलने की होड़ में दोपहिया और चार पहिया वाहन चालक कही से भी गाड़ी आगे बढ़ा देते हैं,जिससे वाहनों का काफिला आमने-समाने आ जाता है और जाम की स्थिति बन जाती है। चौराहे-तिराहे पर जाम की स्थिति किसी एक जगह नहीं, बल्कि पूरे शहर में है। सड़क पर पार्क गाडियों को हटाने के लिए यातायात पुलिस को क्रेन दी गई थी,लेकिन शहर में न तो ट्रैफिक कर्मचारी और न ये मशीन कभी कार्रवाई करते नजर आते हैं।

प्रति दिन 3-4 हजार बोरी मंडी में आवक बरकरार, समृद्ध किसानों को अब भी भाव चढने का भरोसा,उपज रोकी

सोयाबीन पहुंचा औसत 5400रूपए क्विंटल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सोयाबीन के अच्छे और ऊंचे भाव के मजे समृद्ध किसान को मिलना तय है। मंडी में प्रतिदिन 3-4 हजार बोरी की आवक अभी बरकरार है और भाव के उंचे होने के आसार बराबर बने हुए हैं। सोयाबीन मंडी में औसत 5 हजार 400 रूपए क्विंटल बिक रहा है जो कि भावांतर से अधिक है। भावांतर योजना पर सरकार ने अधिकतम 5328 प्रति क्विंटल पर अंतर राशि का भूगतान किसानों को किया है।

भावांतर योजना में खरीदी बंद होने के साथ ही सोयाबीन के भाव में तेजी आना शुरू हो गई है। मंडी में सोयाबीन औसत 5400 रुपए प्रति क्विंटल बुधवार को बिका है। उंचे में सोयाबीन 6 हजार रूपए प्रति क्विंटल बिका है। इस सीजन में पहली बार सोयाबीन इस भाव पर पहुंची है। व्यापारियों के मुताबिक आगे भी भाव में सुधार की उम्मीद है और आने वाले दिनों में सोयाबीन महंगी ही बिकेगी।

भावांतर योजना के बाद भाव में तेजी

बता दे कि भावांतर योजना के तहत खरीदी 24 अक्टूबर 2025 से शुरू होकर 15 जनवरी 2026 तक चली। इस दौरान सोयाबीन समर्थन मूल्य से भी नीचे 4300 से 5200 रुपए प्रति क्विंटल तक बिकी। जबकि, औसत भाव करीब 4500 रुपए प्रति क्विंटल के आसपास रहे। अब खरीदी बंद होते ही बाजार में तेजी आई है और सोयाबीन 6 हजार रुपए प्रति क्विंटल के बीच बिक रही है। औसत भाव भी बढ़कर करीब 5400 रुपए प्रति क्विंटल पहुंच गए हैं। भाव में बराबर तेजी देखी जा रही है।

समृद्ध किसानों के पास उपज स्टाक

व्यापारिक सूत्रों के अनुसार भावातंर के समय सामान्य कृषक ने अपनी उपज बेची है। समृद्ध किसानों के पास सोयाबीन रूका हुआ है । यही कारण है कि अभी भी जो प्रति दिन 3-4 हजार बोरी माल आ रहा है वह पूरा नहीं है। बडे किसान अभी भाव के और चढने का इंतजार कर रहे हैं और औसत भाव के 6 हजार आने के दौरान इसमें से काफी माल आएगा। इसके बाद उच्च दाम पर ही सोयाबीन उठेगा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार भावांतर की खरीदी के बाद भी काफी सोयाबीन अभी रूका हुआ है। व्यापारियों के अनुसार आवक काफी कम रह गई है। डीओसी की मांग बनी रहने से प्लांट रेट में भी सुधार आया है। इसी कारण भाव में तेजी आ रही है।

सरकार को होगा फायदा

सरकार ने किसानों से भावांतर पर सोयाबीन की खरीदी 5328 के अंतर राशि से की है। ऐसे में सोयाबीन के भाव चढने पर इसका लाभ खरीदी करने वाली एजेंसी को होना तय है। व्यापारियों का मत है कि औसत भाव 6 हजार 500 रूपए के आसपास अगले 15 दिन में आने के आसार बनने वाले हैं।

फिल्म 'बॉर्डर-2' की सफलता के लिए मांगा आशीर्वाद, नंदी हॉल से किए बाबा के दर्शन

अभिनेता सुनील शेट्टी पहुंचे महाकाल दरबार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

अभिनेता सुनील शेट्टी बुधवार को अपने परिवार के साथ उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। उन्होंने विधि-विधान से भगवान महाकालेश्वर का पूजन और दर्शन किए। शेट्टी ने इस दौरान अपने परिवार की खुशहाली, स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

मंदिर में सुनील शेट्टी ने नंदी हॉल में बैठकर ध्यान किया और नंदी जी को जल अर्पित किया। मंदिर के पुजारी आशीष शर्मा ने उन्हें पूजन-अभिषेक कराया, जिसमें भगवान महाकाल को जल चढ़ाया गया। अभिनेता कुल आठ लोगों के साथ दर्शन के लिए पहुंचे थे।

दर्शन के बाद सुनील शेट्टी ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि उनकी आगामी फिल्म 'बॉर्डर 2' देश के जवानों को समर्पित है। उन्होंने फिल्म की सफलता और पूरी टीम के उज्ज्वल भविष्य के लिए बाबा महाकाल से विशेष प्रार्थना की। अभिनेता ने यह भी बताया कि उनके बेटे अहान शेट्टी भी इस फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, जिसके लिए वे भगवान महाकाल का आशीर्वाद लेने विशेष रूप से उज्जैन आए हैं।

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से उप प्रशासक एसएन सोनी और सिम्मी यादव ने अभिनेता सुनील शेट्टी का स्वागत और सम्मान किया। मंदिर प्रशासन ने उनके लिए सुचारू दर्शन व्यवस्था सुनिश्चित की।

मंगलनाथ मंदिर में टूटे सारे रिकॉर्ड, एक दिन में आया इतने लाख का दान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उज्जैन स्थित शिप्रा तट पर अवस्थित भगवान मंगलनाथ के विश्वप्रसिद्ध मंदिर में प्रतिदिन देश-विदेश से श्रद्धालुओं का आगमन हो रहा है। प्रातःकाल आरती के बाद सुबह 7 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक निर्धारित समयावधि में भात पूजन एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठानों के लिए बड़ी संख्या में यजमान मंदिर पहुंच रहे हैं।

दिनभर लगा रहा भक्तों का तांता

मंगलनाथ मंदिर के प्रशासक के. के. पाठक ने जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार को प्रातः आरती के बाद से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। दर्शनार्थियों के साथ-साथ भूमि प्राप्ति, धन लाभ, शीघ्र विवाह, यश प्राप्ति, मंगल दोष निवारण एवं रोग निवारण जैसे धार्मिक उद्देश्यों से बड़ी संख्या में यजमानों ने भात पूजन कराया। मंदिर में सभी पूजन कार्य विद्वान पंडितों और आचार्यों द्वारा विधि-विधानपूर्वक निर्धारित समय सीमा में संपन्न कराए गए। पूजन के लिए मंदिर प्रबंध समिति के कर्मचारियों द्वारा कंप्यूटरीकृत एवं मैन्युअल शासकीय रसीदें जारी की गईं।

इतना दान आया

प्रशासक ने बताया कि कलेक्टर रोशन सिंह के मार्गदर्शन, तथा अपर आयुक्त/अध्यक्ष एवं तहसीलदार-सह-सचिव मंगलनाथ मंदिर प्रबंध समिति के निर्देशन में कुल 1900 शासकीय रसीदें काटी गईं। इनसे मंदिर समिति को कुल 4 लाख 10 हजार 900 रुपये की आय प्राप्त हुई।

11 हजार रुपये का दान

इस दौरान उत्तराखंड से दर्शन एवं भात पूजन के लिए आए वरुण गोयल ने मंदिर समिति को 11,000 रुपये नकद दान स्वरूप प्रदान किए। दान राशि की विधिवत शासकीय रसीद मंदिर समिति द्वारा उन्हें उपलब्ध कराई गई।

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

नं.1 क्षेत्रीय अख़बार

वेस्टर्न डिस्टरबेंस और दो साइक्लोनिक सिस्टम के असर से 23-24 जनवरी को उत्तरी जिलों में बारिश और कोहरा रहेगा

25 जनवरी से मावठा और कोहरे के बाद बढ़ेगी ठिठुरन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

मध्यप्रदेश में मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। मावठा गिरने और सुबह-शाम कोहरा छाने के बाद प्रदेश में सर्दी और तीखी होगी। मौसम विभाग भोपाल के मुताबिक, गुरुवार को ग्वालियर-दतिया सहित 5 जिलों में मध्यम कोहरा दर्ज किया गया, जबकि शुक्रवार से उत्तरी मध्यप्रदेश में बारिश के आसार बन रहे हैं। सबसे अहम बात यह है कि 25 जनवरी से न्यूनतम तापमान 2 से 3 डिग्री तक गिर सकता है।मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, पश्चिम-उत्तर भारत और उत्तरप्रदेश के ऊपर दो साइक्लोनिक सकुर्लेशन सक्रिय हैं। इसके साथ ही एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस भी असर दिखा रहा है। ये सभी सिस्टम आगे बढ़ रहे हैं, जिसका असर पहले यूपी-बिहार में नजर आया और अब 24 जनवरी से मध्यप्रदेश में भी दिखेगा। इस दौरान बादल छाए रहेंगे और कुछ इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। हालांकि 23 जनवरी को ही ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर में बारिश के संकेत हैं।

सिस्टम गुजरते ही बढ़ेगी ठिठुरन

मौसम विभाग का कहना है कि जैसे ही ये सिस्टम आगे बढ़ेंगे, उत्तर से ठंडी हवाओं की रफ्तार बढ़ेगी। इसका सीधा असर तापमान पर पड़ेगा और रात का पारा 2 से 3 डिग्री तक नीचे आ सकता है।

मंदसौर सबसे ठंडा, कई जिलों में सर्दी

प्रदेश में ठंड का असर साफ नजर आ रहा है। मंगलवारझबुधवार की रात मंदसौर सबसे ठंडा रहा, जहां न्यूनतम तापमान 5.1 डिग्री दर्ज किया गया। राजगढ़ 6.2, नौगांव 7, शाजापुर 7.1, कटनी के करौंदी 7.6, दतिया 7.9, खजुराहो 8, रीवा 8.2, शिवपुरी 9 और पचमढ़ी में 9.2 डिग्री तापमान रहा।पांच बड़े शहरों में ग्वालियर सबसे ठंडा रहा, जहां न्यूनतम तापमान 9 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल में 10.8, इंदौर में 12.2, उज्जैन में 12 और जबलपुर में 12.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

ठंड के लिए इसलिए खास है जनवरी- मौसम विभाग के अनुसार, जिस तरह मानसून के चार महीने (जून, जुलाई, अगस्त और सितंबर) में से दो महीने जुलाई-अगस्त अहम रहते हैं और इन्हीं में 60 प्रतिशत या इससे अधिक बारिश हो जाती है, ठीक उसी तरह दिसंबर और जनवरी में कड़ाके की ठंड पड़ती है।

इन्हीं दो महीने में प्रदेश में उत्तर भारत से सर्द हवाएं ज्यादा आती हैं, इसलिए टेम्परेचर में अच्छी-खासी गिरावट आती है। सर्द हवाएं भी चलती हैं। पिछले 10 साल के आंकड़े यही ट्रेंड बताते हैं। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के एक्टिव होने से जनवरी में मावठा भी गिरता है। पिछले साल कई जिलों में बारिश हुई थी।

उत्तरी मप्र में कोहरा

फिलहाल प्रदेश के उत्तरी हिस्से कोहरे की गिरफ्त में हैं। गुरुवार सुबह ग्वालियर, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर में मध्यम कोहरा रहा, जबकि भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत कई जिलों में हल्का कोहरा छाया रहा।

क्या है वेस्टर्न डिस्टरबेंस- मौसम विभाग के मुताबिक, वेस्टर्न डिस्टरबेंस पश्चिम से आने वाला हवाझबादलों का सिस्टम होता है। इसके सक्रिय होने पर पहाड़ों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश होती है। सिस्टम गुजरने के बाद उत्तर से ठंडी हवाएं चलती हैं, जिससे दिन-रात सर्दी का असर बढ़ जाता है।

न्यूज ब्रीफ

संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत सर्वे कार्य जारी

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप सुशासन एवं स्वराज के लिए प्रतिबद्ध विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य के अंतर्गत शासन के समस्त विभागों द्वारा संचालित योजनाओं और सेवाओं का पूरा लाभ ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों, तहसील एवं जिला स्तर पर उसके पात्रता प्राप्त हितग्राहियों तक समय सीमा में पहुंच सके इसलिए प्रदेश भर में 'संकल्प से समाधान' अभियान प्रारंभ हो गया है। यह अभियान आगामी 31 मार्च तक चलाया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य है कि हर पात्र व्यक्ति को केंद्र व राज्य सरकार की प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं (जैसे किसान कल्याण, लाड़ली बहना, वृद्धापेंशन, आवास आदि) का समय पर लाभ मिल सके। जिले में अभियान के पहले चरण (12 जनवरी से 15 फरवरी) में पंचायत स्तर के अमले द्वारा घर-घर जाकर सर्वे का कार्य किया जा रहा है। साथ ही हितग्राहियों से आवेदन एकत्रित कर उन्हें शासकीय योजनाओं के बारे में जानकारी भी प्रदान की जा रही है। इसी कड़ी में बुधवार को जिले की बडनगर जनपद पंचायत के ग्राम ओरडी और घट्टिया जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत रुणजी में घर-घर जाकर निर्धारित प्रारुप में सर्वे का काम किया गया। साथ ही पात्र हितग्राहियों से विभिन्न योजनाओं के आवेदन भी प्राप्त किए गए।

सिंहस्थ तैयारी: भूखी माता मंदिर के समीप शिप्रा पर पुल निर्माण

उज्जैन। सिंहस्थ 2028 में करीब 30 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान शासन और प्रशासन लगा रहा है। इसके हिसाब से ही व्यवस्थाएं भी जुटाई जा रही है। ऐसे में भीड़ प्रबंधन के लिए शिप्रा के किनारों पर 29 किमी के नए घाट बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा शहर में 800 करोड़ से अधिक की लागत से 20 से अधिक पुल-आरओबी के निर्माण भी करवाए जा रहे हैं। इनमें से कुछ ब्रिज शिप्रा नदी पर बनाए जा रहे हैं ताकि नदी को पार करने में मदद मिले। भूखी माता मंदिर के सामने शिप्रा नदी पर पुल निर्माण चल रहा है। यह पुल सिंहस्थ के दौरान भीड़ प्रबंधन में बहुत कारगर होगा। निर्माण एजेंसियां समय सीमा में और गुणवत्ता के साथ प्रोजेक्ट्स को पूरा करने में जुटी हुई हैं।

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा इंदौर में करेंगे ध्वजारोहण

इंदौर। इंदौर में गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी को आयोजित होने वाले मुख्य समारोह की व्यापक तैयारियां जारी है। मुख्य समारोह में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ध्वजारोहण करेंगे। इंदौर में यह समारोह सुबह 9 बजे से नेहरू स्टेडियम में आयोजित किया जायेगा। इस समारोह में परेड सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। कलेक्टर शिवम वर्मा ने आज अधिकारियों के दल के साथ नेहरू स्टेडियम पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को सभी तैयारियां निर्धारित समय से पूर्व कार्यक्रम की गरिमा के अनुरूप पूर्ण करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर एडीएम रोशन राय, अपर आयुक्त नगर निगम अभय राजनगांवकर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे। इस अवसर पर कलेक्टर शिवम वर्मा ने तैयारियों की विभागवार समीक्षा की। बताया गया कि समारोह में विभिन्न प्लाटूनों द्वारा परेड भी प्रस्तुत की जायेगी। राज्य शासन की योजनाओं, कार्यक्रमों तथा उपलब्धियों पर आधारित 13 से अधिक नयनाभिराम झाँकियां भी विभिन्न विभागों द्वारा निकाली जायेंगी।

लाखों खर्च के बावजूद हालत ठीक नहीं

गंगेड़ी का श्मशान अवैध खनन से धंसा, गोठड़ा में मार्ग पानी में बहा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

ग्रामीणों की सुविधा के नाम पर हर दूसरे गांव में श्मशान घाट बनाए गए, जिन्हें मनरेगा व मुख्यमंत्री अधोसंरचना योजना जैसे मदों से सहायता मिली थी। 10 सालों में 609 ग्राम पंचायतों में 102 शांतिधाम का निर्माण हुआ, लेकिन अधिकांश की स्थिति खराब है।

जर्जर स्थिति, टूटते चबूतरे, अधूरे निर्माण और पहुंच मार्गों की कमी जैसी समस्याएं रहवासियों को प्रभावित कर रही हैं। नियम यह है कि पंचायतों को श्मशान स्थल पर बुनियादी सुविधाएं और पहुंच मार्ग विकसित करना चाहिए, लेकिन कई जगह यह पूरा नहीं हो पाया है। श्मशान घाटों पर अधिकांश शांतिधाम का चबूतरा टूट चुका है या मिट्टी में मिल गया है। कुछ जगह केवल बाउंड्री वाल और रंगाई-पुताई जैसे काम हुए हैं, जबकि राशि के अनुसार काम नहीं दिखता है। कई शांतिधाम ऐसे हैं जहां कोई सीमेंटेड रास्ता नहीं है और अंतिम संस्कार के लिए उज्जैन तक जाना पड़ता है।

हासामपुरा श्मशान घाट में सड़क अधूरी छोड़ी गई, क्योंकि जमीन का मामला अटका था और यहां से ब्रिज निर्माण भी होना है, इन सब कारणों के चलते काम बाकी है। रानाबड़ में जनसहयोग से काम हो रहा है, इतनी ही जानकारी है।

नरेंद्र सिंह चावड़ा,
हासामपुरा सरपंच

बृजराज खेड़ी में श्मशान की बाउंड्री वाल आगे तक बढ़ाई थी, जिसके चलते ज्यादा खर्च हो गया। साथ ही कुछ कार्य और करवाएंगे। ग्राम गंगेडी का श्मशान घाट भी बनवाना है।

मुकेश आंजना,
सरपंच प्रतिनिधि गंगेड़ी

कई ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को अंतिम संस्कार के लिए शहर पर निर्भर रहना पड़ता है

- **गोठड़ा** : त्रिवेणी संगम के पास बने मुक्तिधाम तक सड़क ढही हुई है। कान्ह नदी के पानी के भराव से यहां कटाव हो गया है और रास्ता भी समाप्त हो चुका है। वहीं दूसरी तरफ घाट निर्माण में भी इसका हिस्सा आ रहा है।
- **गंगेड़ी**: श्मशान धाम अवैध खनन का शिकार हो चुका है। नेशनल हाई-वे निर्माण के लिए मिट्टी खनन के कारण एक तरफ की मिट्टी गायब हो गई है और स्थल धंसने की कगार पर है, जिससे यहां तालाब जैसा निर्माण हो गया है।
- **डेंडिया** : शांतिधाम का चबूतरा ही टूटा हुआ है। निर्माण के बाद उस पर प्लास्टर तक नहीं किया, जिससे इसका उपयोग नहीं हो पा रहा है।
- **रानाबड़** : शांतिधाम तक जाने की सड़क नहीं बनी और चबूतरा भी गायब था। अब जनसहयोग से चबूतरा व बाउंड्री वाल का निर्माण कर रहे है।
- **जवासिया रेलवे लाइन के पास घाट**: यहां तक पहुंचने का कोई पक्का रास्ता नहीं है। पूरा मार्ग कच्चा है, जिसके कारण ग्रामीण अंतिम संस्कार के लिए उज्जैन तक जाना पड़ता है।
- **बृजराज खेड़ी**: मुख्यमंत्री अधोसंरचना में 15 लाख की लागत दिखाई थी, लेकिन केवल बाउंड्री वाल, गेट और बेंच हैं। निर्माण के 1 साल के अंदर ही मुख्य चबूतरे का शेड टूटने लगा है। इसके अलावा यहां केवल कच्चा मैदान पड़ा है।
- **हासामपुरा**: 10 लाख की राशि से बन रहे घाट में बाउंड्री वाल, चबूतरा और रंगाई-पुताई है, लेकिन मुख्य मार्ग से जुड़ने वाली सड़क केवल आधी बनी है, बावजूद इसके कार्य पूरा बोर्ड लगा दिया गया।

कलेक्टर सिंह ने की रबी उपार्जन के तैयारियों की समीक्षा

उज्जैन। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने रबी उपार्जन वर्ष 2026-27 की तैयारियों की समीक्षा बुधवार दोपहर कलेक्टर कार्यालय सभागृह में की। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि उपार्जन किए गए गेहूं को रखने के लिए गोडाउन पर्याप्त संख्या में सुनिश्चित करें। उपार्जित गेहूं के परिवहन के लिए सभी संबंधित अधिकारी समन्वय कर कार्य करें। कृषकों को भुगतान समय पर सुनिश्चित करें। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने ब्लॉक वार उपार्जन का प्लान बनाकर देने और कृषकों की सुविधा के लिए उपार्जन केन्द्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।बैठक में जानकारी दी कि इस वर्ष लगभग 8 लाख मैट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया जाएगा।

हाईकोर्ट में होगा ध्वजारोहण

इंदौर। मध्यप्रदेश हाई कोर्ट की खंडपीठ इंदौर में गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी को सुबह 9 बजे खंडपीठ के प्रशासनिक न्यायमूर्ति ध्वजारोहण करेंगे।

गणित के माध्यम से सृजनात्मकता को बढ़ावा दिया जा सकता है : डॉ. गुप्ता

माधव कॉलेज में सेमिनार आयोजित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

आज हम श्रीनिवास रामानुजन की जयंती को गणित दिवस के रूप में मना रहे हैं । इस अवसर पर यह याद रखना चाहिए कि गणित एक शुष्क विषय समझा जाता है । यह विषय विज्ञान, कला और सर्जनात्मकता का संगम है । संगीत और स्वर, दोनों गणितीय अनुपात पर आधारित हैं । हमारी जरूरत कला और सृजनात्मकता को एक साथ जोड़ने की है । लियोनार्डो द विंची जैसे कलाकारों ने अपनी कला में ज्यामितीय अनुपात का प्रयोग किया । आज के समय की जरूरत अंतर्विषयक सोच है । इसका उपयोग किया जाना चाहिए। यह उद्गार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस माधव कॉलेज में श्रीनिवास रामानुजन की 138 वीं जयंती गणित दिवस के अवसर पर आयोजित सेमीनार में मुख्य अतिथि के रूप में मप्र लोक सेवा आयोग के परीक्षा नियंत्रक एवं प्रख्यात गणितज्ञ डॉ वी के गुप्ता ने व्यक्त किए। शुभारंभ कार्यक्रम में सारस्वत अतिथि कालिदास कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ वंदना गुप्ता ने कहा कि भारत की ज्ञान परम्परा पहले आस्था का विषय थी, लेकिन अब पाठ्यक्रम का हिस्सा है । हमारी संस्कृति और आस्था बताती है कि वेद ज्ञान का भण्डार हैं । भारतीय ज्ञान परम्परा बहुत समृद्ध है ।आस्था को प्रयोगशाला में भी सिद्ध किया जा सकता है। आज का कार्यक्रम तारीफ के काबिल है । शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के डॉ विपिन वर्मा ने श्रीनिवास रामानुजन के जीवन का परिचय दिया ।

प्रो सुमन जैन ने कहा कि गणित हमें तर्क करना और समस्याओं का समाधान करना सिखाता है। कार्यक्रम को डॉक्टर अनुराधा यादव ने भी संबोधित किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य प्रो कल्पना वीरेंद्र सिंह ने कहा कि गणितज्ञ के दिमाग में केवल गणित ही रहता है । आज के सन्दर्भ में ऐसा कार्यक्रम आयोजित किया जाना बड़ा अच्छा सन्देश है, क्योंकि गणित एक प्रधान विषय है। कार्यालय में बड़ी संख्या छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उज्जैन संभाग में अलर्ट

भोजशाला पूजा-नमाज पर फैसला, 12 बजे तक पूजा फिर 4 बजे से पुनः अनुमति

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

मध्यप्रदेश के धार स्थित भोजशाला में पूजा और नमाज को लेकर सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश के बाद उज्जैन समेत पूरे संभाग में पुलिस प्रशासन अलर्ट पर है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि भोजशाला परिसर में हिंदू पक्ष सुबह से दोपहर 12 बजे तक पूजा कर सकेगा।

दोपहर 12 बजे के बाद मुस्लिम पक्ष नमाज अदा करेगा। इसके बाद शाम 4 बजे से हिंदू पक्ष को पुनः पूजा की अनुमति दी गई है। यह निर्णय हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से दायर याचिका पर आया है। संगठन ने 20 जनवरी को याचिका दायर कर 23 जनवरी को बसंत पंचमी के अवसर पर पूरे दिन अखंड सरस्वती पूजा की अनुमति मांगी थी। इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने की, जिस पर 22 जनवरी को फैसला सुनाया गया। उज्जैन में पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी है।

25 जनवरी को नर्मदा जयंती पर बन रहे हैं दुर्लभ योग...

शुभ मुहूर्त में विधि-विधान से मनाई जाएगी

अमरकंटक में उमड़ती है श्रद्धालुओं की भीड़

साध्य, शुभ और रवि योग का संयोग

नर्मदा जल से शिव अभिषेक का विशेष महत्व

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

मध्य प्रदेश की जीवनरेखा कही जाने वाली मां नर्मदा केवल एक नदी नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र हैं। हर साल माघ महीने में जब नर्मदा जयंती आती है, तब अमरकंटक से लेकर ओंकारेश्वर, महेश्वर, होशंगाबाद और जबलपुर तक पूरा नर्मदा तट भक्तिमय माहौल में डूब जाता है। घाटों पर दीप जलते हैं, भजन-कीर्तन गूंजते हैं और हजारों श्रद्धालु मां नर्मदा में आस्था की डुबकी लगाते हैं।

साल 2026 में नर्मदा जयंती को लेकर अभी से तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। श्रद्धालु यह जानना चाहते हैं कि इस बार नर्मदा जयंती कब है, कौन-सी तिथि सबसे शुभ मानी जा रही है और इस दिन पूजा-पाठ करने से क्या लाभ मिलता है। हम यहां नर्मदा जयंती 2026 से जुड़ी हर जरूरी जानकारी आसान भाषा में विस्तार से दे रहे हैं।

मध्य प्रदेश में नर्मदा जयंती का विशेष महत्व

नर्मदा जयंती का सबसे ज्यादा महत्व मध्य प्रदेश में माना जाता है, क्योंकि मां नर्मदा का उद्गम यहीं अमरकंटक में हुआ था। अमरकंटक को मां नर्मदा का मायका कहा जाता है। नर्मदा जयंती के दिन यहां विशेष मेले, धार्मिक आयोजन और भव्य आरती का आयोजन किया जाता है। ओंकारेश्वर में ज्योतिर्लिंग दर्शन के साथ मां नर्मदा की पूजा होती है। महेश्वर, होशंगाबाद और जबलपुर में भी घाटों को सजाया जाता है। लाखों श्रद्धालु नर्मदा नदी में स्नान कर पुण्य लाभ प्राप्त करते हैं। प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर विशेष इंतजाम किए जाते हैं।

नर्मदा जयंती की शुभ तिथि

वैदिक पंचांग के अनुसार, माघ माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि 25 जनवरी को देर रात 12 बजकर 39 मिनट पर प्रारंभ होगी और 25 जनवरी को ही रात 11 बजकर 10 मिनट पर समाप्त होगी। सूर्योदय तिथि मान्य होने के कारण नर्मदा जयंती 25 जनवरी 2026 को मनाई जाएगी। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, नर्मदा जयंती पर साध्य और शुभ योग का संयोग बन रहा है। इसके साथ ही सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग का भी निर्माण हो रहा है। इन योगों में पूजा, स्नान और दान करने से साधक को मनोकामना पूर्ति और सौभाग्य वृद्धि का आशीर्वाद मिलता है। इस दिन ब्रह्म बेला में उठकर मां नर्मदा का ध्यान करें। घर की स्वच्छता के बाद यदि संभव हो तो नर्मदा नदी में स्नान करें। नर्मदा जल से भगवान शिव का अभिषेक करें। इसके बाद जप-तप, दान-पुण्य और मां नर्मदा की विधिवत पूजा करें। नर्मदा परिक्रमा यात्रा का समापन भी इसी दिन किया जाता है।

मन को कल्पवृक्ष बनाए

आपका मन पांच अलग-अलग अवस्थाओं में हो सकता है। आपका मन निष्क्रिय हो सकता है, इसका मतलब हुआ कि यह सक्रिय नहीं है। यह शुरूआती अवस्था में है। अगर आप इसे ऊर्जावान बनाते हैं, तब यह सक्रिय हो जाता है, पर बिखरा हुआ रहता है। अगर आप इसे और ऊर्जावान बनाते हैं, तो यह बिखरा तो नहीं रहता, मगर आगे-पीछे होता रहता है। अगर आप इसे और ऊर्जावान बनाते हैं, तो यह एक लक्ष्य पर केंद्रित हो जाता है। जब इसे और ऊर्जावान बनाते हैं, तो यह सचेतन हो जाएगा। अगर आपका दिमाग सचेतन है, तो यह जादू बन जाता है; तब यह परे जाने के लिए एक सेतु बन जाता है।

निष्क्रिय मन से समस्या नहीं होती। ऐसा इंसान जो सरल मन वाला है, जिसकी बुद्धि अभी उत्तेजित नहीं है, उसे समस्या नहीं होती। वह ठीक से खाता है और अच्छे से सोता है। सिर्फ वे लोग नहीं सो सकते, जो सोच सकते हैं! सरल दिमाग वाले लोग, तथाकथित बुद्धिजीवियों की तुलना में अपने शरीर के सारे क्रिया-कलाप काफी अच्छी तरह से करते हैं। उनके अंदर एक तरह की शांति होती है। एक निष्क्रिय मानव दिमाग इंसानी प्रकृति की तुलना में जानवर प्रकृति के ज्यादा करीब होता है। कुछ लोग, जब आध्यात्मिक अभ्यास की शुरूआत करते हैं, तो उन्हें मानसिक प्रखरता के एक नए स्तर का अनुभव हो सकता है। अगर माहौल ठीक नहीं है, तो वे उसे संभाल नहीं पाते। उनके ह्यसिस्टमह्व में ऊर्जा के नए स्तर से पैदा हुई मन की प्रखरता को कुछ लोग व्याकुलता समझ सकते हैं। ऐसे लोग, जिनका मन बहुत बिखरा हुआ है, उन्हें आध्यात्मिक अभ्यास के बाद इसमें सुधार का अनुभव होता है। अब मन इधर-उधर होने लगता है- एक दिन इस तरफ, अगले दिन दूसरी तरफ। हालांकि, बिखरे होने की तुलना में यह काफी बड़ा सुधार है, क्योंकि पहले हर पल मन दस जगह पर भटकता था।

अगर मन पहले से ही इधर-उधर डोलने वाला है और आप इसे ज्यादा ऊर्जावान बनाते हैं, तो धीरे-धीरे यह एक बिंदु पर केंद्रित होने लगता है। यह और भी अच्छा है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण यह है कि मन को सचेतन हो जाना चाहिए। यह आपका कंप्यूटर, कार या अंतरिक्ष यान नहीं, बल्कि मानव मन है, जो इस अस्तित्व की सबसे चमत्कारिक चीज है, बशर्ते आप सचेतन होकर इसका इस्तेमाल करें। ऐसा क्यों होता है कि किसी इंसान को सफलता बड़ी आसानी से और सहज मिल जाती है, जबकि दूसरे को संघर्ष करना पड़ता है? इसकी वजह यह है कि पहला इंसान जो चाहता है, वैसा ही सोचता है, जबकि दूसरा अपने ही खिलाफ सोचता है।

एक सुस्थापित और सुव्यवस्थित मानव मन को कल्पवृक्ष कहते हैं, यानी एक ऐसा पेड़, जो मनचाहा वरदान देता है।

सम्पादकीय

नफरती बोल पर चोट

देश में कुछ नेता और संगठन ऐसे हैं, जो अक्सर नफरती बोल के सहारे अपनी सियासत को अंजाम देते रहते हैं। इसी कड़ी में तमिलनाडु के उप-मुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन भी शामिल हैं, जिन्होंने सनातन पर प्रतिकूल टिप्पणी की थी। मद्रास उच्च न्यायालय ने उदयनिधि की उस टिप्पणी को हेट स्पीच या नफरती बोल माना है। नफरती बोल का यह मामला साल 2023 का है और इसका ऐसा संज्ञान पहले ही लिया जाना चाहिए था। विशेष रूप से राजनीति और सोशल मीडिया पर जब उदयनिधि के नफरती बोल की निंदा हुई, तब तमिलनाडु में भाजपा नेता अमित मालवीय के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर दी गई थी। मद्रास उच्च न्यायालय ने उसे अब रद्द कर दिया है। लगे हाथ, उच्च न्यायालय ने यह भी कहा है कि किसी नफरती भाषण पर प्रतिक्रिया देने वाले को दंडित करना अनुचित है, जबकि भाषण देने वाले के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। अदालत ने माना है कि नफरती बोल की आलोचना के खिलाफ मामला दर्ज करना खराब मिसाल है।

वास्तव में, किसी भी नफरती बोल को देखने की दृष्टि समान होनी चाहिए। ऐसा नहीं लगना चाहिए कि किसी समुदाय की सहानुभूति के लिए किसी अन्य समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है। किसी समुदाय के साथ सख्ती और किसी के साथ नरमी नाजायज ही कही जाएगी। अच्छा समाज तर्कपूर्ण भी होना चाहिए। दुर्भाग्य से, समाज में यह आम ध्वनि देखी जाती है कि सनातन या उसके तत्वों को बहुत आसानी से निशाना बना दिया जाता है। परिपक्व हो रहे गणतंत्र देश की स्वस्थ राजनीति के लिए जरूरी है कि किसी भी जाति-धर्म को निशाना न बनाया जाए। कहीं कमी है, तो मिल-जुलकर दूर की जाए। ध्यान रहे, निशाना न बनाने का संयम सबसे पहले नेताओं को बरतना होगा। कोई राजनीतिक दल हो या कोई नेता, नफरती बोल से तौबा करने में ही सबकी भलाई है। मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एस श्रीमाथी की अवश्य प्रशंसा होनी चाहिए। स्वयं उप-मुख्यमंत्री रहते हुए कुछ भी बोल देना और दूसरों को आलोचना से रोकना कानून-व्यवस्था का दुरुपयोग है। अदालत ने उचित ही इस चिंताजनक प्रवृत्ति पर गहरी निराशा व्यक्त की है। अदालत ने अफसोस भी जताया है कि मंत्री के भाषण के लिए उनके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया गया। यहां यह गुहार या उम्मीद अदालतों से अवश्य होनी चाहिए कि नफरती बोल को इतनी आसानी से कतई बरी न किया जाए।

बसंत पंचमी के शुभ प्रसंग पर विशेष

जीवन में आनंद, ज्ञान और नवचेतना का पर्व

भारतीय सांस्कृतिक चेतना में माघ शुक्ल पंचमी का विशेष स्थान है। यह तिथि ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती के प्राकट्योत्सव, ऋतुराज वसंत के आगमन और सृजनात्मक ऊर्जा के उत्सव के रूप में जानी जाती है। यही दिवस छायावादी काव्यधारा के प्रमुख स्तंभ महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की जयंती का भी साक्षी है। इन सभी संदर्भों से स्पष्ट होता है कि बसंत पंचमी केवल एक धार्मिक या पारंपरिक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता के बौद्धिक, सांस्कृतिक और नैतिक आत्मबोध का प्रतीक है।

आचार्य शैलेन्द्र पाराशर
(दैनिक अवन्तिका)

आज का समाज तीव्र तकनीकी परिवर्तन, उपभोक्तावादी प्रवृत्तियों और मानसिक तनाव के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय में बसंत पंचमी का संदेश और अधिक प्रासंगिक हो जाता है। यह पर्व स्मरण कराता है कि जीवन में संतुलन केवल भौतिक प्रगति से नहीं, बल्कि ज्ञान, विवेक और प्रकृति के साथ सामँजस्य से आता है। जब ज्ञान विवेक से कट जाता है और विकास प्रकृति-विरोधी हो जाता है, तब उसका परिणाम सामाजिक असंतुलन, पर्यावरणीय संकट और मानसिक अशांति के रूप में सामने आता है।

वसंत ऋतु का आगमन प्रकृति में स्पष्ट परिवर्तन का संकेत देता है। माघ मास में खेतों में लहलहाती सरसों के पीले फूल, वृक्षों पर फूटती नई कोपलें, आम्रवृक्षों में मंजर और पक्षियों का कलरव-ये सभी दृश्य केवल सौंदर्य के नहीं, बल्कि जीवन की निरंतरता और नवसृजन के प्रतीक हैं। प्रकृति अपने ढंग से यह संदेश देती है कि पुराना छोड़कर नया अपनाना ही जीवन का शाश्वत नियम है। यह नियम व्यक्ति, समाज और राष्ट्र-तीनों पर समान रूप से लागू होता है।

बसंत पंचमी का केंद्रबिंदु है-ज्ञान की आराधना। माँ सरस्वती को विद्या, बुद्धि, विवेक, वाणी और संस्कृति की अधिष्ठात्री देवी माना गया है। यह धारणा केवल आस्था तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक यथार्थ से गहराई से जुड़ी हुई है। किसी भी सभ्यता की दिशा और दशा इस बात पर निर्भर करती है कि वह ज्ञान का उपयोग किस उद्देश्य से करती है। इतिहास गवाह है कि जब ज्ञान मानव-कल्याण का साधन बना, तब समाज ने उन्नति की, और जब वही ज्ञान सत्ता, अहंकार या विनाश का उपकरण बना, तब पतन अपरिहार्य हुआ।

आज सूचना और तकनीक के इस युग में ज्ञान की मात्रा अभूतपूर्व रूप से बढ़ी है, किंतु विवेक और प्रज्ञा का संकट भी उतना ही गहराया है। त्वरित सूचना, सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस दौर में यह प्रश्न अत्यंत प्रासंगिक है कि क्या हम वास्तव में अधिक ज्ञानी हो रहे हैं या केवल अधिक सूचनाभारित।

बसंत पंचमी इसी आत्ममंथन का अवसर प्रदान करती है। यह पर्व स्मरण कराता है कि ज्ञान का अंतिम लक्ष्य केवल दक्षता नहीं, बल्कि मानवता, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व है।

वसंत ऋतु हमें परिवर्तन का साहस भी सिखाती है। जैसे प्रकृति पुराने पत्तों को त्याग कर नई कोपलों को जन्म देती है, वैसे ही समाज को भी जड़ परंपराओं, संकीर्ण पूर्वाग्रहों और अप्रासंगिक विचारों का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए। परिवर्तन से भयभीत होना प्रकृति के नियम के विरुद्ध है। जो समाज परिवर्तन को स्वीकार करता है, वही समय के साथ आगे बढ़ता है।

ललित कलाओं, साहित्य और संगीत के क्षेत्र में बसंत पंचमी का विशेष महत्व है। वसंत राग, बसंती रंग और सृजनात्मक वातावरण कलाकारों और साधकों को नई ऊर्जा प्रदान करता है। कला किसी भी समाज की संवेदना और चेतना का दर्पण होती है। जब समाज कला और संस्कृति से कटने लगता है, तब उसका बौद्धिक और नैतिक क्षरण प्रारंभ हो जाता है।वस्तुतः सरस्वती की आराधना सांस्कृतिक चेतना के संरक्षण का भी प्रतीक है।

आधुनिक शहरी जीवन में मनुष्य निरंतर प्रकृति से दूर होता जा रहा है। सीमेंट और कांक्रीट के विस्तार ने हरियाली, मौन और खुले आकाश को सीमित कर दिया है। इसका प्रभाव मनुष्य के मानसिक स्वास्थ्य पर स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहा है। बसंत पंचमी इस दूरी को पाटने का प्रतीकात्मक अवसर है। यह पर्व याद दिलाता है कि प्रकृति केवल उपभोग की वस्तु नहीं, बल्कि जीवन की अनिवार्य शर्त है।

बसंत पंचमी पर बालकों का अक्षरारंभ और विद्यारंभ संस्कार यह रेखांकित करता है कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी शिक्षा-प्रणाली और संस्कारों पर निर्भर करता है। विद्या को सभी धनों में श्रेष्ठ इसलिए माना गया है, क्योंकि वही मनुष्य को आत्मबोध, विवेक ,आत्मज्ञान और दीर्घकालीन आनंद की ओर ले जाती है।

अतः बसंत पंचमी का संदेश है-ज्ञान को विवेक से जोड़ना, विकास को प्रकृति-अनुकूल बनाना और परिवर्तन को जीवन का स्वाभाविक नियम स्वीकार करना। ऋतुराज वसंत केवल मौसम नहीं, बल्कि समाज और मनुष्य के भीतर नई चेतना के संचार का आह्वान है। यहीं इस पर्व की स्थायी प्रासंगिकता और सार्थकता है। बसंत पंचमी का पर्व आनंद के साथ मनाएँ।

वसंतोत्सव

वंदन वाणी की देवी के रूप का,
वंदन है वाणी के हर स्वरूप का,
वन्दन वेद, ज्ञान के कोश अकूत का,
वंदन वाणी, वीणा के सहज रूप का। 1
सनातन के अनवरत क्रम का,
सकल ज्ञान विद्याओं के अनुक्रम का,
सकल धरा के सम्यक पराक्रम का,
सरल सहज योग है यह परिश्रम का। 2
नेति नेति के सुखद स्मरण का,
नारायण के प्रतीक श्री चरण का,
नर से श्री नारायण के वरण का,
नमन वाणी और वीणा के योग करण का,
नतमस्तक है ज्ञान संस्कृति के
कण कण का। 3
तल से शिखर तक की यात्रा है,
तम से लेकर प्रकाश की पराकाष्ठा है,
तन से मन तक पहुंचाए वह व्यवस्था है,
तपन से ज्ञान परंपराओं की अवस्था है। 4
उत्सव हैं यह अनंत ऊर्जा के मान का,
उत्सव है यह अनंत ज्ञान के योगदान का,
उत्सव है धरा धाम की माटी महान का,
उत्सव हैं भारत के मान सम्मान का। 5
तम मिटाने जहां गुरु शिष्य पधारे,
तन मन से लगे जहां असीमित जयकारे,
तलक जाएंगे अनंत ज्ञान के नारे,
तृप्त होते जहां हर मानव के प्यारे। 6
सभी दिशाओं में विराजित जहां वाघेश्वरी,
सब मिलकर गाते गीत मां प्यारी,
सब मिलकर भगवा ध्वज का मान बढ़ाए,
सतकर्मों से मां भारती को पुष्प चढ़ाते हैं। 7
वंदन है सम्राट महाराज भोज के
पावन धाम को,
वंदन है हमारा पावन
धरा धाम का,
वंदन है, गढ़कालिका,
कालभैरव विक्रांत को,
वंदन मां नर्मदे को जो
चरण छूती चतुर्भुज प्रभु
श्रीराम का। 8

पं.रामगोपाल शर्मा
(दैनिक अवन्तिका)

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 23 जनवरी 2026 शुक्रवार
सूर्योदय - 07:13 सूर्यास्त 18:04
माघ मास शुक्ल पक्ष
राहुकाल - 10:30 से 12:00 तक
तिथि - पंचमी 25:46 उपरांत षष्ठी
नक्षत्र - पूर्वाभाद्रपद 14:33 उपरांत उत्तराभाद्रपदा
योग - परिघ 15:59 उपरांत शिव
करण - बव
चन्द्रमा - कुंभ में है। 08:34 पर मीन में प्रवेश करेगा।
मुस्लिम मास - सावान मास 03 तारिख

मेष- रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

वृषभ- विवाद न करें। नौकरी करने वालों को ऐच्छिक स्थानांतरण एवं पदोन्नति मिलने की संभावना है।

मिथुन- विवाद से क्लेश होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी।

कर्क- आपसी मतभेद, मनमुटाव बढ़ेगा। किसी से मदद की उम्मीद नहीं रहेगी। आर्थिक समस्या बनी रहेगी।

सिंह- धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। कानूनी बाधा दूर होकर लाभ होगा। पूँजी निवेश बढ़ेगा।

कन्या- पहले किए गए कार्यों का लाभदायी फल आज मिल सकेगा। संतान के कामों से खुशी होगी।

तुला- शारीरिक कष्?ट से बाधा संभव है। भागदौड़ रहेगी। घर-परिवार का सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक- राजकीय सहयोग मिलेगा। कार्यकुशलता सहयोग से लाभान्वित होंगे। काम में मन लगेगा।

धनु- पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग को सफलता मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें।

मकर- नए कार्यों, योजनाओं की चर्चा होगी। लाभदायी समाचार आएँगे। समाज में आपके कार्यों की प्रशंसा होगी।

कुंभ- प्रयास सफल रहेंगे। प्रशंसा प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। व्यवसाय अच्छा चलेगा।

मीन- कार्य क्षेत्र में नई योजनाओं से लाभ होगा। लगन, मेहनत का उचित फल मिल सकेगा। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें।

-पं. पुरुषोत्तम शिवनारायण शर्मा
(भरदीवाले) 9926034545

समसामयिक

ज्ञान, बुद्धि ,कला और संगीत की देवी मां सरस्वती के उपासना का दिवस

भारत में माघ शुक्ल की पंचमी को बसंतोत्सव का त्यौहार बसंत का मौसम आने की खुशी में मनाया जाता है। शरद ऋतु का अवसान और ग्रीष्म ऋतु का शुभारंभ , इसी दिन से होता हैं। बसंत पंचमी के दिन जगह-जगह माँ सरस्वती-शारदा की पूजा-अर्चना की जाती है। श्रीकृष्ण ने देवी सरस्वती का पूजन माघ शुक्ल पंचमी को सबसे पहले किया था । तब से सरस्वती पूजन प्रचलन बसंत पंचमी के दिन मनाने? की परंपरा चली आ रही है। ? इस दिन को पर्व की रूप में मनाने का एक कारण सरस्वती जयंती का दिन होता है। बसंत पंचमी का त्योहार पश्चिम बंगाल व उड़ीसा राज्य में श्री पंचमी के नाम से मनाया जाता है। बंगाल के निवासियों का कहना है-- कि यह प्रथा यहाँ प्राचीन काल से चली आ रही, इस पर्व का यह महत्व है ,कि बसंत ऋतु आते ही? प्रकृति का कण-कण खिल उठता है। इसी दिन ज्ञान की देवी सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ भारत के लोग अपनी कलम, वाद्य यंत्र की पूजा कर माँ की आराधना करते हैं। यह बसंत पंचमी पर्व दक्षिण एशिया- के भारत, बाग्लादेश, नेपाल और कई राष्ट्रो में बड़े उल्लास से मनायी जाती है। शास्त्रों में बंसत पंचमी को ऋषि पंचमी से ,तो पुराणों-शास्त्रों तथा अनेक काव्यग्रंथों में भी अलग-अलग ढंग से चित्रण करने का उल्लेख मिलता है। वसंत और बसंत एक ही शब्द है ,बसंत ऋतु का स्वागत करने के लिए माघ महीने के पांचवे दिन एक बड़ा उत्सव मनाया जाता है, जिसमें विष्णु ओर कामदेव की पूजा होती है। सरस्वती के 108 नामों में इन्हें शिवानुजा (शिव की छोटी बहन) कहकर भी संबोधित किया जाता है। सरस्वती को वाणी,शारदा, वागेश्वरी, भगवती सहित अनेक नामों से संबोधित किया जाता है। ये सभी प्रकार के ब्रह्म, विद्या- बुद्धि एवं वाक् प्रदाता है। संगीत की उत्पति करने के कारण ये संगीत का अधिष्ठात्री देवी भी कहलाती है। बौद्ध व दिगंबर जैन परंपरा के अनुसार श्रुत पंचमी पर्व, ज्ञान की आराधना का महान पर्व है जो भाई-बधुओ को वीतरागी संतों की वाणी सुनने ,आराधना करने, और प्रभावना बांटने का संदेश देता है , वही सरस्वती का उल्लेख वैदिक साहित्य में एक नदी और एक देवी दोनों रूपो में आता है, वाक देवी के रूप में वह हिन्दू बौद्ध, जैन के लिये समान रूप में पूज्य है। हंस या वाहन मयूर पर सरस्वती जैन । परंपरा में ऋतुदेवी के नाम से विख्यात है।आराधना के पूर्व - सरस्वती साधकों को साधना शुद्धता के साथ चरित्रवान होना चाहिए। मांस-मद्द जैसे तामसिक पदार्थों के सेवन का त्याग करना चाहिए। भारत में प्राचीन काल से ही विद्या और बुद्धि कौशल प्रखरता हेतु ₹गायत्री मंत्र₹ का विधान प्रचलित रहा है। पौराणिक काल में उतरने पर सावित्री यानी गायत्री, और सरस्वती देवी में तत्वतः भेद नहीं रहा। दोनो की उपासनाओं का एक ही मूल - फल है-बुद्धि का विकास । अतः सरस्वती साधना के दिन से गायत्री मंत्र का पाठ और भावार्थ भी बच्चों को समझाया जाना चाहिए।

डॉ. बी.आर. नलवाया,
(दैनिक अवन्तिका)

क्यों होता है सरस्वती पूजन ?

मान्यता है कि भगवान विष्णु की आज्ञा से ब्रह्मा ने सृष्टि का निर्माण किया। इस निर्माण में उन्हें कुछ कमी लगी, तब ब्रह्मा ने अपने कंमडल से जल छिड़का। तब एक सुंदर चतुर्भुजी स्त्री का प्राकट्य हुआ। जिनके एक हाथ में वीणा, दूसरे में पुस्तक, तीसरे में माला व चौथा हाथ वर मुद्रा में था। जैसे ही उन्होंने वीणा का मधुरनाद किया तो संसार के समस्त जीव-जंतुओं को वाणी प्राप्त हो गई। संगीत की उत्पत्ति भी सरस्वती देवी के द्वारा ही हुई, इसलिए इन्हें वाणी व संगीत की देवी कहा जाता है। पुराणों के अनुसार भगवान कृष्ण ने प्रसन्न होकर सरस्वती को यह वरदान दिया कि वसंत पंचमी के दिन तुम्हारी पूजा की जाएगी। तब से इस दिन सरस्वती की आराधना की जाती है।

बसंत : भारतीय चेतना में नवजीवन और संघर्ष का प्रतीक

भारत त्योहारों का देश है। इसी श्रृंखला में बसंत पंचमी अथवा श्रीपंचमी एक हिन्दू त्योहार है। इस दिन विशेष रूप से विद्या की देवी सरस्वतीजी की पूजा की जाने की भारतीय संस्कृति की परम्परा है। इस दिन महिलायें पीले वस्त्र धारण करती हैं। यह त्योहार भारत की ही नहीं अपितु पश्चिमो×र बांगलादेश, नेपाल आदि देशों में बड़ी श्रद्धा-आस्था से मनाने की परम्परा है।

डॉ. नरेन्द्र मेहता
(दैनिक अवन्तिका)

भारत तथा नेपाल में वर्षभर को छः ऋतुओं में विभाजित किया गया है उनमें बसंत अधिकांश लोगों का सबसे प्रिय मौसम है। बसंत में चारो तरफ फूलों की बहार देखने का अवसर होता है, खेतों में पीली-पीली सरसों का सोना बरसने-चमकने लगता है, जौ एवं गेहूँ की बालियाँ पूरे यौवन पर रहती है। आमों के पेड़ों पर बौर दिखाई देने लगते हैं तो दूसरी तरफ रंग बिरंगी तितलियाँ फूलों पर अठखेलियाँ करती दृष्टिगोचर होने लगती हैं। बसंत पंचमी माघ महिने के शुक्ल पक्ष के पाँचवें दिवस मनाई जाती है। इस दिन भगवान विष्णु, कामदेव और माता सरस्वती की धूमधाम से अर्चना वंदना की जाती है। भारत में अधिकांश शिवाविद् इस दिन माँ शारदे की वंदना कर अधिक ज्ञानवान होने की प्रार्थना करते हैं। बसंत में प्रकृति प्रसन्न होकर खिल उठती है। मानव ही नहीं अपितु पशु-पक्षी चहक उठते हैं। बसंत पंचमी एक तरह से कलाकारों, लेखक, गायक, नृत्यकार, कवि, वादक और संगीतज्ञों की दिवाली जैसा त्योहार है, क्योंकि ये सब इसी दिन अपने उपकरणों की पूजा करते हैं।

ऐसा पुराणों में उल्लेख है कि ब्रह्माणी ने भगवान विष्णु की आज्ञा से सृष्टि रचना के साथ ही मनुष्य योनि की रचना की है। मनुष्य की रचना के पश्चात चारों ओर मौन दिखाई पड़ा तथा ब्रह्माणी ने विष्णु की स्वीकृति से जल छिड़का जिससे पृथ्वी पर जलकण गिरते ही कम्पन होने लगा तथा वृक्षों के मध्य एक अद्भुत शक्ति प्रकट हुई। इस प्राकट्य में चतुभुर्जी सुन्दर स्त्री एक हाथ में वीणा तथा दूसरा हाथ वर मुद्रा में था, शेष दो हाथों में ग्रंथ एवं माला सुशोभित थी। ब्रह्मा ने देवी से वीणा बजाने का अनुरोध किया। बस जैसे ही वीणा का मधुर नाद हुआ सृष्टि के समस्त प्राणियों को वाणी प्राप्त हो गई। ब्रह्माजी ने इस देवी को सरस्वती कहा। संगीत की उत्प×ि की देवी भी यही है। वसंतपंचमी माता सरस्वती का जन्म दिवस त्यौहार है। ऋग्वेद में सरस्वती (भगवती) का वर्णन है तथा बताया गया है-

प्रणो देवी सरस्वती वाजेभिर्वजिनीवती धीनामणित्रयवस्तु। तात्पर्य यह है कि ये श्रेष्ठ चेतना सरस्वती मानव बुद्धि-प्रज्ञा एवं मनोवृत्तियों की रक्षक है। सरस्वती उत्तम आचरण मेधा, और समृद्धि की देवी है। बसंत पंचमी की पूजा भगवान श्रीकृष्ण का उनकी प्रसन्नता पर दिया गया वरदान है।

बसंत पंचमी त्रेतायुग की देन है। श्रीराम सीताहरण के बाद रावण की खोज में दक्षिण में गये। खोज में दण्डकारण्य भी गये थे। इस वन में शबरी की कुटिया में श्रीराम पधारे। शबरी ने श्रीराम को चख-चखकर मीठे बेर भेंट किये। दण्डकारण्य वन वर्तमान में गुजरात और मध्यप्रदेश में माना जाता है। डांग गुजरात का एक जिला है। यहाँ आज भी शबरी का आश्रम है। ऐसा माना गया है कि श्रीराम बसंत पंचमी को ही यहाँ आये थे। अतः आज भी राम जिस शिला पर बैठे थे उसकी पूजा आज के दिन होती है। यहाँ शबरी माता का मंदिर भी है।

इस दिन माँ सरस्वती की पूजा रोली, पीले फूल, गुलाल, पीली मिठाई एवं आम की मंजरी से करना चाहिये। परम्परानुसार छात्र-छात्राओं को माता सरस्वती का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिये अपनी पाठयपुस्तकों को सरस्वती माँ की मूर्ति या चित्र के सामने रख देना चाहिये। इस दिन अध्ययन-अध्यापन कार्य नहीं करना चाहिये।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 5750 डंकी, चना 4800 से 5000 विशाल, 8100 गेहूं मिल क्वालिटी 2650 से ,5500 से 5550 मसूर 6000, 2675 लोकवन 2850 से 2900, महाराष्ट्र सफेद 6500 से 6600, पूर्णा 2800 से 2850 मालवराज, , महाराष्ट्र लाल 6600 से 6800, 2750 से 2775 मक्का 1550, कर्नाटक 6700 से 6900 तुअर, से 1600 चना दाल 7300 से निमारी 6200 से 6600 मूंग बेस्ट 7400 मीडियम 7500 से 7600 गर्मी 7800 से 8200 मूंग बेस्ट बेस्ट 7800 से 8000 तुअर दाल 7100 से 7200 मीडियम बोल्ड 8100 से 8300 एवरेज 8300 से 8400 बेस्ट 9100 से 6500 से 6700 मोगर 5500 9200 एक्स्ट्रा बेस्ट 10000 से से 6500 उड़द बोल्ड 7000 से 10100 ब्रांडेड 10700 मूंग दाल 7200 एवरेज 6200 से 6500 9100 से 9200 बेस्ट 9600 हल्का उड़द 3000 से 5000 से 9800 मूंग मोगर 9600 से काबुली डॉलर 8000 से 8500 9700 बेस्ट 1000 से 10200 काबुली रशियन 5500 से 5700 बिटकी 5100 से 5300 सरसों उड़द दाल 8600 से 8800 बेस्ट (मीडियम) 8000 से 8200 9000 से 9200 उड़द मोगर निमाड़ी 8400 से 8500 रायड़ा 9800 से 1000 बेस्ट 10100 6200 से 6400 सोयाबीन 4300 से 10200 मसूर दाल 7450 से से 4500 अलसी 8200 से 8500 7550 बेस्ट 7650 से 7750 रुपए तिल्ली 8000 से 9000 टोली 4000 से 4200 तिल्ली 8000 से पति क्विंटल।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 1300 से 1500 आलू चिप्स 1500 से 1900 ज्योति पुराना 1000 से 1500 राशन आलू 900 से 1100 गुल्ला 300 से 700, प्याज महाराष्ट्र 1600 से 1900 प्याज लोकल 1000 से 1400 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 600 से 800 गोल्टी 300 से 500 , लहसुन सुपर बोल्ड 7000 से 7500 मीडियम 4000 से 5000 बारीक 3000 से 4500 रुपए प्रति क्विंटल

धर्म-आस्था

दूरदर्शी, साहसी और वैज्ञानिक महाराजा राजा भोज

सम्राट राजा भोज जयंती पर विशेष

बसंत पंचमी को 1000 ई. को मालवा में अवतरित भोजदेव, राजा भोज परमार या पंवार वंश के नवें राजा थे। उनके जीवन का अधिकांश युद्धक्षेत्र में बीता तथापि उन्होंने अपने राज्य की उन्नति में किसी प्रकार की बाधा न उत्पन्न होने दी। स्तुत्य, सांस्कृतिक गौरव के जो स्मारक हमारे पास हैं, उनमें से अधिकांश राजाओं के राजा भोज की देन हैं। चाहे विश्वप्रसिद्ध भोजपुर मंदिर हो या विश्वभर के शिवभक्तों के श्रद्धा के केंद्र उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर, धार की भोजशाला हो या भोपाल का विशाल तालाब ये सभी राजा भोज के सृजनशील व्यक्तित्व की अनुपम भेंट हैं। राजा भोज नदियों को चैनलाइज या जोड़ने के कार्य के लिए भी पहचाने जाते हैं। आज उनके द्वारा खोदी गई नहरें और जोड़ी गई नदियों के कारण ही नदियों के इस पानी का लाभ आम लोगों को मिल रहा है। भोपाल शहर इसका बड़ा तालाब इसका उदाहरण है। वो कालजई सोच आज देश के लिए पावन धारा बन गई। उसी दिशा में सरकार नदी जोड़ो अभियान को प्रमुखता से ले रही है।

हेमेन्द्र क्षीरसागर
(दैनिक अवन्तिका)

प्रतिकृति भोजशाला में - दिग्दर्शी, राजा भोज ने जहां भोज नगरी (वर्तमान भोपाल) की स्थापना की वहीं धार, उज्जैन और विदिशा जैसी प्रसिद्ध नगरियों को नया स्वरूप दिया। उन्होंने केदारनाथ, रामेश्वरम, सोमनाथ, मुण्डीर आदि मंदिर भी बनवाए, जो हमारी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर हैं। समृद्ध संवाहक राजा भोज ने शिव मंदिरों के साथ ही सरस्वती मंदिरों का भी निर्माण किया। राजा भोज ने धार, मांडव तथा उज्जैन में 'सरस्वती कण्ठभरण' नामक भवन बनवाए थे। जिसमें धार में 'सरस्वती मंदिर' सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। पहले इस मंदिर में मां वाग्देवी की मूर्ति होती थी। मुगलकाल में मंदिर परिसर में मस्जिद बना देने के कारण यह मूर्ति अब ब्रिटेन के म्यूजियम में रखी है। इस मूर्ति की प्रतिकृति भोजशाला में है।

संयुक्त सेना एकत्रित- पराक्रमी, गुजरात में जब महमूद गजनवी (971-1030 ई.) ने सोमनाथ का ध्वंस किया तो यह दुःखद समाचार शैव भक्त राजा भोज तक पहुंचने में कुछ सप्ताह लग गए। उन्होंने इस घटना से क्षुब्द होकर सन् 1026 में गजनवी पर हमला किया और वह क्रूर हमलावर सिंध के रेगिस्तान में भाग गया। तब राजा भोज ने हिंदू राजाओं की संयुक्त सेना एकत्रित करके गजनवी के पुत्र सालार मसूद को बहराइच के पास एक मास के युद्ध में मारकर सोमनाथ का बदला लिया और फिर 1026-1054 की अवधि के बीच भोपाल से 32 किमी पर स्थित भोजपुर शिव मंदिर का निर्माण करके मालवा में सोमनाथ की स्थापना कर दी।

जीवन ज्योत - बतौर, परमारवंशीय राजाओं ने मालवा के एक नगर धार को अपनी राजधानी बनाकर 8 वीं शताब्दी से लेकर 14वीं शताब्दी के पूर्वार्ध तक राज्य किया था। उनके ही वंश में हुए परमार वंश के सबसे महान अधिपति महाराजा भोज ने धार में 1000 से 1055 ईसवीं तक शासन किया। वह महादानी और धर्मात्मा थे। उनके बारे में प्रसिद्ध था कि वह ऐसा न्याय करते कि दूध और पानी अलग-अलग हो जाए। अपने शासन काल के अंतिम वर्षों में भोज परमार को पराजय का अपयश भोगना पड़ा। गुजरात के चालुक्य राजा तथा चेदि नरेश की संयुक्त सेनाओं ने लगभग 1060 ई. में भोज परमार को पराजित कर दिया। इसके बाद ही उसकी मृत्यु हो गई और भारत के वीर महाराजा का अस्त हुआ। अभिप्रेरित, महामना की जीवन ज्योत से बच्चा-बच्चा राजा भोज बन सकता है।

नव साहसाक- महाराजा भोज के साम्राज्य के अंतर्गत मालवा, कोंकण, खानदेश, भिलसा, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़ एवं गोदावरी घाटी का कुछ भाग शामिल था। राजा भोज को उनके कार्यों के कारण उन्हें 'नव साहसाक' अर्थात 'नव विक्रमादित्य' भी कहा जाता था। महाराजा भोज इतिहास प्रसिद्ध मुंजराज के भतीजे व सिंधुराज के पुत्र थे। उनकी पत्नी का नाम लीलावती था। राजा भोज खुद एक विद्वान होने के साथ-साथ काव्यशास्त्र और व्याकरण के बड़े जानकार थे और उन्होंने बहुत सारी किताबें लिखी थीं।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 2200-2990 चना काबली- 5191-8391, चना बड़ा- 46811-5530, बटला- 2812, मसूर- 5601, तिल्ली- 5681-8711, सोयाबीन- 2631-5841, मैथीदाना- 4064-4541, मावा- 280 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना- स्टेण्र्ड- 1,55,500, रवा- 1,55,300 चांदी- टंच- 3,00,000 पाट- 2,98,000।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती छड़ी 75 से 180, चावल तिबार 68 से 120, चावल पोनिया 55 से 85, चावल की टुकडी 36 से 65, चावल सेला 36.5 से 38, राइस परमेल 35 से 44, तूवर दाल निमाड़ी 130,तूवर दाल महाराष्ट्र 104 से 113, तूवर दाल अन्य 85 से 120, मूंग दाल 85 से 110, मुंग मोगर 95 से 120,उड़द मोगर 110 से 120, उड़द दाल 95 से 100, चना दाल 71 से 80।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

जिला स्तरीय खेलो एमपी यूथ गेम्स की जूडो एवं बॉक्सिंग खेल की प्रतियोगिता हुई

गुना। खेलो एमपी यूथ गेम्स अंतर्गत जिला स्तरीय प्रतियोगिता के दूसरे दिन उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक 2 के नोडल खेल केन्द्र पर विभिन्न खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सहायक संचालक शिक्षा विभाग कु प्रेरणा गुप्ता, प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय एचएन जाटव, एपीसी, एसके शिवहरे, क्रीडा अधिकारी देवेन्द्र पटेरिया रहे। मुख्य अतिथियों द्वारा खिलाडियों से परिचय प्राप्त कर मैच प्रारंभ कराये गये जिसमें शिवपुरी, दतिया एवं अशोकनगर जिले के खिलाडियों ने बॉक्सिंग, कुश्ती एवं जूडो खेलों में भाग लिया। इसके अतिरिक्त लगोरी, कबडडी, खो-खो, हॉकी, बास्केटवॉल की खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी विभिन्न खेल मैदानों पर किया गया। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विकासखंड गुना, बमौरी, राधौगढ, चांचौडा एवं आरोन के लगभग 600 खिलाडियों ने भागीदारी जिला स्तर पर चयनित खिलाडी संभाग एवं राज्य स्तर पर भागीदारी करेगें।

अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी एवं पुलिस विभाग की संयुक्त कार्यवाही

जमीन में गाड़कर रखी थी टंकिया

गुना। जिले के धरनावदा थाना क्षेत्र अंतर्गत बुधवार को ग्राम मुरादपुर में अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी एवं पुलिस विभाग की संयुक्त कार्यवाही की गई। उक्त कार्यवाही में लगभग 16 लाख रुपये की मदिरा एवं लाहन जब्त कर नष्ट किया गया। दरअसल यह कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल गुना एवं पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान एवं संदीप शर्मा उपायुक्त संभाग ग्वालियर के निर्देशन में अवैध मदिरा के विनिर्माण, विक्रय, संग्रह, परिवहन एवं जहरीली शराब के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। जिला आबकारी अधिकारी गुरुप्रसाद केवट के मार्गदर्शन में आबकारी वृत्त गुना 1 के प्रभारी राधाकिशन अटारिया, धरनावादा थाना प्रभारी प्रभात कटारे एवं झागर चौकी प्रभारी अनिल कदम द्वारा ग्राम मुरादपुर में पारदियो के डेरो में दबिश दी गई। मौके पर आबकारी एवं पुलिस बल देख कर पारदियो में अफरा तफरी मच गयी। कार्यवाही के दौरान चलती हुई भट्टी एवं लाहन पाया गया। नाले में भारी मात्रा में टंकिया गाढ़ी हुई थी जिनमे भारी मात्रा में लाहन भरा हुआ था। लोहे एवं प्लास्टिक की बड़ी टंकियों में लगभग 15 हजार किलोग्राम गुड़ लाहन था जिससे मदिरा बनाने की तैयारी चल रही थी। लाहन को लाने की असमर्थता के कारण मौके पर ही सैंपल लेकर नष्ट कर दिया। 60 लीटर, 70 लीटर एवं 75 लीटर कुल 205 लीटर हाथ भट्टी मदिरा भी जब्त की गई। आरोपीया महिला बुखारा पत्नी धर्मराज पारदी, राखी पत्नी जोनू पारदी एवं कावेरी पारदी के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किए गए, कुल 06 प्रकरण पंजीकृत किया गये। उक्त लाहन एवं मदिरा का अनुमानित मूल्य 16 लाख रुपये है।

समय पर नहीं खुलते आंगनबाडी केंद्र

जितने बच्चे दर्ज हैं उतने कभी नहीं आते, ग्रामीणों ने व्यवस्थाओं में सुधार की रखी मांग

सारंगपुर। उदनखेड़ी क्षेत्र की ग्राम पंचायत उदनखेड़ी व आसपास के आंगनबाडी केंद्रों पर आए दिन लापरवाही के मामले सामने आते रहते है। इनमें ज्यादातर जगह आंगनबाडी समय पर नहीं खुलती हैं। कुछ समय से खुल जाती हैं तो वहां न तो बच्चे रहते हैं और न ही आंगनबाडी कार्यकर्ता व सहायिका। इतना ही नहीं रजिस्टर में दर्ज संख्या अनुसार बच्चे भी कभी आंगनबाडी नहीं आते हैं। समाजसेवी रमेशचंद्र शर्मा ने बताया कि आंगनबाडी में जितने बच्चे दर्ज हैं उतने कभी नहीं आते हैं। कभी तो मात्र दो तो कभी चार बच्चे ही उपस्थित रहते हैं, लेकिन भोजन सभी बच्चों का आता है। ग्रामीणों ने कहा कि उदनखेड़ी में पांच आंगनवाड़ी केंद्र है जो पुराने स्कूल भवन में संचालित है, जिनमें से सभी अक्सर पर न तो समय पर खुलते है और न ही समय पर बंद होते है। ग्रामीणों ने अपने गांव के आंगनबाडी केंद्रों में व्यवस्थाओं में शीघ्र सुधार की मांग की है। इस मामले परियोजना अधिकारी का कहना है कि आपके के माध्यम से जानकारी मिली है। जल्द ही जांच कराकर लापरवाही आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं को कारण बताओ नोटिस जारी कर कार्रवाई की जाएगी।

नाम संशोधन की जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम विवेक कुमार जायसवाल पिता श्री सत्यनारायण जायसवाल था। जो अब परिवर्तित होकर विवेक जायसवाल पिता श्री सत्यनारायण जायसवाल हो गया है। अतः भविष्य में मुझे अब मेरे इसी नए नाम से जाना व पहचाना जाए

विवेक जायसवाल
HIG- 218, बिरला हॉस्पिटल के सामने, किशोरी सदन, महाश्वेता नगर, उज्जैन (म.प्र.)

चांचौड़ा एसडीएम ने ग्राम लामाखेड़ा में

एसडीएम ने शैक्षणिक, सामाजिक एवं स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

विद्यालय, मुक्तिधाम एवं उप स्वास्थ्य केंद्र से जुड़े विषयों पर त्वरित कार्रवाई

दैनिक अवन्तिका ▸▸ गुना

कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के मार्गदर्शन में ₹साप्ताहिक ग्राम भ्रमण एवं निरीक्षण अभियान₹ के अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी चांचौड़ा रवि मालवीय द्वारा तहसील कुंभराज के ग्राम लामाखेड़ा का भ्रमण एवं निरीक्षण किया गया। इस दौरान जनपद सीईओ चांचौड़ा, तहसीलदार कुंभराज सहित विभागीय अधिकारी तथा ग्रामवासी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान हाई स्कूल लामाखेड़ा में कक्षा नवमी एवं दसवीं के छात्र-छात्राओं से कैरियर संबंधी विषयों पर चर्चा कर भविष्य के लिए सही विषय चयन हेतु मार्गदर्शन दिया गया तथा प्राचार्य को विद्यालय में नियमित कैरियर गाइडेंस गतिविधियां आयोजित करने का सुझाव दिया गया।

विद्यालय के मुख्य द्वार पर सभी शिक्षकों के मोबाइल नंबर एवं पढ़ाए जाने वाले विषयों की जानकारी प्रदर्शित होने पर प्राचार्य एवं विद्यालय प्रबंधन का उत्साहवर्धन किया गया। दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय में विद्युत व्यवस्था न होने की समस्या अवगत कराई गई, जिस पर विद्युत विभाग के संबंधित इंजीनियर को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही प्राचार्य को छात्रों की दैनिक उपस्थिति बढ़ाने तथा समय-सीमा में पाठ्यक्रम पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। ग्राम पंचायत सचिव को विद्यालय परिसर में बच्चों के खेल मैदान की भूमि को तार फेंसिंग कर सुरक्षित करने हेतु भी निर्देशित किया गया।

भ्रमण के दौरान यह तथ्य संज्ञान में आया कि विद्यालय के समीप एक चबूतरे पर पूर्व से दाह संस्कार संबंधी गतिविधियां होती रही हैं, जिससे शैक्षणिक गतिविधियों में बाधा उत्पन्न होती है। निरीक्षण में यह भी पाया गया कि विद्यालय के सामने ही एक अन्य सर्वे नंबर पर टीन शेड युक्त मुक्तिधाम पूर्व से निर्मित है। ग्राम पंचायत एवं ग्रामवासियों की सहमति से विद्यालय के समीप स्थित दाह संस्कार चबूतरे को तत्काल हटाने हेतु सरपंच एवं सचिव को निर्देश दिए गए। साथ ही निर्देशित किया गया कि भविष्य में सभी ग्रामवासी टीन शेड वाले मुक्तिधाम का ही उपयोग करें एवं विद्यालय के समीप किसी भी प्रकार की दाह संस्कार गतिविधि नहीं की जाए।

अनुविभागीय अधिकारी द्वारा ग्राम लामाखेड़ा स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर (उप स्वास्थ्य केंद्र) का भी निरीक्षण किया गया। ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर द्वारा अवगत कराया गया कि भवन निर्माण कार्य पूर्ण होने के बावजूद हैंडओवर प्रक्रिया लंबित है। इस संबंध में बीएमओ के माध्यम से संबंधित संविदाकार को तत्काल हैंडओवर की कार्रवाई पूर्ण करने के निर्देश दिए गए तथा 03 दिवस के भीतर उप स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सेवाएं प्रारंभ करने के आदेश दिए गए। भवन में पानी एवं साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु ग्राम पंचायत को निर्देशित किया गया।

चांचौड़ा स्नातक महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान

शासकीय महाविद्यालय चांचौड़ा में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत एक कार्यशाला रजिस्ट्रीकरण अधिकारी चांचौड़ा रवि मालवीय एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं तहसीलदार मयंक खेमरिया द्वारा आयोजित की गई, जिसमें उपस्थित लगभग 200 छात्र-छात्राओं को चुनाव आयोग द्वारा विशेष पुनरीक्षण महाअभियान की गतिविधियों से अवगत कराया गया एवं नवीन मतदाताओं के नाम जोड़ने संबंधी फॉर्म भरवाए गए। कार्यशाला के दौरान अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों को मतदान के महत्व, मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों तथा निर्वाचन आयोग की विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। उपस्थित विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया। प्रभारी प्राचार्य द्वारा अवगत कराया गया था कि महाविद्यालय के सामने अवैध रूप से गुमटी रखकर अतिक्रमण किया जा रहा है, जिससे मुख्य मार्ग पर ब्लैक स्पॉट की स्थिति निर्मित होती है। इसको संज्ञान में लेते हुए एसडीएम चांचौड़ा एवं नगर पालिका द्वारा शासकीय स्नातक महाविद्यालय कुंभराज के सामने रखी गई अवैध गुमटी को तत्काल प्रभाव से हटाने की कार्रवाई की गई।

रामभक्ति में डूबा सुसनेर, सायं फेरी में शामिल हुए सैकड़ों श्रद्धालु

झांझ-मंजीरों और राम भजनों से गूंजा नगर, उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सुसनेर

अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ के पावन अवसर पर बुधवार को नगर में भव्य सामूहिक सायं फेरी का आयोजन किया गया। श्रीराम मंदिर धर्मशाला से प्रारंभ हुई इस फेरी में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा और पूरा नगर राममय वातावरण में डूब गया। पुरुषों, महिलाओं के साथ-साथ नन्हे-नन्हे बच्चे भी झांझ-मंजीरे लेकर प्रभु श्रीराम के मधुर भजनों का गायन करते हुए उत्साहपूर्वक फेरी में शामिल हुए। सायं फेरी श्रीराम मंदिर से प्रारंभ होकर हाथी दरवाजा, सब्जी मंडी, मैना रोड, इतवारिया बाजार, सराफा बाजार, शुक्रवारिया बाजार, पालिका बाजार, पुराना बस स्टैंड, पांच पुलिया, साईं चौराहा एवं डाक बंगला मार्ग से होते हुए श्रीमनकामेश्वर महादेव मंदिर पहुंची। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर फेरी का स्वागत किया, वहीं सामाजिक संस्थाओं एवं रामभक्तों द्वारा शरबत व प्रसाद वितरण कर पुण्य लाभ अर्जित किया गया।

सायं करीब 7.30 बजे श्रीमनकामेश्वर महादेव मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ महाआरती की गई, जिसके साथ फेरी का विधिवत समापन हुआ। इस अवसर पर मानस मर्मज्ञ डॉ. सच्चिदानंद शर्मा सहित बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आयोजकों ने नगरवासियों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में संस्कार, समरसता और भक्ति भाव का विस्तार होता है।

शासन की घोषणा के बावजूद आज तक नहीं बना श्रमिक विश्राम भवन

देवास। मुख्यमंत्री यादव ने प्रदेश के नागरिकों के कल्याण के लिए अनेक योजनाओं का संचालन करने के संदर्भ में अनेक घोषणाएं की थी उनमें एक घोषणा श्रमिकों के विश्राम के लिए श्रमिक विश्रामगृह बनाने का प्रस्ताव 2024 में किया गया था जिसके तहत कहा गया था कि प्रदेश के 17 नगर निगम में श्रमिक विश्रामगृह बनाए जाएंगे जहां श्रमिक और उनके परिवारों को ठहरने की सुविधा मिल सकेगी यहां तक की श्रमिकों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से श्रमोदय आवासीय विद्यालय बनाने का भी प्रस्ताव था । कांग्रेस नेता सुधीर शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री की घोषणा के 2 वर्ष होने के उपरांत आज तक देवास में श्रमिकों के विश्राम के लिए कोई विश्रामालय का निर्माण नहीं किया गया है । जबकि देवास औद्योगिक शहर होने के नाते प्राथमिकता से श्रमिकों के लिए श्रमिक विश्राम वाले अभी तक बन जाना था।इस संदर्भ में जब श्रम विभाग के अधिकारी से बात हुई तो उन्होंने कहा कि बालगढ़ स्थित कबीट नगर में भवन बनाना प्रस्तावित है लेकिन अभी कोई काम शुरू नहीं हुआ है यह काम पीडब्ल्यूडी को करना है ।

पुरुषोत्तम श्रीराम के विवाह प्रसंग ने रचा भक्तिमय वातावरण

मर्यादा,धर्म और त्याग सिखाती है रामायण-डॉ शर्मा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सुसनेर

अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ के पावन अवसर पर सुसनेर स्थित श्रीराम मंदिर धर्मशाला प्रांगण में आयोजित श्रीराम कथा के तीसरे दिन बुधवार को श्रद्धा, भक्ति और भावनाओं का अद्भुत संगम देखने को मिला। मानस मर्मज्ञ डॉ. सच्चिदानंद शर्मा ने भगवान श्रीराम के जन्म, बाल लीलाओं एवं मर्यादित जीवन प्रसंगों की सजीव व्याख्या करते हुए श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कथा का शुभारंभ भजन ठुमक चलत रामचंद्र बाजत पैजनिया से हुआ। जिसने वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। कथा के दौरान डॉ. शर्मा ने भगवान शिव के श्रीराम दर्शन प्रसंग का मार्मिक वर्णन किया। उन्होंने कहा कि ईश्वर को ढूंढने के लिए कहीं दूर जाने की आवश्यकता नहीं होती। जिस देश, काल, समय और परिस्थिति में मनुष्य का जन्म होता है। उसी में अपने धर्म का पालन करते हुए भक्ति युक्त कर्म करने से परमात्मा की प्राप्ति संभव है। सच्चे मन से स्मरण करने पर भगवान स्वयं भक्त के जीवन में प्रकट होते हैं। उन्होंने रामायण को धर्म, मर्यादा और त्याग का अनुपम ग्रंथ बताते हुए कहा कि भगवान श्रीराम का संपूर्ण जीवन मानवता के लिए आदर्श है। माता-पिता की सेवा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि माता-पिता की सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है। एक योग्य पुत्र को अपने माता-पिता के दोष नहीं देखने चाहिए बल्कि श्रद्धा और निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। वहीं, एक बहू के लिए पति के माता-पिता स्वयं के माता-पिता से भी बढ़कर होते हैं, जिनकी निस्वार्थ और पवित्र भाव से सेवा करना ही परम धर्म है। कथावाचक ने कहा कि जीवन में मान और अपमान आते-जाते रहते हैं। लेकिन प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मर्यादा का ध्यान रखते हुए अपने-अपने धर्म का पालन करना चाहिए। भगवान श्रीराम ने अपने अवतार में यही शिक्षा देकर मानव समाज को मर्यादा के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर विशेष बल देते हुए कहा कि शिक्षा से समाज का सुधार होता है, किंतु शिक्षा के साथ नैतिकता और संस्कारों का होना अत्यंत आवश्यक है। यदि संस्कारों का अभाव हो, तो शिक्षित व्यक्ति भी जनकल्याण नहीं कर सकता। डॉ. शर्मा ने कहा कि इस संसार में कोई भी व्यक्ति सदैव पूर्ण नहीं रहा है, इसलिए पद, प्रतिष्ठा और संपत्ति में आसक्ति नहीं रखनी चाहिए। सत्य और धर्म के लिए त्याग करना ही श्रेष्ठ मार्ग है। जब भी स्वयं से श्रेष्ठ व्यक्ति सामने आए, तो अहंकार त्यागकर अपना आसन छोड़ देना चाहिए। त्याग और विनम्रता से युक्त मनुष्य ही वास्तव में श्रेष्ठ कहलाता है। कथा के विभिन्न प्रसंगों में राजा जनक द्वारा धनुष-भंग, लक्ष्मण-परशुराम संवाद एवं श्रीराम-सीता विवाह का सुंदर और भावपूर्ण वर्णन भजनों के साथ किया गया। डॉ. शर्मा ने कहा कि भगवान सर्वत्र व्याप्त हैं, प्रेम से पुकारने और सच्चे मन से सुमिरन करने पर प्रभु कहीं भी और किसी भी रूप में प्रकट हो सकते हैं। उन्होंने मनुष्य की चार श्रेणियों का उल्लेख करते हुए बताया कि प्रथम नर-राक्षस, जो सदैव दूसरों को हानि पहुंचाता है; दूसरा नर-पशु, जो जीवन को निरीह प्राणी की तरह व्यतीत करता है; तीसरा सामान्य नर, जो अच्छा जीवन यापन करता है, किंतु न तो अच्छे का साथ देता है और न ही बुरे को रोकने का प्रयास करता है।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पिता स्वर्गीय शेर खान पिता फिदा हुसैन के स्वामित्व व आधिपत्य का भवन म्युनिसिपल क्रमांक 13/1, गेबी हनुमान गली चंद्रशेखर आजाद मार्ग, उज्जैन में स्थित है। मेरे पिता की मृत्यु के पश्चात नगरपालिक निगम उज्जैन में वारिसान की हैसियत से सिद्दीक शेख, इकरार शेख, जावेद शेख का नाम दर्ज हो चुका है। उक्त भवन का कोई विभाजन नहीं हुआ है उक्त भवन के एक भाग को जावेद शेख विक्रय करने के प्रयास में है उक्त भवन भाग को बिना विभाजन के तथा बिना सहमति के विक्रय नहीं किया जा सकता है। यदि कोई व्यक्ति उक्त भवन का भाग को बिना बंटवारे के व बिना सहमति के क्रय करता है तो संपूर्ण जवाबदारी व जिम्मेदारी क्रेता की होगी। सूचित हो । इति दिनांक 22.01.2026

सिद्दीक शेख पिता शेर खान
निवासी-13/1, गेबी हनुमान गली चंद्रशेखर आजाद मार्ग, उज्जैन (म.प्र.) मो.नं. 9685238138

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी कोठीमहल जिला उज्जैन म.प्र.
प्र. क्र. 0096/अ-20(3)/2025-26 **प्रो.र.नं. :-25**
दिनांक :- 9 जनवरी 2026

जाहिर सूचना

कार्यालय कलेक्टर नजूल शाखा जिला उज्जैन के पत्र क्रमांक 08 दिनांक 7.1.2026 अनुसार ग्राम कोठी महल की भूमि सर्वे क्र. 7 रकबा 5.942 हे. मेंसे 0.12 हे. पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग उज्जैन को MVS आवास निर्माण हेतु भूमि आबंटन हेतु मांग की गई।

प्रकरण में आगामी सुनवाई दिनांक 30 जनवरी 2026 नियत हैं।

अतः आवेदित भूमि आबंटित करने में आपत्ति हों, वह अपनी आपत्ति प्रकरण में नियत दिनांक तक स्वयं/अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत करें। नियत दिनांक तक आपत्ति प्राप्त न होने पर आपत्ति अविचारणीय होकर नगण्य होगी।

अनुविभागीय अधिकारी
अनुभाग कोठी महल जिला उज्जैन

चोरी करने वाले 2 बदमाश गिरफ्तार, बजरंग नगर के सूने आवास में हुई वारदात, 90 हजार का सामान बरामद

देवास। पुलिस ने बजरंग नगर स्थित एक सूने मकान में चोरी करने वाले दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से चोरी किया गया 90,000 रुपये का शत-प्रतिशत सामान बरामद कर लिया गया है। यह घटना 25 से 27 दिसंबर 2025 के बीच हुई थी। बजरंग नगर निवासी मनीष जैन ने 29 दिसंबर 2025 को औद्योगिक क्षेत्र थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि जब वे परिवार के साथ इंदौर गए हुए थे, तब उनके सूने मकान का ताला तोड़कर सोने की अंगूठी, दो हाथ घड़ियां और सिक्कों से भरा गुल्लक चोरी कर लिया गया। फरियादी की शिकायत पर थाना औद्योगिक क्षेत्र देवास में अप.क्र. 1125/2025, धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस 2023 के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए, देवास पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी के आदेश दिए थे। थाना प्रभारी शशिकांत चौरसिया के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने घटनास्थल और उसके आसपास 'ऑपरेशन त्रिनेत्रम' के तहत लगे 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। कैमरों की मदद से आरोपियों की पहचान कर उनका पीछा किया गया। 19 जनवरी 2026 को पुलिस ने कुशाल उर्फ खुशी (19) और सुशील किटोदिया (18), दोनों निवासी लक्ष्मणनगर देवास को गिरफ्तार कर लिया।

देवास में फिर चेन स्नेचिंग की कोशिश

बाइक सवार हेलमेटधारी बदमाश सीसीटीवी में कैद

देवास। राधागंज क्षेत्र में चेन स्नेचिंग का एक और असफल प्रयास सामने आया है। बीते चार दिनों में यह इसी इलाके में दूसरी घटना है, जिसमें महिलाएं निशाना बन रही हैं। यह ताजा घटना बुधवार रात राधागंज कॉलोनी में हुई। रात करीब 9:15 बजे, एक 19 वर्षीय युवती अपनी दोस्त के साथ कॉलोनी में टहल रही थी। तभी अपाचे बाइक पर सवार एक अज्ञात युवक ने उसके गले पर हाथ डालकर चेन खींचने का प्रयास किया। युवती के भाई कुणाल पटेल ने बताया कि बाइक सवार युवक हेलमेट पहने हुए था। वह घटना से पहले कुछ समय से कॉलोनी में चक्कर लगा रहा था, जिससे प्रतीत होता है कि बदमाश पहले से ही मौके की तलाश में था। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर जांच शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि इस घटना से दो दिन पहले भी इसी राधागंज क्षेत्र में चेन स्नेचिंग की एक वारदात हुई थी। उस समय पूजा करने जा रही एक महिला के गले से दो अज्ञात बदमाश चेन छीनकर फरार हो गए थे। लगातार हो रही इन घटनाओं से क्षेत्र की महिलाओं में भय का माहौल है। स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से इलाके में गश्त बढ़ाने और जल्द आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है। पुलिस फिलहाल सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की गहनता से जांच कर रही है।

स्नेहा मालवीय का सीआईएसएफ में चयन, ऑल इंडिया रैंक 330 हासिल की

सुसनेर। नगर की होनहार बेटी स्नेहा मालवीय ने एसएससी जीडी परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 330 प्राप्त कर केंद्रीय

औद्योगिक सुरक्षा बल में चयनित होकर सुसनेर और पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। 22 वर्षीय स्नेहा मालवीय पिता स्वर्गीय बालचंद मालवीय की सुपुत्री हैं। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद स्नेहा ने अपने लक्ष्य के प्रति अडिग रहते हुए यह उल्लेखनीय सफलता अर्जित की। उनकी इस उपलब्धि को महिला सशक्तिकरण और युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत माना जा रहा है। स्नेहा की सफलता की खबर मिलते ही परिवार, रिश्तेदारों एवं नगरवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई। लोगों ने उनके घर पहुंचकर बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। नगर के गणमान्य नागरिकों एवं शिक्षकों ने कहा कि स्नेहा की मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास ने यह सिद्ध कर दिया कि बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। स्नेहा की इस उपलब्धि से अन्य छात्र-छात्राओं को भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए नई प्रेरणा मिलेगी।

मुख्य सचिव म.प्र.शासन की अध्यक्षता में वीसी के माध्यम से समीक्षा

ब्यावरा। मुख्य सचिव म.प्र.शासन की अध्यक्षता में कलेक्टरझ्रकमिश्नर कॉन्फ्रेंस के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा वीसी के माध्यम से आयोजित हुईं। आयोजित वीसी में जिले के एनआईसी कक्ष से कलेक्टर डॉ गिरीश कुमार मिश्रा, पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी, सीईओ जिला पंचायत डॉ इच्छित गढ़पाले, अपर कलेक्टर प्रताप सिंह चौहान, सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि भवन स्वामी 01-श्री अरविंदरसिंह नील पिता श्री हरदयालसिंहजी, 02-श्रीमती हरजीत नील पति श्री अरविंदरसिंह नील, दोनो निवासी-सी-403 शिवांश एलीगेन्स, सांवेर रोड, उज्जैन (म. प्र.) के संयुक्त मालिकी स्वामित्व में भवन पुराना क्रमांक-64 वर्तमान म्यु नं.-64/2 व 64/3 वररूचि मार्ग, माधव नगर, फ्रीगंज उज्जैन उज्जैन (म. प्र.) में स्थित है। भवन तीन मंजिला आर. सी. सी. की छत का बना है। सम्पूर्ण भवन के भूखण्ड का कुल क्षेत्रफल-93.44 वर्गमीटर है। सम्पूर्ण भवन की चर्तुःसीमा में-पूर्व दिशा में रास्ता सरकारी, पश्चिम दिशा में मकान मोहिनी धनरानी का, उत्तर दिशा में कॉमन गली व उसके बाद मकान इब्राहीम मोहम्मद कासम का एवं दक्षिण दिशा में मकान अनंतलाल माहेश्वरी का स्थित है। उक्त चर्तुःसीमा के मध्य स्थित भवन तल मंजिल, प्रथम मंजिल, द्वितीय मंजिल मय हवाई हक सहित को क्रय करने का सौंदा मेरे पक्षकार ने उपरोक्त भवन स्वामीयो से कर आंशिक राशि अदा कर दी है, शेष राशि का भुगतान कर, केवल विक्रय पत्र का पंजीयन करवाना शेष है। उक्त भवन पर अन्य किसी व्यक्ति, सोसायटी, संस्था, समूह, वित्तीय निकाय, बैंक, पेढ़ी, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, आदि का किसी भी प्रकार का कोई स्वत्व हित व अधिकार अथवा भार, बोडा, दान, विक्रय, बक्षीस, बकाया आदि हो अथवा किसी भी प्रकार का कोई सुखाधिकार हो अथवा इस विक्रय व्यवहार में किसी प्रकार की आपत्ति हो तो इस जाहिर सूचना के प्रकाशन के 07 (सात) दिन में अपनी आपत्ति मय लिखित प्रमाण के मेरे समक्ष प्रस्तुत करे ताकि उसका निराकरण किया जा सके अन्यथा मेरे पक्षकार अपने हित में उक्त सम्पत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन करा लेंगे व उक्त अवधि गुजर जाने के पश्चात किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नही होगी। सूचित हो।

इति दिनांक-22.01.2026

राजकुमार प्रजापत एडवोकेट
कार्यालय-A-1 भरतपुरी काम्पलेक्स, देवास रोड उज्जैन (म.प्र.)
मोबा. 94259-46659

निमार्णाधीन जपं भवन का निरीक्षण

नये भवन निर्माण का एसडीएम, जपं अध्यक्ष और सीईओ ने किया निरीक्षण

सारंगपुर। सारंगपुर शहर में पुराने रेस्ट हाउस के पास निर्माणाधीन जनपद पंचायत कार्यालय भवन का बुधवार दोपहर 12 बजे सारंगपुर एसडीएम रोहित बम्हौरे ने जपं अध्यक्ष देवनारायण नागर, जपं सीईओ हेमेंद्र गोविल एवं एसडीओ कृपाल पैरवाल के साथ औचक निरीक्षण किया। एसडीएम ने मटेरियल उसकी गुणवत्ता में लापरवाही न हो, इसके संबंध में एसडीओ से बातचीत की है। इसके साथ ही साथ भवन के लिए कितनी जमीन अलॉट है, आसपास कितनी जमीन से बाउंड्रीवॉल बननी है, इस पर जानकारी ली है। सारंगपुर जनपद कार्यालय भवन अस्पताल रोड पर करीब वर्षो से संचालित है। भवन छोटा है और जगह के आभाव से कार्यालय की व्यवस्थाएं नहीं हो पा रही थीं, जिसके बाद इस भवन की स्वीकृत हुई है। जिसका निर्माण करीब 5 करोड 25 लाख रुपये की लागत से किया जा रहा है। निर्माण कार्य जारी है और जनवरी 2027 तक इसका निर्माण पुरा होना है। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद पंचायत भवन का निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता और समय सीमा में पूर्ण किया जाए।

सारंगपुर में 23 को लगेगा विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य महाशिविर

सारंगपुर। अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, देवास द्वारा कौशल विभाग एवं रोजगार विभाग राज्यमंत्री डॉ. गौतमजी टेटवाल के मार्गदर्शन एवं श्याम परिवार के सहयोग से जनहित

में एक विशाल सर्व रोग निदान महाशिविर का आयोजन आगामी 23 जनवरी शुक्रवार को सारंगपुर में किया जा रहा है। इस शिविर में हृदय रोग, कैंसर और मस्तिष्क रोग जैसी गंभीर बीमारियों का निशुल्क परामर्श और सोनोग्राफी, इसीजी, एक्सरे , खून पेशाब की जांच की जाएगी। साथ ही अमलतास आयुर्वेदिक एवं होम्योपेथिक अस्पताल के द्वारा भी निशुल्क परामर्श दिया जाएगा। साथ ही शिविर के अगले दिन चिह्नित मरीजों का निशुल्क इलाज किया जायेगा एवं अस्पताल तक जाने हेतु निःशुल्क बस सेवा भी उपलब्ध रहेगी। यह शिविर सारंगपुर में श्री बालाजी मैरिज गार्डन, बस स्टैंड के पास सुबह 10 बजे से 3 बजे रहेगा। शिविर में आने वाले मरीज अपनी पुरानी जांच रिपोर्ट, आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी, वोटर कार्ड और आधार कार्ड साथ अवश्य लाएं। गौतम टेटवाल मित्र मण्डल एवं श्याम परिवार ने समस्त क्षेत्रवासियों से अपील की है कि इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं और अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराएं।

यति सुमतिसुंदरजी मसा का जन्म दिवस गौ सेवा कर मनाया

महिदपुर। जंगम युग प्रधान,वृहद भट्टारक,खरतरगच्छा-धिपति,जैनाचार्य,व्याख्यान वाचस्पति,श्री पूज्य श्री जिनचंद्र सूरिजी महाराज साहब के सुशिष्य सुमतिसुंदर जी मसा का जन्म दिवस झारड़ा कटन स्थित गौशाला में गौ माताओं को आहार करा कर मनाया।आहार में खल, कपासिया,पशु आहार,गुड़,हरा चना,जलेबी, केले,घी लगी चपाती आदि सामग्री सम्मिलित रही।श्वानों को बिस्किट खिलाए गए।यति महाराज साहब के सांसारिक सरदारमल चोपड़ा दलाल परिवार जन,इष्ट मित्र, समाज जन,रिश्तेदार आदि इस अवसर पर उपस्थित रहे।सबसे पहले गौ माताओं को नमस्कार महामंत्र नवकार श्रवण करवाया गया।

देवपुरी गोस्वामी को राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सदस्य नियुक्त किया

बड़नगर। श्री रुद्र पंचायती दशनामी अखाड़ा न्यास की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की एक बैठक नागचंद्रेश्वर मंदिर विक्रम वाटिका परिसर उज्जैन में आयोजित की गई। इसके मुख्य अतिथि रुद्र पंचायती दशनामी अखाड़ा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महामंडलेश्वर महंत रवि गिरी कच्छ गुजरात थे। इसमें राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सभी सदस्यों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष ने समाजसेवी देवपुरी गोस्वामी बड़नगर को राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सदस्य नियुक्ती प्रमाण पत्र देकर एवं उज्जैन संभाग का प्रभारी बनाकर दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया। बैठक में गुजरात, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश एवं उज्जैन इंदौर के संत महंतों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। गोस्वामी की नियुक्ति पर महंत जितेंद्र भारती, किशोर गिरी, भेरू गिरी, कैलाश गिरी आदि ने बधाई दी ।

पीएम श्री शासकीय कन्या उमा विद्यालय में वार्षिकोत्सव समारोह में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ तराना

पीएम श्री शासकीय कन्या उ मा विद्यालय में वार्षिकोत्सव के अंतर्गत पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मालवा प्रांत के सह कार्यवाह रघुवीरसिंह सिसोदिया ने पुरस्कृत छात्राओं को बधाई देते हुए अपने संबोधन में कहा कि गुरुजन ही शिक्षा दान के साथ साथ नई पीढ़ी में संस्कारों का बीजारोपण कर चरित्र निर्माण का महनीय कार्य करते हैं । और चरित्र निर्माण ही सशक्त राष्ट्र की नींव है ।

इतिहास के उज्ज्वल चरित्रों से प्रेरणा प्राप्त करके ही हम अपने जीवन को सही दिशा दे सकते हैं।विद्यालय के प्राचार्य अशोक कुमार गेहलोत की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।विशिष्ट अतिथि के रूप में मार्केटिंग सोसायटी के अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह बडाल, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष उमेश शर्मा, शहर कांग्रेस अध्यक्ष महेश रावल, विधायक प्रतिनिधि प्रदीप बाजपेई, समाजसेवी पप्पू सेठ डोडिया, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक बजरंगसिंह तोमर, नवीन हाईस्कूल के प्राचार्य बृजेश शर्मा और पत्रकार व अभिभावक पीयूष कलोसिया उपस्थित थे।

अतिथियों द्वारा सरस्वती पूजन एवम् दीप प्रज्जवलन के पश्चात मां सरस्वती की वंदना पर क्लासिक नृत्य की प्रस्तुति विद्यालय की छात्रा पायल मालवीय और शिवानी जायसवाल ने दी । छात्राओं द्वारा प्रस्तुत देश वंदना, देशभक्ति से परिपूर्ण नृत्य एवं अनुष्का मालवीय व शिवानी जायसवाल के एकल नृत्य से आयोजन का प्रारंभ हुआ । अतिथियों का अभिनंदन छात्रा कैबिनेट की अध्यक्ष तनीषा मालवीय, सुमैया शेख, आशा बडाल,लक्ष्मी चौहान दिव्यांशी कुमावत, दीपिका राठौर और गीतांजलि मालवीय ने किया। स्वागत भाषण एवं अध्यक्षीय उद्बोधन प्राचार्य अशोक गेहलोत ने दिया। वार्षिक गतिविधियों का ब्यौरा छात्रा कैबिनेट की सचिव रोशनी चौहान और उपाध्यक्ष चेरिलीशा कलोसिया ने दिया। इस अवसर पर अतिथियों के द्वारा वर्ष भर की विभिन्न सांस्कृतिक, शैक्षणिक और खेल गतिविधियों के लिए छात्राओं को विशिष्ट पुरस्कार, विशेष पुरस्कार, श्रेष्ठ पुरस्कार और विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर विद्यालय परिवार के दीपक कारपेंटर, सुषमा पाल, जगदीश पंवार , संदीप विजयवर्गीय, बत्तीलाल बेरवा, विपिन राठौर नंदकिशोर सिसोदिया, पुष्पेंद्र वर्मा,माधुरी पलिया, शकुंतला प्रजापति, दिव्या सिसोदिया, राधा राठौर, दिनेश गोयल, योगेंद्र पांडेय, किस्मतुनिशा शेख, जगदीश मालवीय, जोरावरसिंह परमार, कोमलचंद्र कुंभकार, सरिता शर्मा, शलभ पाठक, घोष प्रमुख ज्योति सोमानी, संगीत शिक्षिका सुनीता लंजवार, फरहानाज खान, लक्ष्मी सोनी, नूतन पांडे, आदित्य मालवीय, बलराम पंवार तूफान शर्मा, अतुल अवस्थी, राकेश बोड़ाना, मनीषा गेहलोत, सुरेखा जोशी, रेखा राठौर, टीना मेघवाल, रसना सोलंकी, पूजा शर्मा सहित सभी सदस्य उपस्थित थे इस अवसर पर सभी अतिथियों को विद्यालय की ओर से स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया ।

सत्ता के लिए धर्म की आड़ में राजनीति करती है

भाजपा प्रदेश में सत्ता का दुरुपयोग कर भ्रष्टाचार कर रही- रामचंद्र दांगी

अवन्तिका ▸▸ राजगढ़-ब्यावरा

राजगढ़ जिले के ब्यावरा शहर का हृदय स्थल पीपल चौराहे पर गौ माता की सेवा सुरक्षा संरक्षण एवं राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर एक दिवसीय उपवास पर बैठी सुश्री रचना भार्गव ने गायों की दुर्दशा को लेकर महामहीम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन स्थानीय प्रशासन को सौपा सुश्री भार्गव ने कहा कि सत्ता में बैठे गायों के नाम पर राजनीति और भाषणबाजी करते हैं मगर ना तो गायों के लिए समुचित चारे पानी की व्यवस्था है और ना ही उनकी सुरक्षा और संरक्षण की जवाबदेही, आपने कहा कि जिले में करीब 20 गायों की दुर्दशा के चलते मौत हुई, प्रदेश की राजधानी भोपाल नगर निगम में 26 टन गौमांस से भरा हुआ ट्रक पकड़ा गया।

पूर्व विधायक रामचंद्र दांगी ने कहा कि भाजपा सत्ता पाने के लिए सनातन धर्म और गौमाता की बात करती है। सत्ता पाने के बाद उन्हें इनसे कोई लेना देना नहीं, हिंदू मुसलमान और सनातन धर्म के नाम पर लोगों को डराने का काम करती है, श्री दांगी ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में यदि गायों की इस तरह दुर्दशा होती तो भाजपा पूरे देश में अराजकता का माहौल पैदा कर देती भाजपा के शासनकाल में गौमांस खुलेआम बिक रहा, भाजपा सत्ता पाने के लिए धर्म का उपयोग करती हैं हम इसका विरोध करते हैं कांग्रेस जो कहती है वह करती है दिग्विजय सिंह के शासनकाल में गौ आयोग बनाया गया था, भाजपा धर्म की आड़ में राजनीति करती है और सनातन धर्म के नाम पर जनता को भ्रमित करती है, सरकार छोटे मोटे लोगों पर कार्रवाई कर दिखावा करती है जबकि दोषी और अपराधी सरकार में बैठकर खुले आम सत्ता का दुरुपयोग कर भ्रष्टाचार करते रहे हैं।

चौड़ी सड़क नाली निर्माण के बाद सकड़ी हो गई

महिदपुर। महिदपुर रोड से घोंसला तक की सड़क 10 मीटर चौड़ी बनाने का कार्य पिछले 3 वर्षों से चल रहा है। 10 मीटर सड़क के चौड़ीकरण के साथ दोनों और नाली निर्माण किया जा रहा है यह नाली निर्माण सड़क से कई जगह 8 से 10 इंच ऊंचा होने से नाली के पास वाहनों के खड़े रहने से चौड़ीकरण का लाभ नहीं मिलते सड़के पहले से भी सकड़ी हो गई है। महिदपुर नगर, महिदपुर रोड, खेड़ा खजुरिया, भीमाखेड़ा, जमातखाने में स्पष्ट दिखाई दे रहा है। सड़को के पास नाली निर्माण से नाली के पीछे की भूमि जो वाहनों के खड़े होने के काम आती थी वह अतिक्रमण का निमंत्रण दे रही है। कई स्थानों पर सड़क चौड़ीकरण सड़क सकड़ीकरण बनता जा रहा है। सड़क निर्माण करने वाले विभाग नगरपालिका पंचायतों के सहज समन्वय बनाकर चौड़ीकरण किया जाता है तो जनता को उसका लाभ मिलता। सड़क चौड़ीकरण कार्य पूर्ण हुए एक एक वर्ष से अधिक समय हो गया है परन्तु बिजली के पोल बीच सड़क पर अभी भी खड़े हुए है। सड़क चौड़ीकरण में सभी विभागों का समन्वय बनाकर, कार्य किया जाता है तो डाक बंगले और नए थाने के आगे का नाला अलग कहानी नहीं कह रहा होता। नए थाने के सामने स्टेट बैंक के सामने पुराना बस स्टैंड , नारायणा रोड पर यातायात व्यवस्था के लिए रोटरी बनाई जाती तो सुंदरता के साथ यातायात में बार बार होने वाले जाम से बचा जा सकता था।

गणतंत्र दिवस समारोह

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले बच्चे

सारंगपुर। गणतंत्र दिवस बडे ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया जाना है। हमारी अपील है कि शहरवासी बढ-चढकर इस कार्यक्रम में भाग लें। गणतंत्र दिवस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्कूली बच्चे भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले। यह हमारा राष्ट्रीय पर्व है। इसके उत्साह के साथ शामिल हो। यह बातें बुधवार को 26 जनवरी को होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर स्थानीय शा उत्कृष्ट उमावि सारंगपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों को लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रम चयन समिति के समक्ष हुई फाइनल रिहर्सल के दौरान समिति की अध्यक्षता करते हुए सारंगपुर तहसीलदार आकाश शर्मा ने कही। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम मे सामुहिक नृत्य देशभक्ति भावना से ओत प्रोत गीत पर आधारित प्रस्तुत किया जाएगा। विवादित गानों का प्रयोग प्रतिबंधित रहेगा। मुख्य कार्यक्रम 60 मिनिट मे प्रस्तुत किया जाएगा। उक्त समिति में तहसीलदार आकाश शर्मा, बीईओ सुरेश विरमाल, प्राचार्य पूजा विजयवर्गीय, युवा कल्याण विभाग प्रशिक्षक भरत भैरवे आदि उपस्थित रहे। दोपहर 12.00 बजे उत्कृष्ट विद्यालय सारंगपुर मे आयोजित हुई अंतिम रिहर्सल में विद्यालयवार प्रस्तुत किये जाने वाले कार्यक्रम का अंतिम चयन किया गया, जिसमें 9 विद्यालयों ने भाग लिया।

आँखों में सपने, दिल में यादें: 12 की छात्राओं का विदाई समारोह सम्पन्न

दैनिक अवन्तिका ▸▸ झारडा

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झारडा में प्रतिवर्षानुसार कक्षा 12 की छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन गरिमामय एवं भावनात्मक वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के पूजन के साथ किया गया।

विदाई समारोह में कक्षा 9वीं, 10वीं एवं 11वीं की छात्राओं द्वारा कक्षा 12वीं की छात्राओं को स्मृति स्वरूप भेंट प्रदान की गई। वहीं कक्षा 12वीं की छात्राओं ने विद्यालय परिवार के समस्त शिक्षकों को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झारडा की प्राचार्या श्रद्धा विश्वकर्मा रहीं। विशिष्ट अतिथियों में उप प्राचार्य रामजीलाल कुमावत, आशुतोष दीक्षित, राघवेन्द्र कुमार वर्शी एवं भूपेंद्र कुमार त्रिवेदी उपस्थित रहे।

समारोह में विद्यालय के प्राचार्य नवीन कुमार गर्ग सहित हरिप्रसाद जायसवाल, संतोष कुमार सोनी, विजय कुमार पालीवाल, रामस्वरूप अहिरवार, प्रकाश जाटव, जितेन्द्र कुमावत, पूजा कुमावत, मोनिका गर्ग, चंद्रशेखर कुमावत, फूलचंद मेघवाल, मदनलाल बमनावत, विजय परमार, मुस्कान कुमावत, वर्षा ठाकुर, कमरुद्दीन मुलतानी, विक्रम प्रजापत, विष्णु कुमार पांडे, पायल मीणा, सोनिया बमिया एवं संध्या कुमावत सहित समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कार वितरित किए गए। अंत में सहभोज का आयोजन किया गया।

एसआइआर: फॉर्म-7 में गड़बड़ी को लेकर कांग्रेसजनों ने की एसडीएम से मुलाकात

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर।

सारंगपुर के पूर्व विधायक कृष्ण मोहन मालवीय के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सारंगपुर निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम रोहित बम्हौरे से मुलाकात की और फॉर्म-7 में गडबडी की आशंका जताई। इस मौके पर मालवीय ने कहा कि फॉर्म 7 की तिथि और बूथवार जानकारी दी जाए। केवल वही फॉर्म मान्य हों, जो निर्वाचन आयोग द्वारा छपवाए गए हों। बाहर से छपे फॉर्म 7 को निरस्त किया जाए। उन्होंने मांग की कि एक दिन में अधिकतम 15 फॉर्म ही स्वीकार किए जाएं। इससे गलत नाम जोडने की आशंका कम होगी। फॉर्म 7 की अंतिम तीन दिन की जानकारी भी दी जाए, ताकि यह पता चल सके कि किस बूथ पर कितने फॉर्म जमा हो रहे हैं।

मालवीय ने आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल के लोग सरकारी बीएलओ पर नाम कटवाने का दबाव बना रहे हैं। यह नियमों के खिलाफ है। इसे तुरंत रोका जाए। यदि कोई बीएलओ अनैतिक कार्य करता है तो उस पर तुरंत कार्रवाई हो। इस मौके पर ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष दुर्गेश सोमानी, पूर्व अध्यक्ष मोहम्मद अली एवं मोहन पाल सहित तहसीलदार आकाश शर्मा उपस्थित थे। एसडीएम बम्हौरे ने सभी को आश्वस्त किया कि एसआईआर के तहत पुरी तरह से निष्पक्ष रुप से मतदाता सूची का काम किया जा रहा है, किसी तरह की कोई गडबड़ी इस दौरान बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कांग्रेस ने प्रति बूथ प्रतिदिन अधिकतम 15 फॉर्म-07 की सीमा का सख्ती से पालन कराने की मांग की। साथ ही इस सीमा के उल्लंघन पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने का आग्रह किया गया। कांग्रेसजनों ने स्पष्ट किया गया कि किसी भी बूथ पर गलत नाम जोडने या वैध मतदाताओं के नाम काटने का प्रयास नहीं होना चाहिए। कांग्रेस ने इस तरह की किसी भी गतिविधि को लोकतंत्र के लिए घातक बताया। कांग्रेस ने अंत दिनों के बीच प्राप्त फॉर्म-07 की विशेष निगरानी और उनकी पृथक जानकारी उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि अंतिम समय में किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोका जा सके।

पिपलोनकलां में हिंदू सम्मेलन के तहत निकली जा रही प्रभातफेरी

तनोडिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आगामी 22 जनवरी को पिपलोनकलां मंडल में हिंदू संगम सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन को लेकर स्वयंसेवक पिछले महीने से ही तैयारियों में जुटे हैं। कार्यक्रम की भव्यता के लिए पिपलोन सहित पिपलिया सादिकपुर, लापाखेडी, लालाखेडी, बरखेडा, अलसिया कालियाखेडी,टुगंनी आदि गांव की टोलियां घर-घर जाकर पीले चावल और पत्रक बांटकर परिवारों को आमंत्रित कर रहे हैं। तो एक तरफ सुबह प्रभातफेरी भंजन किर्तन के साथ निकाली जा रही है। पिपलोनकलां आयोजन समिति के अनुसार सम्मेलन से पूर्व 'व्यापक जनजागरण किया जा रहा है, जिसमें महिलाएं और बच्चे भी उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। इस संगम का मुख्य आकर्षण सामूहिक सहभोज होगा, जो सामाजिक समरसता और संगठन की शक्ति का अनुपम उदाहरण पेश करेगा। बैठकों का दौर जारी है ताकि इस शताब्दी वर्ष के उत्सव को ऐतिहासिक बनाया जा सके। प्रभातफेरी में बडी संख्या में सकल हिन्दू समाज शामिल हो रहे हैं।

आधी अधूरी चल रही स्ट्रीट लाइट जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

तनोडिया। नगर में आगामी राष्ट्रीय व अन्य त्योहार प्रारम्भ हो रहे है। वैसे तो स्ट्रीट लाइट वर्षों से लगी है जहां कहीं बार बीच में जिम्मेदारों के लापरवाही से बंद हो गई थी वहीं अब फिर स्ट्रीट लाइट बाजार ,गली मोहल्ले, मेन बाजार, क्षेत्र में ही चल रही जहां उसमें भी कुछ गलियो में कई अन्य जगहों पर आधी अधूरी लाइट बंद पड़ी हुई है जहां इसको लेकर कहीं बार सोशल मीडिया पर अभी जिम्मेदारों का अवगत कराया फिर भी कोई ध्यान नहीं दे रहे वही एक और नगर में से निकला आगर उज्जैन हाइवे रोड पर खीमाखेडी जोड से लगाकर रावण टेकरी तक रोड के ठेकेदार की लापरवाही की वजह से सर्विस रोड की दोनों तरफ की आधी अधुरी स्ट्रीट लाइट बंद पडी हुई है। जिससे आए दिन छोटी मोटी दुर्घटना तो आम बात हो गई है। नगरवासियों ने जिला प्रशासन व स्थानीय ग्राम पंचायत से मांग कि है कि आधी अधुरी स्ट्रीट लाइट बंद पड़ी हुई है, उसे ठीक करवाई जाए।

श्रीमती पदमबाई पटेल का स्वर्गवास

मक्सी। स्व बलवंत सिंह पटेल की धर्मपत्नी एवं स्व

सिताबसिंह पटेल, मदनसिंह पटेल की माताजी नरेन्द्र पटेल की दादी माखन राहुल गणेश की दादी श्रीमती पदमबाई पटेल का स्वर्गवास 21 जनवरी को हो गया । शव यात्रा निवास बजरंग मोहल्ला से नगर के प्रमुख मार्गो से होती हुई मुक्तिधाम पहुंची जहां सैकड़ों की संख्या में उपस्थित लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की

मुख्यमंत्री कृषि आधारित उद्योग की स्थापना करें-नवलखा

महिदपुर। महिदपुर तहसील में बैरोजगारी के कारण क्षेत्र के किसान, मजदूर, नौजवान रोजगार के अभाव

में मजबूरीवश पलायन करने के लिये विवश व लाचार होकर क्षेत्र से रोजगार की तलाश में बाहर जाने को मजबूर है। उदरपूर्ति व रोजगार के अवसर की तलाश में शिक्षित, किसान, कृषि मजदूर पलायन करने को विवश हो रहा है। क्षेत्र का नागरिक रोजगार के अभाव में भटक रहा है। क्षेत्र में लाचारी, मजबूरी व बैरोजगारी समाप्त करने क्षेत्र में कृषि आधारित उत्पादन पर वृहद पैमाने पर उद्योग स्थापित किया जावे ताकि क्षेत्र में रोजगार के अवसरों का सृजन हो सके जिससे क्षेत्र की माली हालात में सुधार होकर बिखरे हुए संगठित व असंगठित क्षमिकों को रोजगार के अवसर उत्पन्न हो सके तथा क्षेत्र का चहुंमुखी विकास हो सके। म.प्र. कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रवक्ता व सामाजिक कार्यकर्ता अशोक नवलखा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री से क्षेत्र के माली हालत में सुधार रोजगार के अवसर उत्पन्न करने हेतु कृषि पर आधारित वृहद उद्योग स्थापित करने की मांग की है।

साध्वी श्री शाश्वतप्रिया जी म.सा. आदि ठाणा का भव्य मंगल प्रवेश

महिदपुर रोड। राष्ट्रसंत श्रीमद् विजय जयन्तसेन सूरीश्वर जी महाराजा समुदायवर्ती व पुण्यसम्राट गुरुदेव की पोत्री साध्वी श्री शाश्वत प्रिया श्री जी म.सा. आदि ठाणा-4 का 21 जनवरी को सुबह रूपेटा गांव से विहार कर बुधवार को नगर के नागदा चौराहा से ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य एवं ऐतिहासिक मंगल प्रवेश हुआ। मंगल प्रवेश जुलूस में समाजजन गुरुदेव के जयघोष करते हुए श्रद्धा व भक्ति भाव से सहभागी बने। जुलूस के दौरान स्थान-स्थान पर समाजजनों द्वारा गुरुदेव की गहुली की गई एवं मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया गया। यह भव्य जुलूस नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए श्री राजेन्द्र सूरी ज्ञान मंदिर पहुँचा, जहाँ धर्मसभा में परिवर्तित हो गया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए पूज्य साध्वी श्री ने कहा कि गुरु के प्रति सच्ची श्रद्धा और पूर्ण समर्पण ही मोक्ष का मार्ग है। उन्होंने भावपूर्ण उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे लोहे की कील जल में डालते ही डूब जाती है, वैसे ही गुरु सान्नि ध्य के बिना जीवन अस्थिर हो जाता है, जबकि गुरु का सान्निध्य उस नाव के समान है जो संसार रूपी भवसागर से पार लगा देता है। गुरु ही हमें असत्य से सत्य की और ले जाते हैं तथा अज्ञानता को दूर कर ज्ञान का प्रकाश प्रदान करते हैं। उक्त जानकारी समाज के मीडिया प्रभारी सचिन भंडारी ने दी।

वसंत पंचमी

जानें महत्व और पूजा का शुभ मुहूर्त

माघ माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर वसंत पंचमी का पर्व मनाया जाता है। आइए जानते हैं इस पर्व और बसंत ऋतु का महत्व और माता सरस्वती के पूजन की विधि। इसके साथ ही जानेंगे कि इस पर्व में पीले रंग का क्या महत्व है।

प्रति वर्ष माघ माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर वसंत पंचमी का पर्व मनाया जाता है। पंचमी तिथि किसी न किसी देवी-देवता को समर्पित होता है और धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, यह पंचमी माता सरस्वती को समर्पित है। पंचांग के अनुसार, माघ शुक्ल पंचमी तिथि 23 जनवरी 2026 (शुक्रवार) को रात 02:28 बजे शुरू होगी और 24 जनवरी 2026 (शनिवार) को रात 01:46 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के आधार पर वसंत पंचमी 23 जनवरी 2026 शुक्रवार को मनाई जाएगी। वसंत पंचमी पर पूजन का शुभ मुहूर्त प्रातः काल 6 बजकर 57 मिनट से दोपहर 12 बजकर 21 मिनट तक रहेगा।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, माता की उत्पत्ति का उद्देश्य इस ब्रह्माण्ड को वाणी और ज्ञान देना था। कहते हैं जिनकी जिव्हा पर सरस्वती देवी का वास होता है, वे ज्ञान और विद्या के धनी होते हैं। इनके बिना एक मनुष्य का जीवन अंधकारमय होता है। वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती पूजन और व्रत करने से वाणी मधुर होती है, स्मरण शक्ति तीव्र होती है और विद्या में कुशलता प्राप्त होती है। वसंत का सीधा सा अर्थ है सौन्दर्य, शब्द का सौन्दर्य, वाणी का सौंदर्य, प्रकृति का सौंदर्य, प्रवृत्ति का सौंदर्य, वसंत पंचमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि ज्ञान, बुद्धि और नए आरंभ का दिव्य संकेत है।

प्रकृति के आंचल में जब अनेकानेक पुष्प मुस्कारते हैं, जब कोयल की कूक कानों में मिठास घोलती है, जब पेड़ पुष्प अपना परिधान बदलते हैं और जब वाणी मधुरता का अमृतपान कराती है, तो सुनते देखते ही पहला शब्द निकलता है वाह... अद्भुत... विलक्षण.. अनुपम, वास्तव में यही वसंत है तभी तो इसे रितुराज की संज्ञा दी गई है।

रितु विचिका में दो ऐसे मास हैं, जो हमारे मन को सीधे सीधे प्रभावित करते हैं, एक सावन और दूसरा वसंत, दोनो ही मास को साहित्य, समाज, समरसता, संगीत और सकारात्मकता से जोड़ा गया है। कालीदास से लेकर आज तक के अनेक रचनाकारों को ये मास आनंदित करते हैं।

वसंत के पर्व का विस्तार अधिक है क्योंकि इससे और भी बहुत से सकारात्मक तत्व जुड़े हैं। मां सरस्वती वाणी एवं ज्ञान की देवी है। ज्ञान को संसार में सभी चीजों से श्रेष्ठ कहा गया है, इस आधार पर देवी सरस्वती सभी से श्रेष्ठ हैं. कहा जाता है कि जहां सरस्वती का वास होता है वहां लक्ष्मी एवं काली माता भी विराजमान रहती हैं। इसका प्रमाण है माता वैष्णो का दरबार जहॉ माँ सरस्वती,माँ लक्ष्मी,माँ काली ये तीनों महाशक्तियां साथ में निवास करती हैं. जिस प्रकार माता दुर्गा की पूजा का नवरात्रे में महत्व है उसी प्रकार वसंत पंचमी के दिन सरस्वती पूजन का महत्व है। सरस्वती पूजा के दिन यानी माघ शुक्ल पंचमी के दिन सभी शिक्षण संस्थानों में शिक्षक एवं छात्रगण सरस्वती माता की पूजा एवं अर्चना करते हैं. सरस्वती माता कला की भी देवी मानी जाती हैं अतः कला क्षेत्र से जुड़े लोग भी माता सरस्वती की विधिवत पूजा करते हैं. छात्रगण सरस्वती माता के साथ-साथ पुस्तक, कापी एवं कलम की पूजा करते हैं. संगीतकार वाद्ययंत्रों की, चित्रकार अपनी तूलिका की पूजा करते हैं।

वसंत पंचमी की पौराणिक कथा

सृष्टि की रचना के समय ब्रह्माजी ने महसूस किया कि जीवों की सर्जन के बाद भी चारों ओर मौन छाया रहता है। उन्होंने विष्णुजी से अनुमति लेकर अपने कमंडल से जल छिड़का, जिससे पृथ्वी पर एक अद्भुत शक्ति प्रकट हुई। छह भुजाओं वाली इस शक्ति रूप स्त्री के एक हाथ में पुस्तक, दूसरे में पुष्प, तीसरे और चौथे हाथ में कमंडल और बाकी के दो हाथों में वीणा और माला थी। ब्रह्माजी ने देवी से वीणा बजाने का अनुरोध किया। जैसे ही देवी ने वीणा का मधुरनाद किया, चारों ओर ज्ञान और उत्सव का वातावरण फैल गया, वेदमंत्र गूंज उठे। ऋषियों की अंतःचेतना उन स्वरों को सुनकर झूम उठी। ज्ञान की जो लहरियां व्याप्त हुईं, उन्हें ऋषिचेतना ने संचित कर लिया।तब से इसी दिन को वसंत पंचमी के रूप में मनाया जाता है।

वसंत पंचमी पर पूजन

माता शारदा के पूजन के लिये भी वसंत पंचमी का दिन विशेष शुभ रहता है. इस दिन 2 से 10 वर्ष की कन्याओं को पीले-मीठे चावलों का भोजन कराया जाता है तथा उनकी पूजा की जाती है। मां शारदा और कन्याओं का पूजन करने के बाद पीले रंग के वस्त्र और आभूषण कुमारी कन्याओ, निर्धनों व विप्रों को देने से परिवार में ज्ञान, कला व सुख -शान्ति की वृद्धि होती है. इसके अतिरिक्त इस दिन पीले फूलों से शिवलिंग की पूजा करना भी विशेष शुभ माना जाता है।

वंसत पंचमी पर पीले रंग का महत्व

ग्रंथों के अनुसार वसंत पंचमी पर पीला रंग के उपयोग का महत्व है। क्योंकि इस पर्व के बाद शुरू होने वाली वसंत ऋतु में फसलें पकने लगती हैं और पीले फूल भी खिलने लगते हैं। इसलिए वसंत पंचमी पर्व पर पीले रंग के कपड़े और पीला भोजन करने का बहुत ही महत्व है। इस त्योहार पर पीले रंग का महत्व इसलिए बताया गया है क्योंकि वसंत का पीला रंग समृद्धि, ऊर्जा, प्रकाश और आशावाद का प्रतीक है। इसलिए इस दिन पीले रंग के कपड़े पहनते हैं, व्यंजन बनाते हैं।

क्या करें क्या ना करें की हालत कर देता है केतु

मानसिक भ्रम से टूट जाता है जातक

वैदिक ज्योतिष में राहु और केतु को छाया ग्रह कहा जाता है। इनका कोई भौतिक अस्तित्व नहीं होता, लेकिन व्यक्ति के जीवन पर इनका प्रभाव बेहद गहरा और दूरगामी माना जाता है। केतु को मोक्ष, वैराग्य, अध्यात्म, रहस्य, पूर्व जन्म के कर्म और अचानक घटने वाली घटनाओं का प्रतीक माना गया है। यदि जन्म कुंडली में केतु मजबूत और शुभ स्थिति में हो, तो व्यक्ति को आध्यात्मिक उन्नति, गहरी समझ और तीव्र बुद्धि प्रदान करता है। लेकिन यही केतु कमजोर या अशुभ हो जाता है, तो जीवन में असंतुलन और भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है।

अशुभ केतु का प्रभाव अक्सर अचानक बदलावों के रूप में सामने आता है। मानसिक तनाव, रिश्तों में दूरी, आर्थिक अस्थिरता और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां इसके प्रमुख संकेत माने जाते हैं। हालांकि केतु का मूल स्वभाव व्यक्ति को भौतिक मोह से निकालकर आत्मिक ज्ञान की ओर ले जाना है। यदि समय रहते इसके नकारात्मक संकेतों को समझ लिया जाए और सही उपाय किए जाएं, तो यही केतु जीवन को सही दिशा भी दिखा सकता है। आइए जानते हैं अशुभ केतु के प्रमुख लक्षणों और उनसे जुड़े प्रभावी उपायों के बारे में।

मानसिक अस्थिरता और भ्रम

खराब केतु का सबसे सामान्य प्रभाव मन पर पड़ता है। व्यक्ति बिना किसी ठोस कारण के बेचैन रहने लगता है। निर्णय लेने में कठिनाई, बार-बार विचार बदलना, अकारण भय और भविष्य को लेकर असमंजस की स्थिति बनी रहती है। पढ़ाई या काम में मन नहीं लगता और छोटी-छोटी बातों पर उलझन बढ़ जाती है। जब केतु चंद्रमा के साथ पाप ग्रहों से प्रभावित हो या चतुर्थ व द्वादश भाव में कमजोर स्थिति में हो, तो मानसिक अशांति और बढ़ जाती है।

उपायः प्रतिदिन गायत्री मंत्र या हनुमान चालीसा का पाठ करें। चांदी की अंगूठी अनामिका उंगली में धारण करें। घर के दक्षिण-पश्चिम कोने को साफ और व्यवस्थित रखें।

रिश्तों में दूरी और अलगाव

केतु का संबंध वैराग्य से है, लेकिन अशुभ होने पर यह रिश्तों में ठंडापन ले आता है। व्यक्ति को लगता है कि कोई उसे समझ नहीं पा रहा। परिवार और मित्रों से दूरी बन जाती है, वैवाहिक जीवन में भावनात्मक कमी आ सकती है और गलतफहमियों के कारण संबंध टूटने की स्थिति बनती है। जब केतु सप्तम, पंचम या एकादश भाव में पाप प्रभाव में हो या शुक्र-केतु और शनि-केतु की अशुभ युति बने, तो रिश्तों में तनाव बढ़ता है।

उपायः हर गुरुवार जरूरतमंदों को पीली दाल का दान करें। विवाहित महिलाएं बुधवार को हरे वस्त्र पहनकर शिव-पार्वती की पूजा करें। समय-समय पर पितरों का श्राद्ध और तर्पण करें।

करियर और धन में अस्थिरता

अशुभ केतु करियर और आर्थिक स्थिति में अचानक उतार-चढ़ाव लाता है। नौकरी में रुकावट, प्रमोशन का रुक जाना, व्यवसाय में नुकसान या बार-बार काम बदलने की स्थिति बन सकती है। निवेश में घाटा और भविष्य को लेकर असमंजस बना रहता है। जब केतु दशम, द्वितीय या अष्टम भाव में कमजोर हो या राहु-केतु की दशा चल रही हो, तब यह प्रभाव और तीव्र हो जाता है।

उपायः मंगलवार को हनुमान मंदिर में सिंदूर और चमेली का तेल चढ़ाएं। शनिवार को काले तिल और उड़द की दाल दान करें। किसी भी शुभ कार्य से पहले गणेश जी की पूजा अवश्य करें।

रहस्यमयी स्वास्थ्य समस्याएं

केतु से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याएं अक्सर ऐसी होती हैं जिनका कारण तुरंत समझ नहीं आता। सिर दर्द, आंखों की परेशानी, त्वचा रोग, बिना कारण होने वाला दर्द या अचानक चोट लगना इसके संकेत हो सकते हैं।

विशेष रूप से जब केतु षष्ठ, अष्टम या द्वादश भाव में मंगल या शनि के साथ हो, तब दुर्घटना या सर्जरी की आशंका बढ़ जाती है।

उपायः मंगलवार और शनिवार को मंदिर में नारियल अर्पित करें। प्रतिदिन महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें। घर के मुख्य द्वार पर लाल रंग का तोरण लगाएं।

Sport

टी20 विश्व कप 2026 की शुरूआत से पहले हुए विवाद के लिए आज हुई आईसीसी बोर्ड की बैठक में बांग्लादेश को अल्टीमेटम दे दिया गया है। उन्हें बहुमत के आधार पर भारत में खेलो या बाहर होने का निर्देश मिला है। इस पर फैसला करने के लिए खेल की वैश्विक संस्था ने उन्हें 24 घंटे की मोहलत दी है।

बैठक में बांग्लादेश को 'भारत में खेलो या बाहर होने' का अल्टीमेटम, 24 घंटे की मिली मोहलत

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 की शुरूआत से पहले हुए विवाद पर आज हुई आईसीसी बोर्ड की बैठक में बांग्लादेश को अल्टीमेटम दे दिया गया। उन्हें बहुमत के आधार पर भारत में खेलो या बाहर होने का निर्देश मिला है। इस पर बांग्लादेश को 24 घंटे में फैसला लेना होगा। दरअसल, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने सुरक्षा का हवाला देते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से उनके मुकाबले भारत से श्रीलंका स्थानांतरित करने की मांग की थी। इसके अलावा उन्होंने आईसीसी को ग्रुप बदलने का भी विकल्प दिया था। हालांकि, अब आईसीसी ने बुधवार को हुई बैठक में उनकी सभी मांगों को खारिज करते हुए एक दिन में फैसला लेने का अल्टीमेटम दे दिया है।

बैठक में कौन-कौन शामिल हुआ?

आईसीसी बोर्ड की बैठक में सभी फुल मेंबर देशों के डायरेक्टर ने हिस्सा लिया। ले रहे हैं। इसमें आईसीसी चेयरमैन जय शाह के अलावा, बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया, एसएलसी अध्यक्ष शम्मी सिल्वा, पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन माइक बेयर्ड, जिम्बाब्वे क्रिकेट अध्यक्ष तवेंगा मुकुहलानी, क्रिकेट वेस्टइंडीज अध्यक्ष किशोर शैलो, क्रिकेट आयरलैंड के चेयरमैन ब्रायन मैकनीस, क्रिकेट न्यूजीलैंड के प्रतिनिधि रोजर ट्वास, इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन रिचर्ड थॉम्पसन, क्रिकेट साउथ अफ्रीका के प्रतिनिधि मोहम्मद मूसाजी और मीरवाइस अशरफ, क्रिकेट अफगानिस्तान के चेयरमैन शामिल रहे। इसके अलावा बैठक में आईसीसी प्रबंधन के शीर्ष अधिकारी और एंटी-करप्शन के हेड एंड्रयू एफग्रेव ने भी हिस्सा लिया।

मुद्दे की जड़ : मुस्तफिजुर-क्कछ विवाद से उपजा तनाव

इस विवाद की शुरूआत मुंबई इंडियंस द्वारा बांग्लादेश के स्टार पेसर मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 से रिलीज करने के बाद हुई। इसके बाद सुरक्षा और टीम माहौल को लेकर बांग्लादेश में नए स्वर उभरे। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भारत यात्रा पर सुरक्षा आशंका जताते हुए कहा कि टीम को श्रीलंका में खेलना चाहिए। उनकी मांग यह थी कि बांग्लादेश को ग्रुप सी से हटाकर ग्रुप बी में भेजा जाए, क्योंकि ग्रुप बी के मैच श्रीलंका में खेले जा रहे हैं।

मौजूदा शेड्यूल में बांग्लादेश अपने लीग मुकाबले कोलकाता और मुंबई में खेलेगा। बांग्लादेश टीम का पहला मुकाबला सात फरवरी को कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ होगा। इसके बाद टीम अपने दो और ग्रुप मैच कोलकाता में खेलेगी और अंतिम मैच मुंबई में होगा।

इस बीच, बोर्ड अधिकारियों के बयान भी विवाद में घी डालने जैसे साबित हुए। नजरुल इस्लाम ने इस मामले पर अपने ही खिलाड़ियों को घेर लिया, जिससे वहां के खिलाड़ी नाराज हो गए और अपने ही बोर्ड के खिलाफ बगावत शुरू कर दी।

हालांकि, बीसीबी के हस्तक्षेप के बाद और नजरुल के एक पद से इस्तीफे के बाद मामला कुछ शांत हुआ। हालांकि, बीसीबी की अकड़ नहीं गई और वह अभी भी अपनी मांग पर अड़ा हुआ है। नतीजतन, मीडिया में अटकलों का सिलसिला और तेज हो गया।

बांग्लादेश की मांग खारिज, 24 घंटे में लेना होगा फैसला

ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, 'आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) से बांग्लादेश सरकार को यह बताने के लिए कहा है कि अगर बांग्लादेश 2026 टी20 विश्व कप में अपने मैच खेलने के लिए भारत जाने से मना करता रहता है, तो उसकी जगह टूर्नामेंट में दूसरी टीम को शामिल किया जाएगा। यह फैसला वोटिंग के बाद लिया गया, जिसमें आईसीसी बोर्ड के ज्यादातर सदस्य रिप्लेसमेंट के पक्ष में थे। बीसीबी को भारत में खेलने के अपने रुख पर आईसीसी को जवाब देने के लिए एक और दिन का समय दिया गया है।'

सुरक्षा में कोई खास खतरा नहीं: आईसीसी

शनिवार को बैठक में आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को भरोसा दिलाया था कि सुरक्षा खतरे जैसी कोई गंभीर स्थिति नहीं है।

एक स्वतंत्र सुरक्षा एजेंसी की रिपोर्ट के हवाले से आईसीसी ने बताया था कि भारत में सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा गया है और वहां सुरक्षा स्थिति उच्च श्रेणी की है।

आईसीसी ने कहा था कि किसी भी टीम को लेकर कोई खास खतरा पहचान में नहीं आया है। इसके बावजूद बीसीबी अपनी मांग पर अड़ा हुआ है और विवाद करीब चार सप्ताह से जारी है।

दिल्ली कैपिटल्स ने सात विकेट से जीता मैच, मुंबई ने लगाई हार की हैट्रिक

वडोदरा। दिल्ली कैपिटल्स ने कप्तान जेमिमा रॉड्रिग्स के नाबाद अर्धशतक की मदद से महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मुकाबले में मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराया। मुंबई इंडियंस ने नताली सिवर ब्रंट के नाबाद अर्धशतक की बदौलत 20 ओवर में पांच विकेट पर 154 रन बनाए। जवाब में दिल्ली ने एक ओवर शेष रहते तीन विकेट पर 155 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। मुंबई इंडियंस की यह लगातार तीसरी हार है।

लगातार तीन मैच में हार के बावजूद मुंबई इंडियंस की टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर मौजूद है। मुंबई के छह मैचों में दो जीत और चार हार के साथ चार अंक लेकर दूसरे स्थान पर बरकरार है। वहीं, जीत की पटरी पर लौटने वाली दिल्ली कैपिटल्स को फायदा हुआ है और वह चौथे स्थान पर आ गई है। दिल्ली के पांच मैचों में दो जीत और तीन हार के साथ चार अंक हैं।

लक्ष्य का पीछा करते हुए शेफाली वर्मा और लिजेले ली ने दिल्ली को अच्छी शुरूआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों के बीच पहले विकेट के लिए 63 रनों की साझेदारी हुई। शेफाली और लिजेले की बीच साझेदारी और बड़ी होती उससे पहले ही डेब्यू मैच खेलने वाली वैष्णवी शर्मा ने उन्हें बोल्ड कर दिया। शेफाली 24 गेंदों पर छह चौकों की मदद से 29 रन बनाकर आउट हुईं। लिजेले अर्धशतक लगाने की ओर बढ़ रही थीं, लेकिन संट्प आउट होकर पवेलियन लौट गईं। लिजेले 28 गेंदों पर सात चौकों और एक छक्के की मदद से 46 रन बनाकर आउट हुईं।

आवश्यकता है
कागज पत्तल बनाने हेतु पुरुष एवं महिलाओं की
पेपर ग्लास मशीन ऑपरेटर की
पैकिंग हेतु महिलाओं की
हेल्पर हेतु लड़को की
शीघ्र संपर्क करे
श्री हरि पेपर इंडस्ट्री
8 इंडस्ट्रियल एरिया मक्सी रोड
प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन
मोबाइल 9425358095

प्लाट बेचना है
गणेशपुरा, मक्सी रोड, संजोग गेस एजंसी के सामने 19'x55' और 15'x55' साइज के प्लाट बेचना है । प्रस्तावित फोरलेन से मात्र 100 फिट की दूरी पर।
ब्रोकर बंधु कृपया क्षमा करे।
मो. 9131720147, 9424045696

अवश्यकता है
पेन्ट बनाने वाले कारीगरों की व शर्ट व सफारी बनाने वाले कारीगरों की आवश्यकता है।
मेमोरियल टेलर्स शहीद पार्क फ्रीगंज (उज्जैन)
मो. 9425094114

आवश्यकता
गैस एजेंसी पर ऑफिस कार्य हेतु महिला/पुरूष की
कंप्यूटर का ज्ञान आवश्यक
गैस एजेंसी के अनुभवी को प्राथमिकता
शीघ्र संपर्क करे
मंगलमूर्ति गैस एजेंसी
नजर अली मार्ग, ललूजी एंड सस के सामने, उज्जैन
संपर्क: 9425093658

रेंट पर देना/आवश्यकता
1- उज्जैन मेन रोड चिमनगंज मंडी के सामने 2400 स्क्वे. फीट का शोरूम रेंट पर देना है। ऑफिस, बैंक के लिए
2- साड़ी शोरूम पर सेल्सगर्ल व सेल्समेन की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 20000 रुपए
संपर्क
9826398272

कर्मचारी की आवश्यकता
क्षिप्रा ढाबे पर अनुभवी वेटर हेल्पर
किचन हैल्पर तंदूर वाला और सिक्युरिटी गार्ड की तुरंत आवश्यकता है
पता- हरिफाटक फ्लाईओवर ब्रिज इंदौर रोड उज्जैन, 761-0571808

आवश्यकता है
मार्केटिंग / सेल्समैन
वेतन 12000 से 15000 योग्यतानुसार
(समय प्रातः 7.30 से 6 बजे तक लन्च 1 से 2.30)
नोटः जरूरतमंद एवं अनुभवी की आवश्यकता
पेट्रोल खर्च अतिरिक्त दिया जाएगा
संपर्क
मो.9575477077

अमरूद बेचना है
अमरूद का बगीचा जवासिया कुमार, लालपुर, उज्जैन में चार बीघा में करीब 400 अमरूद के पेड़ अच्छी बहार आई फल बेचना है।
: संपर्क :
7746856444

अवश्यकता है
पेन्ट बनाने वाले कारीगरों की व शर्ट व सफारी बनाने वाले कारीगरों की आवश्यकता है।
मेमोरियल टेलर्स शहीद पार्क फ्रीगंज (उज्जैन)
मो. 9425094114

आवश्यकता
होटल हिमालया ग्रीन
खाना खजाना मक्खन वाला रेस्टोरेन्ट
देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)
1- तवा रोटी बनाने वाले
2- वेटर
3- चायनीज एवं साऊथ इंडियन सेफ
10, ए विनय नगर देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)
मो. 9575279117

कर्मचारियों की आवश्यकता है
इंदौर में रियल स्टेट कंपनी के ऑफिस में महिला एवं पुरुष कर्मचारियों की आवश्यकता है। अनुभवी और फ्रेशर दोनों संपर्क करें, सेल्स एग्जीक्यूटिव एंड टेलीकॉलिंग
सुपर कॉरिडोर और विजयनगर इंदौर
मोबा. +91 89629 44070

तुरंत लोन
होम लोन, बिजनेस लोन, ट्रांसफर्म लोन, पर्सनल लोन, ऑफिस वर्क, फील्ड वर्क के लिए गर्ल्स वेतन 10500 रु.
पताः श्री फाइनेंस सर्विस, हार फूल की गली, फ्रीगंज, उज्जैन
मो. 9981248359

कृषि भूमि बेचना है
• उज्जैन से मात्र 16 किमी पर 5 बीघा ग्राम आँवलिया में मात्र 22 लाख रुपये बीघा
• 25X60 का प्लॉट बेचना है एमपी नगर में
• 13X50 का मकान बेचना है मक्सी रोड एम आर 5 रोड पर
• 17X30 तीन मंजिला मकान बेचना है मेन रोड पर सांदीपनी नगर एम आर 5 रोड पर
मो. 9301388290, 9340903559

आवश्यकता है
कारखाने में (उज्जैन)
पैकेजिंग कार्य हेतु महिलाओं एवं आदमियों की
संपर्क करें
9300405252

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क
7773077762

वॉटर प्रुफिंग
करवाएं काफी कम रेट में
विजीट चार्ज 499/-
ईट का कॉवा वॉटर प्रूफिंग भी किया जाता है।
बदली के ड्रायवर की आवश्यकता हो तो संपर्क करें
9977140280

न्यूज कॉलम

दिल्ली एयर शो की तैयारी के चलते फ्लाइट्स कैंसिल, इंदौर की चार उड़ानें रहेगी निरस्त

इंदौर। राजधानी दिल्ली में 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के एयर शो की तैयारियों से आम हवाई यात्री परेशान हैं। एयरफोर्स द्वारा किए जाने वाले एयर शो की तैयारी के लिए कल से दिल्ली एयरपोर्ट पर रोजाना 2 घंटे के लिए उड़ानों का संचालन बंद कर दिया गया है। इसके कारण बुधवार को इंदौर से दिल्ली के बीच संचालित होने वाली चार उड़ानें निरस्त रहीं और आज भी ये निरस्त रहेंगी। यह सिलसिला 26 जनवरी तक जारी रहेगा। विमानतल से मिली जानकारी के मुताबिक, एयर शो की तैयारी के लिए दिल्ली एयरपोर्ट पर 21 से 26 जनवरी तक रोजाना सुबह 10:20 बजे से दोपहर 12:45 बजे तक यात्री उड़ानों का संचालन पूरी तरह बंद किया गया है। इसके लिए नोटिस टू एयरमैन भी जारी किया गया है, जिसके माध्यम से दुनिया के सभी एयरपोर्ट्स को यह जानकारी दी गई है। इसी कारण इंदौर से दिल्ली जाने और वहां से आने वाली दोपहर की उड़ानों को अस्थायी रूप से निरस्त किया जा रहा है। बुधवार को एयर इंडिया की चार उड़ानें इसी क्रम में निरस्त रहीं। इनमें उड़ान संख्या एआई-1725/1860 और एआई-1787/1872 शामिल हैं। ये सभी उड़ानें सुबह से दोपहर के बीच संचालित होती हैं। एयर इंडिया के साथ ही इंडिगो की भी उड़ानें आने वाले दिनों में निरस्त हो सकती हैं। एयर इंडिया ने इस अवधि के लिए इंदौर से दिल्ली के बीच संचालित होने वाली कुछ उड़ानों की बुकिंग बंद कर दी है और वेबसाइट से हटा दिया है। उड़ानों के निरस्त होने से वे यात्री परेशान हैं जिन्होंने इनमें पहले से टिकट बुक कर रखी थी। कंपनी ऐसे यात्रियों को केवल रिफंड और रिबुकिंग का विकल्प दे रही है। आखिरी समय में उड़ानें निरस्त होने के कारण जब यात्री दूसरी उड़ानों में बुकिंग करने जाते हैं, तो उन्हें सामान्य से कहीं ज्यादा किराया चुकाना पड़ रहा है।

इंदौर के जोन 14 में निगमायुक्त क्षितिज सिंघल ने किया निरीक्षण

इंदौर। इंदौर नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने गुरुवार को जोन क्रमांक 14 के अंतर्गत आने वाले सुदामा नगर, हवा बंगला रोड, 60 फीट रोड, प्रभु नगर, अन्नपूर्णा नगर सहित विभिन्न इलाकों का निरीक्षण किया। उन्होंने लोगों से बात की और गंदे पानी की समस्या और जलापूर्ति न होने से जुड़ी शिकायतें सुनीं। जलापूर्ति बाधित होने के मामलों में सुधार कार्य प्राथमिकता से करने को कहा। जल सुनवाई और जलप्रदाय समीक्षा बैठक के दौरान सामने आई शिकायतों को निगमायुक्त ने गंभीरता से लिया था। इसी के तहत वे संबंधित क्षेत्रों में जलप्रदाय और सीवरेज व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पाइपलाइन संधारण, लीकेज, वाल्व संचालन, क्लोरिनेशन तथा जलापूर्ति से जुड़े अन्य तकनीकी बिंदुओं का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन इलाकों में गंदे पानी की समस्या या जलापूर्ति बाधित है, वहां संधारण और सुधार कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को स्वच्छ और नियमित पेयजल उपलब्ध कराना निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि काम पूरा होने के बाद दोबारा चेक कर सुनिश्चित करें कि समस्या का स्थायी समाधान हो। इस दौरान निगमायुक्त के साथ अपर आयुक्त आशीष पाठक, संबंधित जोनल अधिकारी, जलप्रदाय विभाग के अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। बता दें कि नगर निगम द्वारा हर मंगलवार को जल सुनवाई का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें कई लोगों द्वारा पानी से संबंधित शिकायतें की जा रही हैं। इन्हीं शिकायतों को दूर करने के लिए निगम के अधिकारी मैदान में हैं।

ट्रक की चपेट में आए बाइक सवार की मौत, हादसे के बाद चालक फरार

इंदौर। इंदौर के भंवरकुआ थाना क्षेत्र में नेमावर रोड पर प्रभु तोल कांटे के पास गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान राजेन्द्र शर्मा (45) पिता बाबूलाल शर्मा निवासी सिल्वर कॉलोनी के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार राजेन्द्र अपनी मां को बाइक पर बैठाकर बुआ के घर खजराना छोड़ने गए थे। बुआ के घर में शादी है। इसके बाद उन्हें अपनी कंपनी जाना था। इसी दौरान रास्ते में यह हादसा हो गया। राजेन्द्र ने हेलमेट पहना था पर ट्रक का पहिया उनके कंधे के पास से पेट के ऊपर चढ़ गया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने ट्रक को मौके पर ही रोक लिया, हालांकि चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक को जब्त कर लिया। पुलिस ने शव को पोस्ट मार्टम के लिए मचुर्री भिजवाकर मामले की जांच शुरू कर दी है। फरार ट्रक चालक की तलाश की जा रही है। भंवरकुआ थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक युवक का शव उसके घर में फंदे पर लटका मिला। परिजन उसे तत्काल नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। भंवरकुआ पुलिस के अनुसार भावना नगर निवासी मोहित आर्य (19) पिता दीपक आर्य ने अपने घर की दूसरी मंजिल पर सीढ़ियों के पास फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह सबसे पहले उसके चाचा रवि ने उसे फंदे पर लटका देखा, जिसके बाद परिवार में हड़कंप मच गया। परिजनों ने बताया कि मोहित नगर निगम की कचरा गाड़ी पर हेल्पर था। मृतक के पिता ने आशंका जताई है कि मोहित का एक युवती से प्रेम प्रसंग था। संभवतः इसी कारण उसने यह कदम उठाया हो। मोहित तीन भाइयों में बीच का था। पिता मंडी में लोडिंग वाहन चलाते हैं।

9 पुलिसकर्मियों के खिलाफ जांच जेल में हुई थी युवक की मौत

इंदौर। इंदौर में कानून की रखवाली करने वाली वर्दी पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। ब्राउन शुगर के आरोप में पकड़े गए गंभीर रूप से बीमार युवक की जिला जेल में मौत के बाद सामने आए आरोपों ने पुलिस कार्रवाई की प्रक्रिया, गिरफ्तारी की वैधता को लेकर नई बहस छेड़ दी है। पीड़ित परिवार का दावा है कि युवक को बिना एफआईआर घर से उठाया गया, अवैध वसूली की गई और बाद में झूठे एनडीपीएस केस में फंसाया गया। जब पुलिस स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो जिला न्यायालय ने एमआईजी थाने के 9 पुलिसकर्मियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। मामला 15 नवंबर 2024 का है। आरोप है कि जिस युवक को पुलिस ने घर से उठाया था वह टीबी का मरीज था। उसकी बहन राधिका सोनी पुत्री सुरेश सोनी, निवासी प्रकाशचंद्र सेठी नगर ने 23 मई 2025 को पुलिस कमिश्नर को शिकायत सौंपी थी। शिकायत में भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 127(2), 140(3), 201, 217, 229, 233, 238, 257, 308(6), 61(बी) और एनडीपीएस एक्ट की धारा 58 के तहत एमआईजी थाने के 9 पुलिसकर्मियों पर गंभीर आरोप लगाए गए थे। इसके बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर राधिका ने वकील कृष्ण कुमार कुन्हारे एवं डॉ. रूपाली राठौर के माध्यम से जिला न्यायालय इंदौर में 8 जनवरी 2026 को परिवाद पेश किया। जिसके बाद कोर्ट ने जांच के आदेश दिए हैं। पीड़िता ने न्यायालय को बताया कि उसके भाई अजय सोनी को शासकीय टीबी अस्पताल इंदौर से छुट्टी दिलाकर घर लाया गया था। डॉक्टरों की सलाह अनुसार परिवार उसकी देखभाल कर रहा था। बीमारी के कारण अजय का वजन लगभग 30 किलो रह गया था। डॉक्टरों ने भी जवाब दे दिया था।

आवश्यकता है

(1) अमूल आइसक्रीम में सेल्समैन एवं डिलेवरी मैन की
कार्य समयः दोपहर 12 से शाम 6
(2) पेपर काउंटर संभालने वाले की जिसको एकाउंट का ज्ञान हो
कार्य समयः सुबह 4 से सुबह 8 (4 घंटे)

बागड़िया न्यूज़ एजेंसी
121 सेंट्रल कोतवाली के सामने उज्जैन
9425332161

दूषित पानी ने चार बेटियों का पिता छीना

आंखों में रह गए आंसू और यादें, 15 दिनों से 2 लोग अब भी वेंटिलेटर पर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी के चलते चार बेटियों के सिर से पिता का साया उठ गया। घर के कमाने वाले मुखिया की तबीयत दूषित पानी के कारण बिगड़ी और कुछ ही दिनों में उन्होंने दम तोड़ दिया। पिता की मौत के बाद परिवार के सामने सवाल है- अब क्या होगा...?

हेमंत गायकवाड़ (50) की मंगलवार रात को अस्पताल में मौत हो गई। पहले तबीयत ज्यादा बिगड़ी तो उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया। थोड़ी देर बाद डॉक्टरों ने उन्हें घर ले जाने को कह दिया। ये बात सुनकर परिवार के पैरों तले जमीन खिसक गई। कुछ दिनों पहले तक जो हेमंत गायकवाड़ अपने ई-रिक्शा से स्कूली बच्चों को लाते ले जाते थे, वे इस दुनिया को अलविदा कह गए। हालांकि प्रशासन ने उनकी मौत डायरिया से नहीं होने की बात कही है। हेमंत गायकवाड़ की मौत के बाद बुधवार को भागीरथपुरा स्थित घर से उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई। इस दौरान पत्नी कल्पना उर्फ टीना, बड़ी बेटी रिया (22), उससे छोटी जिया (21), खुशबू (15) और सबसे छोटी मनाली (12) का रो-रोकर बुरा हाल रहा। परिवार के लोग उन्हें ढांढस बंधाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कभी सोचा भी नहीं होगा कि दूषित पानी की वजह से इतने सालों का साथ चंद पलों में छूट जाएगा। पत्नी अपने पति को और बेटियां अपने पिता को आखिरी बार जाते हुए देखते हुए रो रही थीं। हेमंत गायकवाड़ के छोटे भाई संजय गायकवाड़ ने बताया कि दो साल पहले ही घर बनाया था। दोनों भाइयों के परिवार यहीं रहते हैं। जब घर बना था तब भाई ने घर के मेन गेट के बाहर पितृ छाया की प्लेट लगवाई थी। पितृ छाया यानी जहां पिता की छाया हो, लेकिन इस घर से और चार बेटियों के सिर से पिता का साया ही हमेशा के लिए उठ गया। संजय ने बताया कि हेमंत की सबसे बड़ी बेटी रिया का कॉलेज पूरा हो गया है। दूसरी बेटी जिया थर्ड ईयर में पढ़ाई कर रही है। तीसरी बेटी खुशबू 11वीं क्लास और सबसे छोटी मनाली 7वीं क्लास में पढ़ाई कर रही है। पत्नी घर से सिलाई का काम करती है। उन्होंने बताया कि बड़े भाई हेमंत की तबीयत 15 दिन पहले खराब हुई थी। दूषित पानी के कारण उन्हें दस्त की शिकायत हुई। उन्हें दवा दी, दवा से दस्त तो बंद हो गए, लेकिन उनके पैर में सूजन आ गई।

12 साल की मासूम ने दी पिता को मुखाग्नि

अंतिम यात्रा मालवा मिल मुक्तिधाम पहुंची, जहां अंतिम संस्कार की सभी प्रक्रिया हुई। सबसे छोटी बेटी मनाली भी पहली बार मुक्तिधाम पहुंची। उसकी आंखों से आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे थे। मासूम बच्ची ने कभी सोचा भी नहीं था कि पिता को इस हालत में देखना पड़ेगा। सभी प्रक्रिया पूरी होने के बाद चाचा संजय गायकवाड़ के साथ मिलकर मनाली ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। इस पल ने वहां मौजूद सभी लोगों को झकझोर कर रख दिया। हर किसी की आंखें नम हो गईं।

नर्मदा प्रोजेक्ट में एक और भ्रष्टाचार का खुलासा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

भागीरथपुरा में दूषित पानी से 25 लोगों की मौत के बाद नर्मदा जल परियोजना को लेकर एक और बड़ा भ्रष्टाचार सामने आया है। नगर निगम द्वारा 25 करोड़ रुपए प्रतिमाह बिजली बिल बचत के दावे के साथ 2022 में ग्रीन बॉन्ड के जरिए जुटाए गए 277 करोड़ रुपए अब सवालों के घेरे में हैं।

पूर्व पार्षद दिलीप कौशल ने इस मामले में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और सीबीआई को प्रमाणों सहित ई-मेल भेजकर सीबीआई जांच की मांग की है। उनका आरोप है कि नगर निगम ने जलूद सौर ऊर्जा परियोजना पर 308 करोड़ रुपए खर्च किए, इसके बावजूद आज भी पीने के पानी के नाम पर हर माह करोड़ों रुपए का बिजली बिल चुकाया जा रहा है। साथ ही, ग्रीन बॉन्ड पर 8.25 प्रतिशत की दर से ब्याज भी लगातार दिया जा रहा है, जिससे नगर निगम को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। कौशल ने आरोप लगाया कि ठेकेदार को जुलाई 2025 तक काम पूरा कर लेना था। लेकिन इसके बाद भी पूरा नहीं हुआ है। इतना ही नहीं नगर निगम को भी अनुबंध के अनुसार प्रोजेक्ट में देरी होने पर हर सप्ताह 0.5 प्रतिशत की दर से ब्याज वसूला जाना था, लेकिन नगर निगम ने ठेकेदार को अवैध रूप से लाभ पहुंचाया है।

एयर इंडिया की लापरवाही से यात्री रातभर परेशान

दंपती ने पुणे एयरपोर्ट की कुर्सियों पर गुजारी रात, ठहरने और न खाने की व्यवस्था की

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

एयर इंडिया की अव्यवस्था और लापरवाही का खामियाजा इंदौर की एक दंपती को भुगतना पड़ा। इंदौर से केरल घूमने के बाद कोच्चि से वापस इंदौर लौट रहे इस दंपती की यात्रा एयरलाइन की बार-बार फ्लाइट रिशेड्यूलिंग के कारण लगभग 16 घंटे से ज्यादा लेट हुई और दोनों को एयरपोर्ट की कुर्सियों पर रात गुजारना पड़ी। कल शाम के बजाय दोनों आज सुबह पुणे होते हुए इंदौर पहुंचे।

खातीवाला टैंक में रहने वाले आईटी प्रोफेशनल योगेश वाधवानी अपनी पत्नी खुशबू के साथ 7 दिनों के केरल टूर पर गए थे। कल वापसी में एयर इंडिया की कोच्चि से दिल्ली और दिल्ली से इंदौर की फ्लाइट बुक की थी। कोच्चि से दिल्ली जाने वाली फ्लाइट दोपहर 1.20 बजे रवाना होकर 4.30 बजे दिल्ली पहुंचना थी और दिल्ली से 6.50 बजे इंदौर की फ्लाइट थी।

योगेश ने बताया कि कोच्चि से ही फ्लाइट को कई बार रिशेड्यूल किया गया। पहले इसे 4.30 बजे जाना बताया गया, फिर 5.30 बजे, आखिरकार यह 5.42 बजे रवाना हुई और रात 8.21 बजे दिल्ली पहुंची। इस देरी के कारण दिल्ली-इंदौर की फ्लाइट पहले ही रवाना हो चुकी थी। योगेश ने बताया कि उन्हें दिल्ली से इंदौर की इंडिगो में शिफ्ट किया जाना था, जिससे वे रात को ही इंदौर पहुंच सकते थे, इसके बजाय कंपनी ने उन्हें पुणे जाने को कहा।

दिल्ली से भेजा पुणे, रात कुर्सियों पर गुजारी

- पूरे दिन कोच्चि एयरपोर्ट पर इंतजार के दौरान यात्रियों को न तो लाउंज की सुविधा दी गई और न ही भोजन या विश्राम की कोई व्यवस्था की गई। कनेक्टिंग फ्लाइट छूटने के बाद एयर इंडिया ने वैकल्पिक व्यवस्था के तहत दंपती को दिल्ली से पुणे भेजा और फिर पुणे से सुबह इंदौर भेजने का प्लान बताया।
- रात 2.30 बजे उन्हें पुणे भेजा गया, यहां भी ना तो ठहरने की व्यवस्था की ना खाने पीने की। पूरी रात उन्होंने पुणे एयरपोर्ट की कुर्सियों पर गुजारी। यहां से सुबह की एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट से 9.10 बजे इंदौर पहुंचे। एयर इंडिया के अधिकारियों से बात करने की कोशिश की गई पर किसी ने जवाब नहीं दिया है।

डीजीसीए के नियम

- नागर विमानन महानिदेशालय के नियमों के अनुसार, घरेलू फ्लाइट्स में डिले/कैंसिलेशन पर कंपनसेशन का प्रावधान है।
- 2 घंटे से ज्यादा डिले पर भोजन/रिफ्रेशमेंट 3-6 घंटे या ज्यादा डिले पर होटल/लाउंज (अगर ओवरनाइट)
- डिले की वजह एयरलाइन की (जैसे ऑपरेशनल) होने पर 5 हजार से 10 हजार तक मुआवजा (डिस्टेंस और डिले टाइम पर निर्भर)

कैलाश ॐ शिव शंकर यात्रा प्राइवेट लिमिटेड
7/1 परदेशीपुरा, मैन रोड, इंदौर
9302065100 - 9827072550 - 9589614200
एक धाम जगन्नाथपुरी, गंगासागर, कोलकाता यात्रा विवरण
यात्रा सुविधाएं
• दो समय भोजन, एक समय चाय नाश्ता
• टूर गाइड सुविधा
• आवास हेतु (Non AC) 4 बेड वाले रूम की सुविधा
• टेम्पो ट्रैवलर अथवा बस द्वारा भ्रमण
• आने जाने की स्लीपर ट्रेन टिकट
यात्रा प्रस्थान - 11, 25 मार्च 8,17,29 अप्रेल 2026
• प्रथम दिवस : इंदौर रेलवे स्टेशन से प्रस्थान पुरी हेतु दोपहर 3 बजे
• दूसरा दिन : पुरी आगमन, रात्रि विश्राम पुरी
• तीसरा दिन : समुद्र स्नान, जगन्नाथ मंदिर दर्शन सिंह द्वार एवं कोणार्क सूर्य मंदिर, भुवनेश्वर में लिंगराज मंदिर रात्रि विश्राम ट्रेन अथवा स्लीपर बस में
• चौथा दिन: कलकत्ता आगमन गंगासागर में सागर स्नान, कपिल मुनि मंदिर दर्शन रात्रि गंगासागर
• पांचवा दिन :कालीमाता मंदिर, विक्टोरिया मेमोरियल, हावड़ा ब्रिज
• छठा दिन :कलकत्ता से वापसी ट्रेन
इस यात्रा के अंत में जो यात्री नेपाल काठमांड बनारस यात्रा करना चाहेंगे उनके लिए 6000 रु प्रति सवारी अतिरिक्त
यात्रा शुल्क 15,500 प्रति सवारी
3 सी यात्रा (एसी होटल एवं गाड़ी सहित) किराया 22,500 रु प्रति सवारी

पुरुषों की शक्ति वर्धक दवाईयाँ मिलती है
(25 वर्षों से आपकी सेवा में)
भास्कर आयुर्वेदिक
32, बहादुरगंज, उज्जैन समय- सुबह 11 से 3 बजे तक शाम 6 से 9 बजे तक मो. 98263-71718

स्थान परिवर्तन
नया स्थान : शॉप नं. 14 जगजीवन राम नगर, सोनी बिल्डिंग मटेरियल के पास, सोनी पेंट्स, एम.आई.जी. रोड, इंदौर
नवकार फार्मेसी मेडिकल शॉप
क्लिनिक : श्री गोपाल हड्डी रोग दवाखाना (हाड़ वैद्य) उज्जैन वाले
डॉ. एच.के. सिरोलिया
जोड़ एवं फ्रेक्चर हड्डी रोग विशेषज्ञ
मिलने का समय प्रति मंगलवार और शुक्रवार समय : दोप. 1 से शाम 5 बजे तक
Mob. 7000813235, 9669110800

जय श्री महाकाल
ऑल कंस्ट्रक्शन वर्क के लिए एजेक्स फ्लोरी 2300 के.जी. किराये से 24 घंटे उपलब्ध है।
ए.के. सिंह मो. 7748813792
सिविल इंजीनियर की आवश्यकता है।
देवास रोड, आरके क्लब कॉलोनी, अभिलाषा के पीछे, उज्जैन

सीमेन्ट आर्टिकल के थोक एवं खेरची विक्रेता
ए.के. ट्रेडर्स
फ्रन्ट एलीवेशन, फैन फ्लावर, फ्लावर बार्डर, कालम कुम्भी, कवेलु ब्लाक, बिल्सी, राजधानी पैटर्न मेहराब खम्बे डिजाईन वाले, लालटेन, तोड़ी पे. आर.सी.सी. चेम्बर, ड्रेनेज लाईन एवं समस्त
ऑफिस : 220/5, नामदार, रवीदास धर्मशाला के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
अखलाक हुसैन, मुस्तकिम हुसैन
मोबाइल 9827253852, 83192 9962, 7869555897

हस्तरेखाएं बोलती है कब? क्यों? कैसे?
जीवन की कठिन परेशानियों व्यापार नहीं चलना, विवाह या प्रेम विवाह में बाधा, कर्ज का बोझ, गृह कलेश, मानसिक अशांति व आर्थिक समस्याओं का सटीक हल प्राप्त करें। शुद्ध जन्म पत्रिका बनवाने व पत्रिका मिलान हेतु सम्पर्क करें।
पं. रुपेश रमेशचंद्र नाहर
(M.A. Astrologer)
प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य, भारतीय ज्योतिष विज्ञान संस्थान
नानाखेड़ा बस स्टेण्ड के पीछे, ए-5/8, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, सांई पैलेस होटल के सामने, उज्जैन
नोट- फोन पर समय लेकर मिले। समय दोपहर 1 से 5 बजे तक
मोबाइल- 9827007312, 98277-33384
(web.www.jyotishdham.in)

बिना ऑपरेशन कान के मवाद से मुक्ति
कटे कान जुड़वाएं
किडनी की पथरी का अंत तुरंत
निःशुल्क दवा प्राप्त करें
डॉ. पी.पी. ओझा
कर्ण रोग विशेषज्ञ
9425360006,9425107617
प्रति शनिवार को मिले
निकास चौराहा बुधवारिया, उज्जैन

उज्जैन में पहली बार मालवा का नया स्वाद
नया व्यंजन
दाल टिक्कड़
कोयले की आंच पर सीके हुए
पार्सल सुविधा उपलब्ध
होटल सांई दरबार
A PURE VEGETARIAN RESTAURANT
22, बख्तार मार्ग, होटल सांई पैलेस के पास, फ्रीगंज, उज्जैन
फोन नं. 0734-4061888 मो. 9009866000

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapressind@gmail.com